बालाघाट
सोमवार 05 मई 2025
वैशाख शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 219
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

चमोली। बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है। कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। 3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी। इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे।

गाड़ी खाई में गिरी, 3 जवानों की मौत

रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में रविवार को सेना का एक वाहन 600 मीटर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई। मृतक जवानों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इससे पहले 4 जनवरी को बांदीपोरा जिले में सेना का ट्रक खाई में गिरने से 4 जवानों की मौत हुई थी। 2 जवान गंभीर रूप से घायल थे। ट्रक में 6 जवान ही सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ।

पहली बार विधायक रिश्वत केस में गिरफ्तार

जयपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो राजस्थान ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) से विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है। राजस्थान में यह पहली बार है, जब किसी विधायक को रिश्वत के मामले में अरेस्ट किया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा में खनन विभाग से संबंधित उठाए गए सवालों को वापस लेने के लिए भारत आदिवासी पार्टी से विधायक ने 2.5 करोड़ की डिमांड की थी। जयकृष्ण के जयपुर में ज्योति नगर स्थित सरकारी क्वार्टर पर डील हुई थी। विधायक का गनमैन रिश्वत के 20 लाख रुपए ले रहा था। टीम के आते ही वह भाग गया। गनमैन की तलाश में एसीबी की टीमें दबिश दे रही हैं।

पंजाब में 2 पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

नई दिल्ली । पंजाब की अमृतसर पुलिस ने रविवार को 2 जासूसों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि दोनों सैन्य छावनी और एयरफोर्स बेस की इन्फार्मेशन और फोटोज विदेश भेज रहे थे। ये दोनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के ऑपरेटिव हैं। उधर, रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने भारत को न्यूक्लियर अटैक की धमकी दी है। उन्होंने शनिवार को रूसी मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत पाकिस्तान पर अटैक करता है तो इस्लामाबाद पूरी ताकत से जवाब देगा, चाहे वह न्यूक्लियर अटैक ही क्यों न हो। इस बीच, पाकिस्तान ने लगातार 10वें दिन एलओसी पर सीजफायर तोड़ा है। पाक सेना ने कुपवाड़ा, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर इलाकों में फायरिंग की है।

चिनाब का पानी रोका, अब बारी झेलम की...

सिंधु जल संधि निलंबन के बाद भारत का बड़ा कदम

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ 65 साल से चले आ रहे सिंधु जल समझौते को सस्पेंड कर दिया है। इसे कूटनीतिक तौर पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत की ओर से उठाया गया सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध से पाकिस्तान को जाने वाले पानी का प्रवाह रोक दिया है और झेलम नदी पर किशनगंगा बांध पर भी इसी तरह का कदम उठाने की प्लानिंग चल रही है।

जम्मू के रामबन में बगलिहार और उत्तरी कश्मीर में किशनगंगा हाइड्रो पावर डैम के जरिए भारत अपनी तरफ से पानी छोड़ने के टाइम को रेगुलेट कर सकता है। यानी इन बांधों के जरिए पाकिस्तान को पहुंचने वाले पानी को बिना किसी पूर्व चेतावनी के कम किया जा सकता है और फ्लो को बढ़ाया भी जा सकता है। भारत ने दशकों पुराने इस समझौते को पहलगाम आतंकी हमले के बाद सस्पेंड कर दिया था। वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत-पाकिस्तान के बीच 1960 में सिंधु जल समझौता किया गया था। इसके तहत सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी को दोनों देशों के बीच बांटने का फैसला हुआ था। चिनाब नदी पर बना बगलिहार बांध भी दोनों पड़ोसी देशों के बीच लंबे समय से विवाद का मुद्दा रहा है और पाकिस्तान ने पूर्व में विश्व बैंक से इस मामले में मध्यस्थता की मांग की थी। इसी तरह किशनगंगा बांध को भी कानूनी और कूटनीतिक जांच का सामना करना पड़ा है।

सिंधु जल संधि क्या है

यह संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मदद से हुई थी। इसमें सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के उपयोग के नियम तय किए गए थे। बागलीहार डैम लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का कारण रहा है। पाकिस्तान ने इस डैम को लेकर पहले विश्व बैंक से शिकायत भी की थी। किशनगंगा डैम को लेकर भी पाकिस्तान ने कई बार कानूनी और कूटनीतिक आपत्ति जताई है, खासकर इसकी वजह से नीलम नदी (झेलम की सहायक नदी) पर असर को लेकर।

पाक के लिए अहम सिंधु सिस्टम

समझौते के तहत पाकिस्तान को सिंधु सिस्टम की पश्चिमी नदियों (सिंधु, चिनाब और झेलम) पर कंट्रोल दिया गया है। पाकिस्तान सिंधु नदी सिस्टम के करीब 93 प्रतिशत पानी का इस्तेमाल सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए करता है और पड़ोसी देश की करीब 80 प्रतिशत कृषि भूमि इसके पानी पर निर्भर करती है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में कृषि का अहम योगदान है। यही वजह है कि समझौता स्थगित होने के बाद पाकिस्तान लगातार जंग की धमकी दे रहा है। सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद कराची की रिसर्च फर्म पाकिस्तान एग्रीकल्चर रिसर्च के प्रशासिक शौकत ने कहा कि भारत की कार्रवाई अनिश्चितता पैदा करती है। उन्होंने कहा कि इस वक्त हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। संधि में शामिल नदियां न सिर्फ फसलों, बल्कि शहरों, बिजली उत्पादन और लाखों लोगों की रोजी-रोटी में भी अहम भूमिका निभाती हैं। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने तो समझौता स्थगित होने के बाद कहा था कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या उनका खून बहेगा। इस बयान पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। यही नहीं पाकिस्तानी राजनेताओं ने समझौता स्थगित करने के फैसले को सीधे तौर पर जंग का ऐलान माना था। सिंधु नदी पाकिस्तान के लिए खासी अहमियत रखती है और समझौते स्थगित होने के बाद वहां के नेताओं की बौखलाहट इस बात की गवाही दे रही है।

देशवासी जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वह अवश्य होगा - राजनाथ सिंह

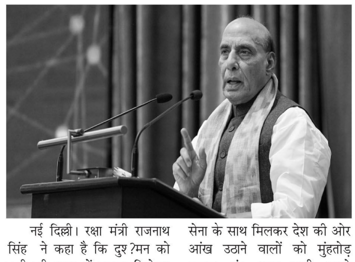

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि दुश?मन को उसी की भाषा में जवाब मिलेगा। साथ ही रक्षा मंत्री ने कहा कि मेरा दायि?त्व है कि अपनी सेना के साथ मिलकर देश की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दूं। इस दौरान उ?होंने देशवासियों को आश्?वस्?त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह अवश्य होगा।

दिल्?ली में आयोजित संस्?कृति जागरण महोत्?सव को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा भारत के भौतिक स्वरूप की रक्षा की है, वहीं दूसरी ओर हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भारत के आध्यात्मिक स्वरूप की रक्षा की है। एक ओर जहां हमारे सैनिक रणभूमि पर लड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे संत जीवनभूमि पर लड़ते हैं। एक रक्षा मंत्री के रूप में मेरा दायि?त्व है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं और मेरा दायि?त्व है कि अपनी सेना के साथ मिलकर देश की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दूं। आप सभी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और दृढ़ता को जानते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ।।राजनीति शब्द दो शब्दों राज और नीति को मिलाकर बना है। लेकिन विडंबना यह है कि राजनीति शब्द अपना अर्थ भी खो चुका है, अपना भाव भी खो चुका है। मुझे पूज्य संतों का आशीर्वाद चाहा हूं। मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए ताकि हम इसे भारत की राजनीति में पुनः स्थापित कर सकें।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हम तभी सच्चे अर्थों में 'विकसित भारत बनेंगे जब हम आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनेंगे। साथ ही कहा कि भारत की ताकत केवल उसकी सेनाओं में ही नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, आध्यात्मिकता में भी है।

अविमुक्तेश्वरानंद ने की राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा

नई दिल्ली। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा की है। शंकराचार्य ने कहा कि आज से राहुल गांधी को हिंदू धर्म का न माना जाए। बता दें राहुल गांधी ने संसद में मनुस्मृति को लेकर बयान दिया था। इस पर शंकराचार्य ने राहुल गांधी से स्पष्टीकरण मांगा था लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी राहुल गांधी ने इसका जवाब नहीं दिया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में हिंदू धर्म का अपमान किया। राहुल गांधी ने कहा था कि आपकी मनुस्मृति को मैं नहीं मानता। मैं संविधान को मानता हूं। जबकि वास्तविकता यह है कि हर हिंदू और सनातन धर्मी मनुस्मृति से संबंधित है।

शंकराचार्य ने कहा कि उन्हें रिमाइंडर भी भेजा गया। अब तीन महीने बीत गए हैं। बहुत से लोग यह कह रहे हैं कि उन्हें हिंदू धर्म से क्या बहिष्कृत करेंगे, वह तो हिंदू हैं ही नहीं। तीन महीने की अवधि में उन्होंने अपनी ओर से इस बारे में कुछ भी नहीं किया। तब हम लोगों ने यह निष्कर्ष निकाला कि राहुल गांधी मनुस्मृति में श्रद्धा नहीं रखते हैं। वह मनुस्मृति के बारे में संसद में खड़े होकर गलतबयानी करते हैं। जबकि मनुस्मृति में बलात्कारी को संरक्षित करने की बात नहीं लिखी है।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि तय हो गया है कि राहुल गांधी हिंदू धर्म के विरुद्ध काम कर रहे हैं। जनता के सामने यह स्पष्ट किया जाता है कि संभवतः वह हिंदू नहीं हैं। इसलिए आज से उन्हें हिंदू न माना जाए। हिंदू पुरोहित, पंडित हिंदू विधि से उनकी पूजा न कराएं। हिंदू मंदिरों में उनके प्रवेश को प्रतिबंधित किया जाए। सभी हिंदू सनातनी धार्मिक कार्यों से उनको वंचित किया जाए। शंकराचार्य ने कहा कि तीन महीने का समय बीतने पर भी राहुल गांधी ने न तो क्षमा मांगी और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया, इसलिए राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की सार्वजनिक घोषणा करते हैं और उन्हें हिन्दू न मानने की घोषणा करते हैं।

भारत और अमेरिका में सुबह-सुबह आया भूकंप, नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के कई हिस्सों में रविवार सुबह भूकंप के झटके लगे। हालांकि अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, बार-बार आ रहे भूकंपों ने लोगों में डर का माहौल है। अमेरिका में सबसे पहले रविवार सुबह 7.17 मिनट पर तेज भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। यह भूकंप न्यू मैक्सिको के कार्ल्सबाड शहर से करीब 89 किलोमीटर दूर व्हाइट सिटी में केंद्रित था। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 7.5 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल की हानि की खबर नहीं है।

बता दें अभी कुछ दिन पहले ही म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंपों और इंडोनेशिया, अर्जेंटीना व चिली में 6 से 7 तीव्रता के झटकों के बाद भूकंप ने लोगों में दहशत पैदा कर दिया थी। अमेरिका में भूकंप आने के बाद लोग डर से अपने घरों से बाहर निकल आए और कई घंटों तक सड़कों पर ही घूमते रहे। एक सर्वे ने इस भूकंप की पुष्टि की है।

भारत में भी रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राजस्थान के झुंझुनूं में सुबह करीब 9.30 मिनट पर लोगों ने हल्के भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। झटके हल्के लगने के बावजूद लोगों ने उन्हें महसूस किया और अपने घरों से बाहर आ गए। यहां भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इस भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राजस्थान से पहले मेघालय में भी रविवार सुबह करीब 7.56 मिनट पर भूकंप के झटके लगे। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.6 थी। भूकंप का केंद्र गारो हिल्स के उत्तर में 10 किलोमीटर की गहराई में था। यहां भी किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है।

बता दें बीती रात मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। रात करीब 9.40 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 थी। इसका केंद्र जमीन की सतह से 5 किलोमीटर नीचे था। इस भूकंप से भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन लोगों ने अपने घरों के दरवाजे और पंखों को हिलते देखा था।

उल्लू ऐप ने 'हाउस अरेस्ट' शो के सभी एपिसोड हटाए, मांगी माफी

मुंबई। डिजिटल प्लेटफॉर्म उल्लू ऐप पर प्रसारित 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर इसका विरोध हो रहा है। इस मामले में होस्ट और निर्माताओं को समन भी जारी हो चुका है। उल्लू ऐप ने शो के सारे एपिसोड हटाने के बाद माफी मांगी है। उल्लू ऐप पर 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर हिंदू संगठन ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गर्माता देख उल्लू ऐप ने हाउस अरेस्ट के सभी शो हटा दिए हैं। उल्लू ऐप ने माफी मांगते हुए लिखा कि शो के सभी एपिसोड 3-4 दिन पहले हटा दिए गए थे। यह रिलीज आंतरिक टीम की अनदेखी और लापरवाही का परिणाम थी, जिसे हम स्वीकार करते हैं। कानून का पालन करने वाली संस्था के रूप में हम शो के रिलीज से हुई किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। धार्मिक भावनाओं को आहत करने और महिलाओं के अश्लील चित्रण के आरोप के साथ हिंदू संगठन की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने प्रोड्यूसर राजकुमार पांडे और होस्ट एजाज खान के खिलाफ 2 मई को एफआईआर दर्ज की थी। हिंदू संगठन का आरोप है कि प्रोड्यूसर और होस्ट ने मिलीभगत करके ऐसा कंटेंट तैयार किया जो महिलाओं का अपमान करता है और समाज में गलत मैसेज देता है। उन्होंने एक लिखित आवेदन देकर 'हाउस अरेस्ट' सीरीज को बंद करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी।

पर्सनल लॉ बोर्ड ने हलफनामे में कहा- सभी वक्फ संपत्तियां 2013 में रजिस्टर हुईं

केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र पर वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने 1 मई को सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं। केंद्र के हलफनामे में यह बात न होने पर बोर्ड ने इसे झूठा हलफनामा बताया है। साथ ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है।

केंद्र ने 25 अप्रैल को अपने हलफनामे में कहा था कि 2013 तक कुल वक्फ प्रॉपर्टी 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ थी। 2014 से 2025 के 11 साल यह 20 लाख 92 हजार 72.563 एकड़ 116 फीसदी बढ़ गई यानी 2025 में कुल वक्फ प्रॉपर्टी 39 लाख एकड़ से ज्यादा हो गई। मामले में 5 मई को सुनवाई होना है। बोर्ड ने केंद्र के हलफनामे को संदिग्ध बताया बोर्ड ने कहा कि केंद्र अपने हलफनामे में कह रहा है कि 2013 से पहले रजिस्टर्ड सभी वक्फ प्रॉपर्टियां वक्फ मैनेजमेंट पोर्टल के चालू होते ही तुरंत अपलोड कर दी गई थीं। हलफनामे के 2013 में वक्फ प्रॉपर्टियां वाले कॉलम में प्रॉपर्टियों की संख्या को ही रजिस्टर्ड संपत्तियां कहना शरारत भरा है। ऐसा लगता है कि हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी ने जानबूझकर यह नहीं बताया कि सभी प्रॉपर्टियों को 2013 में ही पोर्टल पर अपलोड किया गया था। हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी को यह बताना चाहिए कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई। हलफनामे में यह अहम पहलू गायब है, इसलिए यह संदिग्ध है। बोर्ड ने अपने हलफनामे में कहा कि केंद्र कानून में कलेक्टर की शक्तियों के बारे में चुप है जबकि रजिस्ट्रेशन के महत्व पर 50 से ज्यादा पैराग्राफ हैं।

योग गुरु बाबा शिवानंद का 128 साल की उम्र में निधन

वाराणसी। कहते हैं कि त्याग, तपस्या और साधना के आगे हर किसी का माथा स्वतः ही झुक जाता है। पद्मश्री बाबा शिवानंद भी त्याग और तपस्या के प्रतिमूर्ति थे। 21 मार्च 2022 को राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में शिवानंद बाबा को पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। तब, सफेद धोती-कुर्ता पहने 125 साल के शिवानंद बाबा आए और उन्होंने पीएम मोदी को प्रणाम किया। जिसके बाद पीएम मोदी ने भी अपनी कुर्सी से खड़े होकर शिवानंद बाबा को हाथ जोड़कर झुककर प्रणाम किया। इसके बाद शिवानंद बाबा ने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगे झुककर नमस्कार किया। जिसके बाद राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें अपने हाथों से उठाया। उसके बाद पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बता दें कि योग गुरु बाबा शिवानंद का 128 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में शनिवार रात 8.45 बजे आखिरी सांस ली। तबीयत बिगड़ने के बाद पिछले तीन दिन से अस्पताल में भर्ती थे। उनकी मौत के बाद बीएचयू के बाहर चाहने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। कहा जाता है कि वह हर दिन आधा पेट ही भोजन करते थे, साथ ही उबला हुआ भोजन करते थे।

मैं जिम्मेदारी लेता हूं, 1980 के दशक में जो हुआ वह गलत था

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राहुल गांधी अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से बात कर रहे हैं। इस दौरान एक सिख छात्र ने राहुल गांधी से 1984 के दंगों और सिखों के मुद्दों पर सवाल पूछे। छात्र ने राहुल गांधी से कहा कि आपने कहा कि राजनीति निडर होनी चाहिए, डरने की कोई बात नहीं होनी चाहिए, लेकिन हम सिर्फ कड़ा पहनना, पगड़ी बांधना नहीं चाहते, हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए, जिसकी कांग्रेस पार्टी के

शासन में अनुमति नहीं थी।

छात्र ने कांग्रेस पर सिख आवाजों को अनसुना करने और 1984 के दंगों के आरोपियों को बचाने का भी आरोप लगाया। इस सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं जिम्मेदारी लेता हूं, 1980 के दशक में जो हुआ वह गलत था। एक यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा कि ब्राउन यूनिवर्सिटी में सिखों के लिए राहुल गांधी के मगरमच्छ के आंसू एक अपमान हैं। वह दावा करते हैं कि बीजेपी पगड़ी और कड़ा को खतरे में डालती है, लेकिन कांग्रेस ने इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 के सिख विरोधी दंगों को अंजाम दिया। यूजर ने आगे लिखा कि कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को 2018 में दिल्ली छावनी में हुए हत्याकांड में दोषी पाया गया था। आरोप है कि कांग्रेस ने सालों तक उन्हें बचाया। कांग्रेस पर ये भी आरोप है कि वो दंगों के आरोपियों को बचाती है और सिखों की बोलने की आजादी पर हमला करती है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

नीट पेपर लीक की डील 40 लाख में, राजस्थान एसओजी ने गुरुग्राम से किया तीन लोगों को गिरफ्तार

जयपुर। देशभर में 4 मई 2025 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा से पहले पेपर लीक की ठगी की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने इस संबंध में तीन आरोपियों को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर एक नीट उम्मीदवार और उसके परिवार से 40 लाख रुपये की ठगी की कोशिश का आरोप है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान बलवान (27), मुकेश मीणा (40), और हरदास (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इन लोगों ने छात्र के परिवार को झांसा दिया कि उनके पास नीट-यूजी का असली पेपर है। शुक्रवार को आरोपी छात्र और उसके परिवार को हरियाणा के गुरुग्राम ले गए और पेपर दिखाने से पहले 40 लाख की मांग की। परिवार को शक हुआ और उन्होंने तुरंत एसओजी को सूचित किया, जिसके बाद शनिवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फर्जी सूचनाओं से निपटने के लिए 26 अप्रैल को एक विशेष पोर्टल लॉन्च किया था, जिसमें अब तक 1500 से अधिक संदिग्ध रिपोर्टें मिली हैं। इनमें से अधिकांश टेलीग्राम से जुड़ी हैं। एनटीए ने 106 टेलीग्राम और 16 इंस्टाग्राम चैनलों की पहचान की है जो नीट पेपर लीक का झूठा दावा कर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। इन चैनलों को हटाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इन फर्जी चैनलों के खिलाफ अब गृह मंत्रालय के साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर भी सक्रिय हो गया है।

गांव के आसपास ही घूम रहा आदमखोर बाघ, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

रविवार को उसी स्थान पर दहाड़ मारता आया नजर, सूचना देने के बावजूद भी मौके पर नहीं पहुंचा वन अमला, अधिकारी ने बीट गार्ड, को किया निलंबित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। वन परिक्षेत्र गोरेघाट सर्किल के कुड़वा गांव में शनिवार को बाघ ने एक किसान प्रकाश पाने (58) पर हमला कर उसका शिकार कर लिया गया था। इस घटना के बाद से ही स्थानीय ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति काफी आक्रोश देखा जा रहा है। तो वहीं अब तक वन विभाग के कर्मचारी इस आदमखोर बाघ को पकड़ने में नाकाम नजर आ रहे हैं। उधर इस आदमखोर बाघ की चहल कदमी गांव में दूसरे दिन भी बनी रही। जहां किसान का शिकार के बाद दूसरे दिन रविवार को भी यह आदमखोर बाघ जंगल के करीब गांव में और घटनास्थल की समीप घूमता फिरता और दहाडे मारता हुआ नजर आया। जिसके चलते पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।उधर कार्य मे लापरवाही बरतने के मामले को लेकर वन विभाग अधिकारी ने एक बीट गार्ड को निलंबित भी कर दिया है। तो वही बाघ को पकड़ने के लिए गांव में सिवनी से स्पेशल टीम मंगाई गई है। लेकिन वहां भी अब तक गांव नहीं पहुंच पाई है। उधर विभाग द्वारा जगह-जगह पिंजरे लगाकर बकरियों का लालच देकर आदमखोर बाघ को पिंजरे में कैद करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इस प्रयास में वन विभाग को सफलता हाथ नहीं लगी है। जिसके चलते ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ते जा रहा है। वही गांव में रोजाना आ रहे आदमखोर बाघ को देखते हुए पूरे गांव में दहशत का माहौल निर्मित हो चुका है और लोग अपने घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे है।उधर अधिकारियों द्वारा जल्द ही आदमखोर बाघ को पकड़ने की बात कही जा रही है।

किसान का शिकार करने वाले बाघ की दूसरे दिन भी बनी रही चहल कदमी

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को किसान प्रकाश पाने का शिकार करने के बाद इस आदमखोर बाघ की रविवार को भी गांव में चहल कदमी देखी गई है।बताया किया रविवार के दिन भी बाघ दहाड़ मारते रहा और घटना स्थल में भी दो बार पहुंचने की जानकारी दी गई। लेकिन समय पर टीम के नहीं पहुंचने से बाघ का रेस्क्यू नहीं किया जा सका। घटना स्थल से दो सौ मीटर दूरी पर बाघ के पदचिन्ह दिखाई दिए। अंदाजा लगाया जा रहा है कि बाघ गांव के आस पास ही घूम रहा है। पूरे गांव में दशहत का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने वन अधिकारियों कर्मचारियों को सुनाई जमकर खरी-खोटी

गांव में आदमखोर बाघ की चहल कदमी से ग्रामीण परेशान है, तो वही बाघ को पकड़ने के लिए रेस्क्यू टीम भी नहीं पहुंची।जिसके चलते घटना के दूसरे दिन रविवार को भी गांव में तनाव और दहशत की स्थिति रही। पूरा गांव घटना स्थल के समीप एकत्रित रहा। सभी देर शाम तक सिवनी पेंच की रेस्क्यू टीम का इंतजार करते रहे। लेकिन समाचार लिखे जाने तक टीम नहीं पहुंची थी। स्थानीय वन अमला भी ग्रामीणों के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहा था।ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार, सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी ज्ञानीराम गोटाफोड़े सहित वनकर्मी को घेरकर रखा और खरी खोटी भी सुनाते नजर आए।

बीट गार्ड किया गया निलंबित

पूरे मामले में लापरवाही बरतने पर बीटगार्ड गुलाब सिंह उइके को निलंबित कर दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कुड़वा, गोरेघाट व बड़पानी सहित आसपास के गांवों में बाघ का 15 दिनों से मूवमेंट बना हैं। इन गांवों में एक सप्ताह के भीतर बाघ ने पांच बकरियों का शिकार कर लिया। इसके बाद से वनकर्मी को सचेत करते आ रहे हैं। लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया और बाघ ने एक किसान का शिकार कर लिया। आरोप है कि शनिवार की रात्रि में वन अमले का स्टाफ गश्त करने की बजाय वनरक्षक कार्यालय में जाकर सो गए थे। रविवार को चार-पांच वनकर्मी इधर उधर घूमते नजर आए और बाघ को ट्रेंकुलाइज करने के लिए टीम का धान खरीदी केंद्र के पास इंतजार करते रहे। लेकिन टीम रविवार शाम तक नही पहुचीं।

गांव के आसपास चक्कर लगा रहा आदमखोर बाघ

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बाघ का मूवमेंट अब भी गांव के आस पास बना हुआ है। शनिवार की रात्रि में भी उक्त बाघ घटना स्थल में बनी झोपड़ी तक आया था। वहीं रविवार को घटना स्थल पर दो बार बाघ के पहुंचने की बात ग्रामीण कह रहे हैं। कुछ ग्रामीणों ने रविवार शाम को बाघ को राजीव सागर जलाशय की बड़ी नहर की कैनाल के किनारे झाडियों में बैठा भी देखा। लेकिन ट्रेंकुलाइज टीम नहीं पहुंचने से बाघ को नहीं पकड़ा जा सका।

बकरी का लालच देकर वन अमले ने लगाया पिंजरा

रविवार को स्थानीय वन अमले ने बाघ को पकडने लगाए गए पिंजरे में बकरी के बच्चे को बांध बाघ का इंतजार करते रहे। लेकिन बाघ पिंजरे तक नहीं पहुंचा। इस दौरान ग्रामीणों का भारी हुजूम भी आस पास लगा रहा। वन विभाग के अनुसार बाघ की निगरानी करने जंगल क्षेत्र में पांच कैमरे लगाए गए हैं। वहीं पिंजरा लगाकर उसमें बकरी भी बांधी गई है। ताकि बकरी के लालच में बाघ पिंजरे तक पहुंचे और उसे पकड़ा जा सकें।

दहशत के साए में ग्रामीण

ग्रामीणों की मांग है कि जब तक बाघ को पकड़ कर वन विभाग यहां से लेकर नहीं जाते, वे शांत नहीं बैठेंगे। किसानों को बाघ की वजह से अपनी खेत में लगी धान की फसल को लेकर चिंता सताने लगी है। उनकी धान की फसल काटने लायक हो गई है। लेकिन बाघ खेत में विचरण करने से कोई किसान जोखिम लेना नहीं चाहता है।

पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष घटा तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य का लक्ष्य

07 मई से शुरू होगा तेदुपत्त संग्रहण कार्य, दो वन मंडलों की 60 समितियो ने की तैयारी, कार्यशाला में दिए गए दिशा निर्देश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले में तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य 7 मई से शुरू होना है। जहां इस कार्य के लिए दो वन मंडलों की 60 समितियो ने तेंदूपत्ता संग्रहण के कार्य की तैयारियां पूर्ण कर ली है लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष शासन से तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य कम कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि करीब 15 दिनों तक जिले में तेंदूपत का संग्रहण कार्य चलेगा।वन संपदा से परिपूर्ण जिले में इस वर्ष भी तेंदुपत्ता संग्रहण कार्य वन विभाग के माध्यम से करवाया जाना है। इसकी तैयारियां भी लगभग पूर्ण कर ली गई है। इसको लेकर सभी समितियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

उधर पुलिस ने भी कसी कमर

7 मई से शुरू होने वाले तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के लिए पुलिस ने भी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली है।आपको बताएं कि नक्सल प्रभावित जिला होने और तेंदुपत्ता ठेकेदारों से नक्सलियों द्वारा बंदूक की नोक पर डरा धमाकर रुपए मांगे जाने के मामले भी सामने आ चुके हैं। इसको लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद है। संवेदनशील फड़ों के समीपस्थ की पुलिस थानों व चौकियों को अलर्ट किया गया है। वहीं सभी तरह से सहयोग किए जाने के निर्देश भी पुलिस कप्तान ने जारी है। जिसे देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण का यह कार्य शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कर लिया जाएगा।

पिछले वर्ष से घटाया गया लक्ष्य

दोनों वन मंडलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले वर्षो की अपेक्षा इस वर्ष तेंदुपत्ता संग्रहण कार्य का लक्ष्य घटा है। दक्षिण सामान्य वन मंडल में पिछले वर्ष 35831 मानक बोरा संग्रहण कार्य का लक्ष्य था।जो इस वर्ष घटकर 30890 हो गया है। इसी तरह उत्तर उत्पादन वन मंडल में पिछले वर्ष का लक्ष्य 44094 मानक बोरा था। इस वर्ष 42325 निर्धारित किया गया है।

60 समितियां करेगी संग्रहण कार्य

उत्तर और दक्षिण वन मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिवर्ष 60 समितियां तेंदुपत्ता संग्रहण का कार्य करती है। दक्षिण सामान्य वन मंडल की लघु वनोपज शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार उनके वन मंडल क्षेत्र में 31 समितियों में 28 तैयार करवा ली गई है। वहीं दो वन समितियां चौरियां और कावेली को भी तेंदुपत्ता तोड़ाई व संग्रहण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस तरह इस वन मंडल में कुल 31 समितियां संग्रहण कार्य करेगी। इसी तरह उत्तर उत्पादन वन मंडल के शाखा लिपिक श्री ऐड़े ने अनुसार उनके वन मंडल क्षेत्र में 418 फड़ है। इनके लिए 29 समितियां तैयार की गई है। इनमें दो समितियां पेसा एक्ट की है। इनमें किनारदा और डाबरी शामिल है।

एक नजर में

दक्षिण उत्पादन वन मंडल बालाघाट
समितियां 27
वन समिति 02 चौरिया व कावेली
कुल समितियां 29
2025 में लक्ष्य 30890
2024 में लक्ष्य 35831
लक्ष्य में अंतर 4941
उत्तर उत्पादन वन मंडल बालाघाट
पेसा समितियां 02, किनारदा व डाबरी
समितिया 29
कुल समितियां 31
लक्ष्य 2025 42325
लक्ष्य 2024 44094
लक्ष्य में अंतर 1769
तेंदुपत्ता मूल्य 4000 रुपए मानक बोरा
400 रुपए सैकड़ा
50 पत्तों की एक बंडल
एक हजार बंडल का एक मानक बोरा

मलाजखण्ड में सुंदर स्वरूप में आ रहें तालाब

जल गंगा संवर्धन अभियान में 3 तालाबों पर हुआ श्रमदान और संरक्षण का कार्य

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जल गंगा संवर्धन अभियान इस मकसद के साथ प्रारम्भ हुआ कि पहले से बने जल स्त्रोतों का समुचित रखरखाव हो और उनमें पर्याप्त जल का संरक्षण किया जाए। साथ ही कुछ ऐसे जल स्त्रोत बनाएं जाएं, जो बहते जल और बारिश की बूंदों को जमीन में उडेल सकें। इन्ही प्रयासों के साथ बालाघाट में भी जल गंगा संवर्धन अभियान

लगातार चल रहा है। अभी तक मलाजखण्ड नगर परिषद द्वारा नगर के 9 तालाबों में से 3 तालाबों का श्रमदान के साथ सौंदर्यीकरण का उल्लेखनीय कार्य किया है। नगर परिषद सीएमओ दिनेश बाघमारे ने बताया कि नगर के स ?क तालाब, गंगरिया और बेल तालाब का अब तक संवर्धन की दिशा में अच्छा काम हुआ है। श्रमदान प्रारम्भ करने से पूर्व तालाब के साथ पास और भीतर भी गंदगी पसरी थी। श्रमदान में पानी की बोतलें, पॉलीथिन और तरह तरह का कचरा भरा पड़ा था। श्रमदान करके कचरा तो साफ किया ही। साथ ही यहां बने घाट और तालाब की सीमाओं पर रंगरोगन किया गया। साथ ही पीचिंग कार्य को व्यवस्थित किया गया।

आरोपी जहां-जहां किराए के मकान में रहे उनके मालिकों से भी होगी पूछताछ

भोपाल लव जिहाद मामला- राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम जांच में जुटी

भोपाल। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम लव जिहाद मामले में जांच के लिए भोपाल पहुंच गई है। राजधानी भोपाल में एक निजी कॉलेज की छात्राओं को लव जिहाद में फंसाने के मामले में जांच करने राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम रविवार से जांच में जुट गई है। तीन सदस्यीय टीम में झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मल कौर के नेतृत्व में जांच करेगी। इस टीम में जबलपुर हाई कोर्ट की अधिवक्ता निर्मला नायक और आयोग के अवसर सचिव आशतोष पांडे सदस्य के रूप में शामिल हैं। टीम ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों से केस की मौजूदा स्थिति (केस स्टेटस) की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार, आयोग की टीम केस में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करने के साथ ही जांच की निष्पक्षता और पीड़िताओं को मिली सुरक्षा को लेकर भी जांच करेगी। इस आधार पर टीम अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। राजधानी भोपाल में लव जिहाद के आरोपियों का जाल भोपाल के आसपास भी फैला था। भोपाल के आसपास इलाकों में भी आरोपियों ने ठिकाना बना रखा था। हिंदू लड़कियों के साथ भोपाल के आसपास के इलाकों में भी शोषण हुआ है। आरोपी जहां-जहां किराए के मकान में रहे उन मकान मालिकों से भी पूछताछ होगी। मकान मालिकों से पूछताछ में और सबूत जुटा जाएंगे। दरअसल मामले में जांच को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम बड़ी एडवाइजरी जारी कर सकती है। तीन सदस्यीय राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने मामले में जांच की शुरुआत की है। अब तक हुई जांच बिंदुओं पर चर्चा की। टीम टीआईटी कालेज भी जाएगी। उन जगहों पर भी जाएगी आयोग की टीम जहां पीड़िताओं से रेप हुआ था।

दूसरे जिलों में फैला गिरोह, इस एंगल से भी हो रही जांच

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों से नये-नये खुलासे हो रहे हैं। आरोपी नबील ने पुलिस को बताया कि छात्राओं को गलत मंशा से रूम पर बुलाया जाता था। आरोपियों ने शहर के आसपास अपने अड्डे बना रखे थे। अब पुलिस शहर के आसपास के दूसरे जिलों में भी गिरोह का नेटवर्क फैला होने के एंगल से भी जांच कर रही है। साथ ही एक आरोपी अली के पास महंगे गैजेट्स पुलिस को मिले हैं। इसमें एप्पल मैकबुक, आईफोन जैसे महंगे गैजेट्स शामिल हैं। आरोपी पूछताछ में इनको लेकर कुछ नहीं बता पा रहा है। अब पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इतने महंगे गैजेट्स आए कहां से आए?

आरटीई प्रवेश प्रकिया... समर कैंप और अन्य परीक्षाएं

भोपाल। स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से शुरूहो गया है, लेकिन शिक्षकों की मुश्किलें लगातार बनी हुई है, जिससे उनमें नाराजगी है। शिक्षकों का कहना है कि लगातार छुट्टियां कम हो रही है। दो वर्षों से उन्हें सिर्फ एक महीने का अवकाश ही मिलता है इसमें भी कई प्रकार के दायित्व निभाना पड़ रहे है। शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत आरटीई में प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो रही है। 7 मई से आवेदन एवं त्रुटि सुधार रहेगा जो मई के तीसरे सप्ताह तक होगा। फिलहाल शिक्षक स्कूल एवं वहां पर रिक्त सीटों की जानकारी एकत्रित कर रहे हैं जो उन्हें 5 मई तक ऑनलाइन अपलोड करना है, वहीं स्कूलों में 1 मई से समर कैंप भी शुरू हो गए हैं, जो 20 मई तक चलेंगे। आज नीट एवं अन्य परीक्षाओं में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों का ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रभावित हो रहा है, जिससे प्रदेश भर के शिक्षक मन ही मन नाराजगी व्यक्त कर रहे है। शिक्षक संघ के नेताओं ने बताया कि लगातार ग्रीष्मकालीन अवकाश कम हो रहे हैं पहले 60 दिन का अवकाश मिलता था फिर 45 दिन का हुआ अब 31 दिन का मिल रहा है लेकिन इसमें भी काम करना पड़ रहा है, सरकार को इस बारे में ध्यान देना चाहिए और शिक्षकों के हित में निर्णय लेना चाहिए।

आप सचिव श्री बापट ने आदिवासी पीड़ित परिवार से की मुलाकत

कहा-आरोपियों को दी जाए कड़ी सजा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट प्रवास पर आए आम आदमी पार्टी के संस्थापक टीम सदस्य ,पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष व प्रदेश संयुक्त सचिव अरुण बापट ने आप पदाधिकारियों ने साथ बैहर तहसील के उस गाँव का दौरा किया।जहां कुछ दिन पूर्व 4 आदिवासियों लड़कियों के साथ सामुहिक दुष्कर्म की घटना हुई है।अपने इस प्रवास में उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकत कर इस वारदात में लिप्त अभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की।इस दौरान आप जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल, जिलासचिव रजनीश नायडू, जिला कार्यालय प्रभारी अनिल ब्रम्हे, सिवनी एसएम प्रभारी अंकित जैतवार, महिला उपाध्यक्ष प्रीति ब्रम्हे, वरिष्ठ पदाधिकारी दिलीप वराड़े एवं सरजू दीक्षित सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।जिन्होंने पीड़ित आदिवासी परिवार से मुलाकात कर आम आदमी पार्टी द्वारा परिवार की हरसंभव मदद कर,न्याय दिलाने, और बलात्कारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की बात कही।आपको बताए कि आप सचिव श्री बापट पूरे प्रदेश के सभी जिलों का दौरा कर पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकत कर रहे है। बालाघाट में उनका 25वा प्रवास रहा ।

जान की आफत बने हवा में झूल रहे विद्युत तार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली वार्ड नंबर 14 में, विद्युत तार जान की आफत बने हुए हैं। जो खम्बो के सहारे सड़क से कुछ ऊपर हवा में झूल रहे हैं। जिसके चलते इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों ,व बड़े वाहनों के लिए खतरा बन गया है। तो वही आंधी तूफान में यह विद्युत तार कभी भी सड़क पर गिर सकते हैं। जिससे स्थानीय लोगों को भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता है। जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय पार्षद मकसूद खान सहित अन्य वार्ड वासियों ने इससे खतरे की आशंका जताते हुए सड़क से करीब दो पुरुष ऊपर हवा में झूल रहे इन विद्युत तारों को ऊपर करने, बिजली गुल व लो वोल्टेज जैसी समस्या से छुटकारा दिलाए जाने की मांग की है।

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है,
25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है
सिविल वर्क/इन्टीरयर वर्क देखरेख हेतु ITI/Polytechnic युवती की आवश्यकता है
वेतन - 10000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

खुशखबरी
किसी भी कंपनी की बाईक श्री फायनेंस में फायनेंस कराने पर बाईक के शोरूम रेट में 2500/- रूपये की नगद छुट श्री फायनेंस द्वारा दी जाएगी।
संपर्क करें :
श्री फायनेंस जनपद कॉम्पलेक्स वारासिवनी
7879930478
नोट : ऑफर सिमित समय के लिए

घरेलू कार ड्राइवर चाहिए
वेतनमान 10000
संपर्क करें -9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

रामपायली थाना क्षेत्र की घटना : डीजे की धुन पर नाचने गाने को लेकर हुए विवाद

सरपंच पति पवन चिखले और उसके साथियों ने घर में घुसकर एक युवक पर पिस्तौल तानकर की लाठी राड से पिटाई

बुलेरो में अपहरण कर जंगल में बंधक बनाकर युवक की पिटाई करके हुए फरार, सरपंच पति पवन चिखले सहित तीन गिरफ्तार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम झाड़गांव में शादी में नाचने गाने को लेकर उपजे विवाद से गुस्साये इस ग्राम के सरपंच भाग्यश्री चिखले के पति पवन चिखले ने अपने साथियों के साथ घर में घुसकर एक युवक पर पिस्तौल तानकर लाठी राड से बेरहमी पूर्वक मारपीट की वहीं बीच बचाव करने गए उसकी पत्नी और पिता को भी मारपीट करने के बाद इस युवक का अपहरण कर उसे बेरहमी से मारपीट करने के बाद बालाघाट से लगे गायखुरी और गोंगलई के बीच जंगल में बांध कर उसकी पुनः बेरहमी से पिटाई कर फरार हो गए। यह घटना 30 अप्रैल की रात्रि में घटित हुई 2 दिन से गायखुरी और गोंगलई के बीच जंगल में बंधे युवक बड़े मुश्किल से बंधन मुक्त होकर अपने रिश्तेदार के घर पहुंचा जिसे उसके रिश्तेदारों ने जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किये है। यह युवक कंकर पिता सुखराम नगपुरे 22 वर्ष ग्राम बरबसपुर थाना रामपायली निवासी है। रामपायली पुलिस ने इस मामले में सरपंच पति पवन चिखले सहित चार लोगों के विरूद्ध घर में घुसकर मारपीट अपहरण और बंधक बनाने के आरोप में अपराध दर्ज किया और पवन चिखले सहित तीन आरोपी गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिये गये है।

शादी के रिसेप्शन में सरपंच के छोटे भाई के साथ हुआ था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार कंकर नगपुरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं।। जिसके परिवार में पत्नी अनीता नगपुरे के अलावा पिता सुखराम नगपुरे है। बताया गया है कि 28 अप्रैल को ग्राम झाड़गांव में रॉकी माहुले के घर शादी का रिसेप्शन था। शादी के इस रिसेप्शन में कंकर नगपुरे अपने दोस्त मनीष लिल्हारे पवन कातरे और अन्य लोगों के साथ गया था। रात्रि में डीजे के गाने पर सभी नाच रहे थे। यहां पर सरपंच पति पवन चिखले का छोटा भाई अभिषेक चिखले भी था। नाचने गाने के दौरान सरपंच पवन चिखले के भाई अभिषेक चिखले के साथ कंकर नगपुरे और उसके दोस्तों मनीष लिल्हारे पवन कातरे के बीच विवाद हो गया। और मारपीट भी हो गई।दोनों के बीच मामला शांत हो गया था। किंतु इस मामले की रिपोर्ट अभिषेक चिखले ने रामपायली पुलिस थाना में की थी। जहां पर कंकर नगपुरे ग्राम बरबसपुर और उसके दोस्त मनीष लिल्हारे पवन कातरे दोनो ग्राम बिटोड़ी निवासी के विरूद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज किया गया था।

सरपंच पति पवन चिखले ने कंकर पर पिस्तौल तानकर धमकाया और की मारपीट

इस मामले की रामपायली पुलिस जांच पड़ताल कर ही रही थी कि 30 अप्रैल की रात्रि ग्राम बरबसपुर में कंकर नगपुरे अपनी पत्नी अनीता नगपुरे के साथ खाना खाकर घर में बैठे ही थे तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया ,कंकर नगपुरे ने दरवाजा खोला। तभी पवन चिखले और उसके साथी घर के अंदर घुस गये। पवन चिखले ने कंकर नगपुरे के ऊपर पिस्टल तानते हुए कंकर

नगपुरे और उसके पत्नी अनीता नगपुरे को चिल्लाने पर जान से मार डालने की धमकी देते हुए पवन चिखले और उसके साथियों ने घर के दोनों तरफ का दरवाजा बंद कर कंकर नगपुरे को लाठी राड से मारपीट करना शुरू कर दिए। बीच बचाव करने कंकर नगपुरे की पत्नी अनीता नगपुरे और उसका पिता सुखराम नगपुरे आये तो पवन चीखले और उसके साथियों ने उन्हें भी हाथबुक्को लाठी से मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी।

कंकर के हाथ पैर में रस्सी बांधकर बोलेरो में किया गया अपहरण

कंकर नगपुरे के मारपीट करने के बाद उसके रस्सी से हाथ पैर बांधकर घर से बाहर निकाले और बोलेरो में डालकर उसे झाड़गांव लाये। झाड़गांव में भी कंकर नगपुरे से मारपीट किए । पवन चिखले ने कंकर नगपुरे से उसके दोनों दोस्त के संबंध में पूछे तब कंकर नगपुरे ने बताया कि अभी वे कहां है मुझे पता नहीं । दोस्तों को फोन लगाकर पूछे तब उन्होंने बताया कि हम लोग नेतरा हैं। इसके बाद पवन चिखले ने अपने दोस्तों के साथ कंकर नगपुरे को बोलेरो में डालकर नेतरा लेकर आए ,पूछताछ करने पर पता चला कि कंकर नगपुरे के दोनों दोस्त मनीष लिल्हारे और पवन कातरे नेतरा से भी कहीं चले गए है। ग्राम गोंगलई चौक गोंदिया रोड पर कंकर नगपुरे में लघु शंका के लिए बोलेरो रुकवाया । कंकर नगपुरे बुलेरो से नीचे उतरा तभी वह वहा से भाग निकला जो खेत बंधी होते हुए ग्राम गोंगलई अपने जीजा बहन के घर पहुंचा। घटना के संबंध में बताया और कपड़े बदलकर वह अपने बहन जीजा के घर से जब से गायखुरी की ओर आ रहा था।

कंकर को फिर से पकड़ कर जंगल मे पेड़ से बांध की पिटाई

कंकर नगपुरे को इन लोगों ने फिर से पकड़ लिए और मारपीट किए और गोंगलई से गायखुरी के बीच सागोन के जंगल में कंकर नगपुरे को पेड़ से बांध दिए और उसकी पिटाई करके वहां से चले गए ।बताया गया कि दो दिन तक सिर्फ दो लड़के कंकर नगपुरे पानी पिलाने के लिए आते थे।

कंकर जंगल से बंधन मुक्त होकर पहुंचा गोंगलई

3 अप्रैल को जब दोनों लड़के पानी पिलाने के लिए नहीं आए। तब कंकर नगपुरे अपने को पेड़ से बंधी रस्सी से किसी तरह से खोलकर वह ग्राम गोंगलई अपने दोस्त के घर पहुंचा और वहीं पर अपनी बहन और जीजा को बुलाया। खबर मिलते ही कंकर नगपुरे के पिता, पत्नी भी आ गए। रात 9.30 बजे करीब कंकर नगपुरे को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। खबर मिलते ही रामपायली पुलिस थाने से पुलिस कर्मचारी जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे और कंकर नगपुरे से पूछताछ किये, बयान लिए।

पवन सहित चार के विरुद्ध अपराध दर्ज-तीन गिरफ्तार

रामपायली पुलिस ने इस मामले में सुखराम नगपुरे द्वारा की गई रिपोर्ट पर सरपंच पवन चिखले ,विनोद नगपुरे, बलिराम मसखरे और हरिलाल नगपुरे ग्राम झाड़गांव निवासी के विरुद्ध धारा 296,115(2),351(2),331(2), 140(3) 3(5)भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर लिए थे। रामपायली ने इस मामले में पवन चिखले, विनोद नगपुरे, बलीराम मसखरे को गिरफ्तार कर वारासिवनी की अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल वारासिवनी में भिजवा दिया गया है।

बालाघाट जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता संपन्न

चयनित खिलाड़ी इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता लेंगे भाग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । रविवार 4मई को जिला स्तरीय कराते सब जूनियर, ,कैडेट चयन प्रतियोगिता शहर के गुरुनानक पब्लिक हॉल में आयोजित की गई। जिसमें जिले के विभिन्न विभिन्न ब्लॉकों से लगभग 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी आगामी इंदौर में आयोजित होने वाली 16 से 17 मई मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे एवं वहां चयनित खिलाड़ी आगामी जून माह में राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता जो कि करते इंडिया ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित होने जा रही है उसमें भाग लेंगे।जहां चयनित खिलाड़ी श्रीलंका में आयोजित होने जा रही साउथ एशियन कराते चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।रविवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी इवेंट करवाए गए। जिसमें इंडिविजुअल काता, इंडिविजुअल कुमिते, टीम काता ,टीम कुमिते शामिल थे।इस दौरान मुख्य अतिथि अभय कोचर समाजसेवी एवं जिला खेल अधिकारी शिक्षा विभाग दीपक गिरी गोस्वामी के द्वारा खिलाड़ियों को पदक दिए गए उक्त जानकारी बालाघाट जिला कराते सचिव प्रवीण नन्हेट द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। आयोजित कराते प्रतियोगिता में निर्णायक रैफरी जज अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं राष्ट्रीय जज कु.निधि नन्हेट, भावना सोनकर (राष्ट्रीय रेफरी) संगीता मराठा, छाया नरवास ,प्रतीक नन्हेट (राष्ट्रीय रेफरी/जज) , तेजस बांगरे (राज्य स्तरीय जज),मनीष बेंद्रे, सारुन सोनवाने, साहिल सोनवाने, राजा सर, हर्षित निवारे, वासु विश्वकर्मा, रहे।

इन खिलाड़ियों ने प्राप्त किए मैडल

आयोजित प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न विधाओं में अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कराते खिलाड़ियों ने विभिन्न मैडल भी प्राप्त किए। जिसमें ओम सोनकर , त्रिदीप मन्ना, अनिरुद्ध पुरोहित, डेनिस वराडे सिद्धार्थ दशमीर नवनीत दुबे धीरज बिसेन माहीरत्न दहाते पार्थ वाघेला , प्रनव सोनकर विहान बिसेन, तरुण बहेश्वर, मयंक पटले, यथार्थ गर्दे, अन्वी सोनी, शौर्य नागपुरे , शौर्य गराडे, जानवी रामटेकर आश्वी त्रिवेदी , क्षमा कोचर, अनमोल नागवंशी, यशवी दिनेवार , एम एस कृष्णनन चौबे, अर्णव जोशी , पार्थ कटरे, श्रेया पटले , आर्नी भलावे, प्रसन्ना सोनवाने, अंजलि बनोते, आरूषी जैन अमय चौहान अद्विक अग्रवाल उत्कर्ष टेंभरे सुजल चीजखेड़े हर्ष झरिया सर्वेश जांचपेले कुणाल कुथे हर्षित वर्मा गर्व बनवले सृष्टि बघेले अवनी जैन समृद्धि गारदे ऋषिका चंदनवार जानवी बोकाडे मिताली ढहटे लवी बोकाडे अन्वी सोनी तनी बत्रा अनिका चौहान ,नियति सरकार आराध्या श्रीवास्तव ऐश्वर्या रावत ने पदक प्राप्त किया ।जिसपर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं कराटे संघ के समस्त पदाधिकारी अध्यक्ष कृष्णदास गोंडुडे,सचिव प्रवीण नन्हेट, उपाध्यक्ष निधि नन्हेट, कोषाध्यक भावना सोनकर, संगीता मराठा,छाया नरवास, सरूण सोनवाने ,राजा डहरवाल, आदित्य नागपुरे, कार्तिक तितरमारे,तेजस बांगरे,वासु विश्वकर्मा, अंजली गोंडुडे, राकेश वरकड़े,आकाश झा आदि ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बधाइयां दी।

सभी वर्ग से संयुक्त मोर्चा ने 7 मई को आक्रोश रैली में सम्मिलित होने किया आवाहन

हट्टा की घटना को लेकर संयुक्त आदिवासी मोर्चा कर रहा प्रदर्शन, सरकार पर भेदभाव करने के लगाये आरोप

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। संयुक्त आदिवासी मोर्चा 7 मई को आक्रोश रैली निकालने के साथ कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने जा रहा हैं । बीते दिनों जो हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं के साथ दुष्कर्म जैसी घटना घटी थी, उस विषय पर उनके द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। मोर्चा का मानना है की जिस प्रकार से बालिकाओं के साथ दुष्कर्म की घटना घटी है, उस पर फास्ट्रेक न्यायालय के माध्यम से त्वरित कार्रवाई नहीं हुई , साथ ही जिन लोगों द्वारा घटना को दबाने और पीड़ित परिवार को प्रलोभन देकर मामला रफा-दफा करने को कहा जा रहा था उसका वीडियो सामने आने के बावजूद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है । इतने बड़े मामले पर भाजपा सरकार के किसी भी मंत्री और मुख्यमंत्री ने कोई टिप्पणी नहीं दी है। जबकि बालिकाओं को मुख्यमंत्री कोष के माध्यम से आर्थिक सहायता राशि दी जानी थी ।ऐसा नहीं हुआ सरकार सिर्फ उनके समाज को मतदान के दिन ही याद करता है और वोट मांगने के लिए ही भाजपा के जनप्रतिनिधि उनके पास आते हैं , इसलिए उन्होंने इन सब विषय को लेकर 7 मई को प्रदर्शन करने की रणनीति बनाई है । आपको बता दे कि हट्टा थाना क्षेत्र में चार आदिवासी बालिकाओं के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले को लेकर आदिवासी समाज में आक्रोश का माहौल है। 7 मई को मुख्यालय में आदिवासी समाज ने जनाक्रोश रैली का ऐलान किया है। इसी को लेकर रविवार को संयुक्त आदिवासी मोर्चा ने प्रेसवार्ता ली। जिसमें मोर्चा प्रतिनिधियों ने प्रेस से चर्चा में 7 मई को जनाक्रोश रैली के साथ ही स्वयं को आदिवासी हितैषी बताने वाली भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल भी खड़े किए। उनका मानना था कि जिस प्रकार से घटना घटी है, उस पर भाजपा सरकार के किसी भी बड़े नेता और मुख्यमंत्री ने अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी हैं , जबकि उन्हें अपने कोष से पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक सहायता देनी थी , साथ ही जिले में भी अलग-अलग संगठन द्वारा किसी प्रकार का कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया गया, जबकि कोई भी घटना घटने पर अलग-अलग वर्ग और संगठन अपनी प्रतिक्रिया देते हैं लेकिन किसी ने इस बार चार-चार बालिकाओं के साथ हुई घटना पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी, उन्होंने 7 मई को सभी वर्ग को प्रदर्शन स्वरूप आक्रोश रैली में सम्मिलित होने का आवाहन किया है और मामले को दबाने वाले और पीड़ति परिवार को परेशान करने वालों पर भी कार्रवाई करने की मांग की है ।

जिले में आदिवासियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है - भुवनसिंह

गोंड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भुवनसिंह कोर्राम ने कहा कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा नहीं मिली है। जिससे पीड़ित परिवार भय के माहौल में जी रहा है। मामले में पुलिस कार्यवाही पारदर्शी पूर्ण हो, इसको लेकर मोर्चा ने तय किया है कि मामले में समाज का प्रतिनिधिमंडल, पुलिस से मामले में चर्चा करेगा। उन्होंने कहा कि निर्भया कांड से लेकर कई बड़े कांड सामने आए, सभी वर्गो ने उस पर चिंता और संवेदनाए जाहिर की, लेकिन बालाघाट में चार आदिवासी बालिकाओं के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में ना तो भाजपा और ना ही किसी संगठन, यहां तक की महिला संगठनों ने कोई संवेदना जाहिर की। जिससे लगता है कि जिले में आदिवासियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि लोगों में थोड़ी बहुत भी संवेदनाए है तो वह जनाक्रोश रैली में घटना के विरोध में साथ, पीड़िताओं को न्याय दिलाने खड़े हो। उन्होंने बताया कि सरकार, स्वयं को आदिवासी हितैषी बताती है लेकिन यह कैसी हितैषी सरकार है, जिसके मुख्यमंत्री ने मानवीय संवेदनाएं तक पीड़ितो के व्यक्त नहीं की। जिससे लगता है कि सरकार की मानवीय संवेदनशीलता खो गई है, जो घोर निंदनीय है।

सरकार की ओर से एक-एक करोड़ रूपए की मदद हो - दिनेश धुर्वे

आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि 7 मई को जनाक्रोश रैली में जिले के आदिवासी समाज के साथ ही बाहर के आदिवासी समाज को भी बुलाया गया है। उन्होंने पीड़ितों को एक बार फिर सरकार की ओर से एक-एक करोड़ रूपए की मदद और फास्ट ट्रेक की कार्यवाही को जल्द शुरू करने को कहा।

पुलिस मामले को गंभीरता से ले - शुभम उइके

परिषद युवा अध्यक्ष शुभम उइके ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले को दबावपूर्वक दबाने के मामले में कई लोग शामिल रहे है, जिस पर पुलिस ने कार्यवाही किए जाने की बात कही थी, लेकिन पुलिस ने अब तक ऐसे लोगों पर कोई कार्यवाही नहीं की है। हम चाहते है कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए धन और बाहुबल से मामले को दबाने वालो के खिलाफ, मामला दर्ज करे।

जिला मरार समाज का सम्मान समारोह सम्पन्न

सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों का किया गया सम्मान, सामाजिक एकता व संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) ।जिला मरार माली समाज बालाघाट द्वारा 4 मई रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भगवान बिरसा मुंडा चौक स्थित माता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास बूढी में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान समाज संगठन द्वारा समाज के सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों का सम्मान किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे समाज के वरिष्ठजनों ने विभिन्न विभागों में सेवा देकर समाज के साथ ही साथ प्रदेश और देश की सेवा की है। अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ ही पदाधिकारियों ने अपने सामाजिक और पारिवारिक दायित्व का निर्वहन किया है। आज वे शासकीय सेवा से निवृत्त हो चुके है परंतु सामाजिक सेवा में अभी भी कार्य कर रहे है। विभिन्न विभागों में रहकर सेवा के दौरान प्राप्त किये गये अनुभव से अब सामाजिक सेवा की ओर अग्रसर हुये है। आज हमे गर्व महसूस हो रहा है कि हम ऐसे लोगो का सम्मान कर रहे है। जिन्होने अपने जीवन के बहुमूल्य समय शासकीय सेवा में समर्पण किया। पदाधिकारीयो ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि करके समाज की सेवा में उन्हे समर्पित करने का है। जिला मरारमाली समाज का संगठन विस्तृत है और सामाजिक कार्यो में हमेशा अग्रणी रहा है। शासकीय सेवा के दौरान मिले अनुभव का लाभ हमारे समाज को गति देने में मिलेगा।

इन्हें शाल श्रीफल भेंट कर किया गया सम्मानित

इस सम्मान समारोह में जिले भर के कई दर्जन सेवानिवृत्त अधिकारियो व कर्मचारियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। दोपहर बारह बजे से आयोजित यह कार्यक्रम शाम तक चला रहा। इस दौरान एच. एल. कावरे सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता रेल विभाग, जे.एल खरे सेवानिवृत्त अनुविभागीय अधिकारी आर.ई.एस.विभाग, के.एल कावरे सेवानिवृत्त एस.डी.ओ. वन विभाग , गणेश बाहे सेवानिवृत्त चिकित्सक अधिकारी आयुष विभाग, टी.एल पंचे सेवानिवृत्त प्राचार्य शिक्षा विभाग ,सुरेन्द्र बाहे सेवानिवृत्त प्राचार्य शिक्षा विभाग,के.सी. बहेश्वर सेवानिवृत्त आडीटर जिला सहकारी बैंक, डी.सी. नागेश्वर सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार राजस्व विभाग,डी.एल.मानेश्वर सेवानिवृत्त प्रधानपाठक आ.जा.क.शिक्षा विभाग, अनिल मानेश्वर सेवानिवृत्त ड्राफ्समेन सिचाई विभाग ,एल.एल. खैरवार सेवानिवृत्त ड्राफ्समेन आर.ई.एस.विभाग, एम.के.राणा सेवानिवृत्त रेंजर वन विभाग ,के.सी. पंत सेवानिवृत्त उपयंत्री सिंचाई विभाग, रंगलाल पांचे सेवानिवृत्त सहायक अभियंता विद्युत मंडल विभाग, रामगरोरा महालेश्वर सेवानिवृत्त कृषि विस्तार अधिकारी, सी.एल पांचे सेवानिवृत्त सहायक पशु चिकित्साअधिकारी वेटनरी विभाग,जी.एल कावरे सेवानिवृत्त सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी वेटनरी विभाग, पी.एल.कावरे सेवानिवृत्त कर्मचारी एचसीएल,जे.पी. पंचेश्वर सेवानिवृत्त भू-वैज्ञानिक ताम्र परियोजना मलाजखण्ड , खिलेश्वर पंजरिया सेवानिवृत्त प्रबंधंक जिला सहकारी बैंक, सरस्वती पंचेश्वर सेवानिवृत्त स्वास्थ विभाग का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि बी.पी.पंचेश्वर सेवानिवृत्त अनुविभागीय अधिकारी सिंचाई विभाग थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मरारमाली समाज के अध्यक्ष रमेश पंचे ने की। कार्यक्रम में सामाजिक लोगो की उपस्थिति रही।

एक बालक की नाले में नहाते समय डूबने से मौत

तिरोड़ी थाने के ग्राम सादाबोडी की घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सादाबोडी समीप जंगल के भैसाडोह नाला में नहाते समय एक बालक की इस नाले में डूबने से मौत हो गई। मृतक बालक अश्विन पिता अशोक चचाने 15 वर्ष पन्नासा नागपुर निवासी है। तिरोड़ी पुलिस ने इस बालक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अश्विन चचाने के माता-पिता सादाबोड़ी के ही रहने वाले हैं किंतु वे लोग नागपुर में बस चुके हैं। हाल ही में अश्विन सादाबोडी अपने मौसा यदुराम कुशराम के घर किसी कार्यक्रम में आया था। 3 मई को सुबह अश्विन दो बच्चों के साथ सादाबोडी का जंगल लकड़ी लाने के लिए गए थे ।10 बजे जंगल में ही स्थित भैंसाडोह नाला में अश्विन नहाने के लिए उतरा जो नहाते समय नाला के गहरे पानी में जाने से डूब गया। अश्विन को नाले में डूबता देख दोनों बच्चे घर पहुंचे और अश्विन के नाले में डूबने के संबंध में बताएं। खबर सुनते ही परिवार और मोहल्ले के लोग जंगल स्थित नाला में पहुंचे और अश्विन को बाहर निकाले किंतु उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना की रिपोर्ट यदुराम कुशराम 45 वर्ष ग्राम सादाबोडी निवासी ने तिरोड़ी पुलिस थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक कौशल शर्मा अपने स्टाफ के साथ सादाबोडी जंगल पहुंचे और मृतक बालक अश्विन का शव बरामद किए। पंचनामा कार्यवाही पश्चात बालक अश्विन का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए ।आगे मर्ग जांच उप निरीक्षक श्री शर्मा द्वारा की जा रही है।

आमाटोला (ददिया) के ग्रामीणों को एक सप्ताह से नही मिल रहा नल-जल योजना का पानी

हेंडपंप से निकल रहा दूषित पानी, भीषण गर्मी में पानी के लिए ग्रामीणजन हो रहे परेशान, जिम्मेदार मौन, ग्रामीणजनों ने क्षतिग्रस्त पाइपलाईन कर मरम्मत कार्य करवाकर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ४ किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने के लिए पीएचई विभाग के द्वारा पूर्व में पाइपलाईन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन किया गया है। लेकिन आमाटोला की ओर जाने वाली पाइपलाईन का कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण बम्हनी नाला से करीब २०० मीटर दुर स्थित नल-जल योजना की पाइपलाईन गत दिवस क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसका अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, जिसके कारण ग्रामीणजनों को एक सप्ताह से नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है। साथ ही ग्राम में दो ही हेंडपंप है जिसमें सुबह से पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है और हेंडपंप में दबाव अधिक होने पर दूषित पानी निकल रहा है। जिसे पीने मजबूर है ग्रामीणजन साथ ही दूषित पानी पीने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। वहीं ग्रामीणजनों के द्वारा क्षतिग्रस्त नल-जल योजना की पाइपलाईन का मरम्मत कार्य करवाने की जानकारी पूर्व में पीएचई विभाग को दे दिये है, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में ग्राम में पानी की विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है, ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को दुर स्थित कुएं व हेंडपंप से पानी लाकर उपयोग करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा नल-जल योजना की क्षतिग्रस्त पाइपलाईन कर मरम्मत कार्य करवाने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों में पीएचई विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड में विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के तहत पाइपलाईन बिछाकर घर-घर नल का कनेक्शन किया गया है। लेकिन पाइपलाईन बिछाने का कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सभी ग्रामों में नल-जल योजना का पानी पर्याप्त मात्रा में नही मिल पा रहा हैं। इसी तरह ग्राम पंचायत ददिया के आमाटोला के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने के लिए बम्हनी स्थित नाले के समीप रोड़ किनारे से पाइपलाईन बिछाई गई है जिसके माध्यम से पानी सप्लाई की जाती है। लेकिन यह पाइपलाईन समनापुर रोड़ नाले से करीब २०० मीटर दूर रोड़ किनारे से एक सप्ताह पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वहीं पाइपलाईन क्षतिग्रस्त होने की जानकारी ग्रामीणजनों के द्वारा पीएचई विभाग को दे दिया गया है लेकिन अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, जिसके कारण नल-जल योजना का पानी ग्रामीणों को नही मिल पा रहा है और जिस स्थान से पाइपलाईन क्षतिग्रस्त हुई है वह व्यर्थ में पानी बहते रहता है। साथ ही क्षतिग्रस्त पाइपलाईन का मरम्मत कार्य नही होने के कारण ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। साथ ही इस भीषण गर्मी में ग्रामीणजनों को पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर स्थित हेंडपंप व खेत के कुएं से पानी लाकर उपयोग कर रहे है। इस तरह से पीएचई विभाग की उदासीनता के चलते ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग से क्षतिग्रस्त नल-जल योजना की पाइपलाईन का जल्द मरम्मत कार्य करवाकर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग की है ताकि ग्राम में जो पानी की विकट समस्या उत्पन्न हुई है वह दुर हो सके। वहीं पीएचई विभाग के प्रभारी एसडीओं विजय तिवारी से दूरभाष पर आमाटोला ददिया की नल-जल योजना की क्षतिग्रस्त पाइपलाईन का मरम्मत कार्य करवाकर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

७ दिनों से नही मिल रहा पानी - राकेश

राकेश नागेश्वर ने बताया कि नल जल योजना का पाइपलाईन एक सप्ताह पूर्व क्षतिग्रस्त हुआ है जिसका अब तक पीएचई विभाग के द्वारा मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिसके कारण ग्राम आमाटोला (ददिया) के ग्रामीणजनों को पानी नही मिल पा रहा है और भीषण गर्मी में ग्रामीणजन पानी के लिए परेशान हो रहे है। साथ ही यह भी बताया कि पाइपलाईन क्षतिग्रस्त होने की जानकारी पीएचई विभाग को दे दिये है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। श्री नागेश्वर ने बताया कि ग्राम में दो ही हेंडपंप है जिसमें सुबह से ही पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है और पानी भरने को लेकर विवाद की भी स्थिति निर्मित होते रहती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि क्षतिग्रस्त पाइपलाईन का जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

हेंडपंप का दूषित पानी पीने मजबूर ग्रामीणजन - रमेश

रमेश पंचेश्वर ने बताया कि इस भीषण गर्मी में गांव में पानी की समस्या बनी हुई है एवं नल जल योजना की पाइपलाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण एक सप्ताह से पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण दुर स्थित हेंडपंप व खेत के कुएं से पानी लाकर उपयोग कर रहे है। जबकि पाइपलाईन क्षतिग्रस्त होने की जानकारी पीएचई विभाग को दे दिये है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कोई ध्यान नही दे रहे है जिनकी लापरवाही के चलते ग्रामीणजन पानी के लिए परेशान हो रहे है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि ग्राम में दो हेंडपंप है जिसमें अधिक दबाव होने पर दूषित पानी निकलने लगता है, जिसका पानी पीने मजबूर है ग्रामीणजन इसलिए हमारी मांग है कि क्षतिग्रस्त पाइपलाईन का जल्द मरम्मत कार्य करवाकर नल-जल योजना का पानी प्रदाय करें प्रशासन।

समाज कार्य के लिए सामाजिक सद्भावना जरूरी - शिवनारायण

जबलपुर संभाग के समन्वयक एवं परिषद सलाहकार ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की संपर्क कक्षाओं का किया गया निरीक्षण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की

कक्षाओं का ४ मई को जन अभियान परिषद के सलाहकार शिवनारायण पटेल, जबलपुर संभाग के समन्वयक रवि वर्मन, जिला समन्वयक सुशील बर्मन के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा संचालित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू की सभी ५ कक्षाओं का निरीक्षण किया एवं विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय से प्रदत पाठ्य सामग्रियों के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही मासिक असाइनमेंट, ऑनलाइन असाइनमेंट और प्रोजेक्ट रिपोर्ट, फील्ड में संचालित होने वाली गतिविधियों एवं जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम के तहत हो रहे कार्यक्रमों की भी विद्यार्थियों से जानकारी ली गई। साथ ही विद्यार्थियों के यूनिफॉर्म और आईकार्ड की प्रशंसा भी की। इस निरीक्षण के बाद सामूहिक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा माँ सरस्वती और महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। जिसके बाद राज्य कार्यालय के कार्यपालक निर्देशक डॉ. बकुल लॉड के निर्देशन पर पूरे प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षाओं में अध्यनरत विद्यार्थियों एवं परामर्शदाताओं से वर्चुअल बातचीत भी की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन अभियान परिषद के सलाहकार शिवनारायण पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि आप जितनी भी पढ़ाई कर ले, कोई भी विषय को लेकर, लेकिन समाज कार्य में काम करना है तो इसके लिए सामाजिक सद्भावना जरूरी है। हमारे भारत में सनातनी बिखरे हुए समाज को एकत्रित करने के लिए आद्यगुरु शंकराचार्य ने चार पीठों का निर्माण किया और बिखरे हुए समाज को एक कड़ी में पिरोया। साथ ही यह भी कहा कि आज हम आदिगुरू शंकराचार्य जी की जयंती भी मना रहे हैं, जिन्होंने समाज को अहम् ब्रह्मास्मि का मंत्र दिया। मुझ में, आप में और सब में ब्रम्हा समाया है एवं सभी ब्रम्हा है, यही सनातन धर्म की विशेषता है। वहीं परिषद के संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने विद्यार्थियों को आने वाले मुख्य परीक्षा में किस प्रकार से तैयारी करना है उसके बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में जन अभियान परिषद के सभी वॉलिंटियर्स को सहभागिता निभाने के लिए कहा। जिला समन्वयक सुशील बर्मन कहा कि हमारे पाठ्यक्रम में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक प्रयोगशाला ग्राम में निस्वार्थ भाव से विद्यार्थी जो कार्य कर रहे हैं वह कार्य काफी प्रशंसनीय है, इससे विद्यार्थियों में नेतृत्व की भावना बढ़ती है। साथ ही इन दिनों जल गंगा संवर्धन पर कार्य किया जा रहा है। ब्लाक समन्वयक सीता उइके ने बताया कि म.प्र. जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन) द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (समाज कार्य में स्नातक एवं परा-स्नातक पाठ्यक्रम) जो कि दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत शिक्षा का कार्यक्रम महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट सतना (म.प्र.) द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिसका प्रदेश के ३१३ विकासखंडों में प्रत्येक रविवार को एवं वर्ष भर में कुल ४० कक्षाओं का संचालन किया जाता है। सतत शिक्षा के साथ-साथ सप्ताह में प्रयोगशाला एवं सेक्टर में सामाजिक विषयों पर फील्ड वर्क भी किया जाता है। यह फील्ड वर्क जन अभियान परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में परामर्शदाताओं के द्वारा सामाजिक क्षेत्र में अध्ययन एवं कार्य करने वाले विद्यार्थियों के साथ किया जाता है। ४ मई को लालबर्रा में संचालित कक्षाओं का निरीक्षण किया गया है। इस अवसर पर ब्लाक समन्वयक श्रीमती सीता उइके, मुकेश गाडेश्वर, थानेंद्र ठाकरे, चंद्रकुमार बसेने, हेमराज अंगुरे, चैनलाल चौधरी, दार्मेन्द्रप्रसाद हरिनखेडे, सुश्री प्रेमबती उइके, सुश्री निकिता गोयल सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हट्टा क्षेत्र की घटना को लेकर संयुक्त आदिवासी मोर्चा कलेक्टर कार्यालय का करेगें घेराव 7 को

बैठक में जन आक्रोश रैली निकालने, घेराव करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रम की बनाई गई रणनीति

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। हट्टा क्षेत्र में घटी आदिवासी बालिकाओं के साथ घटित घटना के विरोध में एवं आरोपियों पर सख्त कार्यवाही किये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर संयुक्त आदिवासी मोर्चा के द्वारा आगामी ७ मई को जनआक्रोश रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए नगर मुख्यालय स्थित शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में ४ मई की शाम ५ बजे संयुक्त आदिवासी मोर्चा लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में विगत दिवस दुगलई में घटी घटना को लेकर विचार-विमर्श किया गया और इस घटना की निंदा करते हुए उपस्थितजनों ने कहा कि ७ मई को प्रत्येक विकासखण्ड से जनआक्रोश रैली निकाली जा रही है इसलिए लालबर्रा विकासखण्ड से भी जनआक्रोश रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाना है। जिस पर सभी उपस्थितजनों ने अपनी-अपनी राय देते हुए कहा कि आदिवासी बालिकाओं के साथ जिन लोगों के द्वारा गलत कृत्य किया गया है ऐसे व्यक्तियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही होनी चाहिए और ७ मई को जनआक्रोश रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाये। जिसके बाद ७ मई को लालबर्रा विकासखण्ड से जनआक्रोश रैली निकालकर जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया गया। इस तरह से हट्टा क्षेत्र में घटी आदिवासी बालिकाओं के साथ घटित घटना के विरोध में, आरोपियों पर सख्त कार्यवाही किये जाने एवं पीड़ितजनों को मुआवजा दिये जाने की मांग को लेकर ७ मई को संयुक्त आदिवासी मोर्चा के द्वारा कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जायेगा। चर्चा में संयुक्त आदिवासी मोर्चा लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि हट्टा क्षेत्र की आदिवासी बालिकाओं के साथ गत दिवस दुष्कर्म की घटना हुई है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त और इस घटना के विरोध में ७ मई को जनआक्रोश रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने का निर्णय बैठक में लिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि जनआक्रोश रैली एवं कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर पीड़ितों को आर्थिक मदद, परिवार को रोजगार दिये जाने सहित आरोपियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करने की मांग की जायेगी। इस अवसर पर संयुक्त आदिवासी मोर्चा लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

आरोपियों को फांसी की सजा दी जाये - अनिल

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उईके ने बताया कि हट्टा क्षेत्र के नाबालिक बालिकाओं के साथ गत दिवस रात्रि में दुराचार किया गया है जो एक शर्मनाक घटना है जिसकी हम घोर निंदा करते है। साथ ही यह भी बताया कि आदिवासी बालिकाओं के साथ घटित घटना के विरोध में आगामी ७ मई को जन आक्रोश रैली एवं कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने का निर्णय रविवार को आयोजित बैठक में लिया गया है। श्री उइके बताया कि सामाजिक बैठक के माध्यम से इस घटनाक्रम को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि पुलिस प्रशासन के द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है परंतु उसके बावजूद स्थानीय लोग इस मामलों को दबाने का प्रयास कर रहे है जिससे सामाजिक बंधुओं में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही प्रशासन से आरोपियों को फांसी की सजा देने, पीड़ित बालिकाओं को १ करोड़ रूपये की राशि दिये जाने एवं उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

कलेक्टर कार्यालय का करेगें घेराव ७ को - झनकार

संयुक्त आदिवासी मोर्चा लालबर्रा के अध्यक्ष झनकारसिंह उइके ने बताया कि हट्टा क्षेत्र के ग्राम दुगलई के पास गत दिवस ४ बालिकाओं के साथ दुष्कर्म हुआ है। यह बेहद दु:खद घटना है और इस घटना के विरोध में ७ मई को जन आक्रोश रैली एवं कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। श्री उइके ने बताया कि ७ मई को सभी संगठन के लोग शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में एकत्रित होगें, जिसके बाद जनआक्रोश रैली निकालकर जिला मुख्यालय पहुंचेगें जहां जिले के समस्त विकासखण्ड से पहुंचे लोगों के साथ रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपियों पर सख्त कार्यवाही करने सहित अन्य मांगें की जायेगी। इस विरोध एवं जनआक्रोश रैली में अधिक से अधिक लोगों से पहुंचने की अपील की गई है।

बोरवेल एवं हेंडपंप का घटा जल स्तर, विभाग सामग्री प्रदाय करने में असमर्थ - श्रीराम

पीएचई विभाग से बोरवेल, हेंडपंप में पाइप डालकर एवं खराब हेंडपंप को सुधारकर पानी की समस्या को दुर करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ४ किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में इस भीषण गर्मी के चलते जल संकट गहरा गया हैं। साथ ही ग्राम में स्थित तालाब, टाकी, खदान का जल स्त्रोत सुख जाने के कारण हेंडपंप, बोरवेल (पंप हाउस) का जल स्तर अत्यधिक भूमिगत हो चुका है। जिसके कारण लोगों को स्वयं के उपयोग करने के साथ ही मवेशियों को भी पानी पिलाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ग्राम सरपंच सहित ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग को हेंडपंप व बोरवेल का जल स्तर नीचे चले जाने पर उसमें पाईप डालने की मांग की जा रही है ताकि बोरवेल (पंप हाउस) एवं हेंडपंप का पानी उपयोग कर सके। लेकिन पीएचई विभाग सामग्री उपलब्ध नही करवा पा रही है जिससे ग्रामीणजनों व पंचायतकर्मियों में आक्रोश प्याप्त है। चर्चा में सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि भीषण गर्मी के चलते जल स्तर नीचे चले गया है, जिसके कारण ग्राम बकोड़ा में जल संकट की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। साथ ही बोरवेल (पंप हाउस) एवं हेंडपंप का भी जल नीचे चले गया है, इस संबंध में पीएचई विभाग को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि ग्रामीणजनों का कहना है कि हेंडपंप का जल स्तर कम होने के कारण पाईप डालना अति आवश्यक है। साथ ही यह भी बताया कि वार्ड नंबर ५ का सेलेण्डर एक सप्ताह पूर्व से खराब हो चुका है, इसी तरह वार्ड नंबर १०, ११, १२, १३, १५ में स्थित हेंडपंप का जल स्तर कम हो चुका है जिसमें दो-दो पाईप डाल दिया जाता है तो पानी की समस्या दुर हो सकती है एवं वार्ड नं. १० में स्थित हेंडपंप में चैन नही लगाया गया है। जब पीएचई विभाग के टेक्नीशियन से चर्चा करने पर उनके द्वारा सामग्री उपलब्ध नही होना बताया जाता है। साथ ही पीएचई विभाग के उच्चाधिकारियों के द्वारा भी संतुष्टजनक जवाब नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। श्री नागेश्वर ने बताया कि नल-जल योजना का पानी भी नियमित रूप से नही मिल पा रहा है एवं हेंडपंप का सुधार कार्य के लिए विभाग व ठेकेदार को जानकारी दे दिया गया है लेकिन सुधार कार्य नही किया जा रहा है। पीएचई विभाग के द्वारा जल्द हेंडपंप में सुधार कार्य करवाकर पानी की समस्या को दुर नही किया गया तो ग्रामीणजन आंदोलन करने बाध्य होगें जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

परशुराम जयंती का हुआ आयोजन

प्रकटोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में ४ मई को परशुराम जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जयंती प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी धुमधाम के साथ मनाई गई। जिसमें बड़ी संख्या में स्वजातिय बंधुओं ने उपस्थित होकर पूजा अर्चना व रैली में शामिल होकर उत्सव मनाया इस दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। विदित हो की यह जयंती कार्यक्रम ३० अप्रैल को थी जो संक्षिप्त रूप से मनाकर सामाजिक बंधुओ के द्वारा ४ अप्रैल को यह भव्य जयंती का आयोजन किया गया है।

बाइक रैली निकालकर किया नगर भ्रमण

सर्व ब्राह्मण समाज के सभी सदस्य नगर के कटंगी मार्ग स्थित परशुराम चौक में एकत्रित हुए। जहां पर विधि विधान से वैदिक मन्त्रों उच्चारण के साथ भगवान परशुराम का पूजन अर्चन करने के बाद महाआरती की गई। जहां से प्रसादी वितरण के बाद बाइक रैली निकाली गई । यह बाइक रैली नगर के गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक ,सब्जी बाजार ,नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक ,लालबर्रा रोड़ ,बस स्टैंड ,दीनदयाल चौक सहित विभिन्न चौक चौराहा एवं गलियों का भ्रमण करते हुए भगवान परशुराम भवन पहुंची। जहां मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह बाइक रैली पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र रही। जिसमें समाज के महिला पुरुष वर्ग के द्वारा बढ़.चढ़कर भाग लिया गया। वहीं विभिन्न स्थानों पर समाज के लोगों के द्वारा भगवान परशुराम के गीतों पर नृत्य भी किया जाता रहा।

सर्व ब्राह्मण समाज ने थाना प्रभारी को सौंपी शिकायत

नगर के जय स्तंभ चौक पर बाइक रैली के दौरान सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा थाना प्रभारी हेमंत नायक को लिखित शिकायत देकर प्रतिष्ठित ब्राम्हण समाज के विरोध में शोशल मिडिया के माध्यम से अर्नगल पोष्ट कर समाज की भावना को ठेस पहुंचाने वाले तत्वों के विरूद्ध आईटी की धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध किये जाने मांग की गई । शिकायत में उल्लेखित हैं की हम सभी सामाजिक बंधु हस्ताक्षरित यह लिखित शिकायत प्रस्तुत कर रहे है कि वारासिवनी वार्ड नं. ३ निवासी रितेश बोरकर के द्वारा फेसबुक के माध्यम से ब्राम्हणों के विरूद्ध भडकाउ टिप्पणी पोस्ट की गई हैं। रितेश बोरकर के द्वारा डाली गई पोस्ट में फेसबुक मित्रगण कम्मेन्टस के माध्यम से समाज के प्रति दुरभाव रखते हुऐ अर्नगल टिप्पणी कर रहे हैं। जिससे सामाजिक बंधुओं की भावनाओं को ठेस पहुँच रही है और उनमें इनके प्रति गहरा रोष व्याप्त है। टिप्पणी करने वालों में नगर पालिका परिषद वारासिवनी के पार्षद प्रवीण डोंगरे भी शामिल हैं। हम चाहते हैं की मामले की सुक्षमता से जांच कर टिप्पणी करने वालों पर तत्काल आईटी के तहत मामला पंजीबद्ध करने की कृपा करें।

उपजेल वारासिवनी में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा स्थित उपजेल में तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर जेलर अभय वर्मा की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी से गठित स्वास्थ्य टीम के द्वारा उपजेल में शिविर लगाया गया।

जहां पर बंधियों के स्वास्थ्य की विस्तृत जांच की गई । जिसमें उनका ब्लड टेस्ट बीपी शुगर सहित विभिन्न जांच की गई। वहीं नि:शुल्क दवा का भी वितरण किया गया जहां पर एक एक कर समस्त बंधियो के द्वारा अपनी जांच करवाई गई। उक्त विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में निरूद्ध बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार दिया गया। बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया गया। उक्त विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में बंदियों के लिए नियुक्त पैनल अधिवक्ताओं के द्वारा उनके प्रकरण के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु बंदियों की अलग अलग बीमारी समस्या के आधार पर बंदियों को चिन्हित किया गया। जेलर अभय वर्मा ने बताया की जेल में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कैदियों की शुगर बीपी ब्लड़ मलेरिया टाइफाइड सहित अनेक प्रकार की जांच कर उनके नेत्र कान और गले सहित हड्डियों की जांच कर आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ उमेश तुरकर, अभिजीत शुक्ला ,अनामिका शुक्ला, अमित दमाहे, प्रवीण नागवंशी ,सुनील धामने ,संदीप कोकोटे ,शरद मेश्राम ,योगेंद्र टेंभरे सहित जेल स्टाफ एवं बंदी मौजूद रहे।

ओंकारेश्वर में वारासिवनी के शुभम शर्मा हुए सम्मानित शंकरदूत की उपाधि से नवाजे गए शुभम शर्मा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के वारासिवनी निवासी और युवा विधि छात्र शुभम शर्मा को मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग एवं आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के द्वारा आयोजित अद्वैत वेदांत युवा जागरण शिविर में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए प्रदान किया गया। शिविर का आयोजन ओंकारेश्वर स्थित एकात्मधाम में किया गया था। जिसमें भगवान आदि शंकराचार्य के द्वारा रचित ग्रंथ तत्तवबोध का गहन अध्ययन कराया गया। दस दिवसीय इस शिविर के उपरांत आयोजित पाँच दिवसीय एकात्म पर्व के समापन समारोह में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि की अध्यक्षता में शुभम शर्मा को शंकरदूत ,अद्वैत एम्बेसडर की उपाधि से अलंकृत किया गया। गौरतलब है कि शुभम शर्मा ने पिछले वर्ष भी केरल के वेलियानाड स्थित चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन में आयोजित अद्वैत जागरण युवा शिविर में भाग लिया था। जहाँ उन्होंने आदि शंकराचार्य के द्वारा विरचित प्रकरण ग्रन्थ का अध्ययन किया था। उनके इस निरंतर अध्ययन और वैदिक संस्कृति के प्रति समर्पण को देखते हुए यह सम्मान उनके लिए अत्यंत सार्थक है। शुभम शर्मा की इस उपलब्धि पर बालाघाट जिले में हर्ष की लहर है। उनका यह योगदान ना केवल भारतीय दर्शन के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरित करता है, बल्कि संस्कृति से जुड़ने की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

गाडरनाला पर श्रमदान कर दिया जनजागरूकता का संदेश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निरंतर जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतो के प्रति ग्रामीणों में उत्तरदायित्व बोध कराने जनजागरूकता फैलाने कार्य किया जा रहा है। इसी तारतम्य में रविवार को बीएसडब्ल्यू के छात्रों के सहयोग से परसवाड़ा कि सहायक नाला गाडरवाला पर सफाई का कार्य श्रमदान द्वारा किया। साथ ही वर्षा पूर्व जनसहभागिता से पूर्ण कचरा निकालकर नाले को स्वच्छ करने कि योजना तैयार की गई। कार्यक्रम में संतोष नगपुरे विकासखण्ड समन्वयक जन अभियान परिषद माधुरी पटले, योगेश्वरी रहांगडाले, सोहेद्र पंचतिलक, दिनेश वरकड़े, तिमेश्वरी शरणागत सहित 27 लोग उपस्थित रहें।

मप्र में अगले तीन दिन कूल-कूल रहेगा मौसम 45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल । मध्य प्रदेश का मौसम अगले 4 दिन तक ऐसे ही बना रहेगा। साइक्लोनिक सकुर्लेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से बारिश ओले के साथ तेज आंधी भी चल रही है। मंगलवार तक बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। कहीं कहीं आंधी और ओले भी गिर सकते हैं। रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन-जबलपुर समेत 45 जिलों के लिए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। किसी क्षेत्र में बारिश और ओले पड़ रहे हैं तो कहीं गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा है। मौसम विभाग का कहना है कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के 3 सिस्टम के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश के ओले पड़ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 7 मई तक प्रदेश में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 4 दिन यानी, 7 मई तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मई के महीने में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है ।मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। पिछले 10 साल के ट्रेंड के मुताबिक कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ है। पहले ही दिन कई जिलों में बारिश हुई।

भारत को रूस से मिले 250 करोड़ के नए एयर डिफेंस मिसाइल बच नहीं पाएंगे दुश्मन के ड्रोन और हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। भारतीय सेना को रूस से अत्याधुनिक इग्ला-एस एयर डिफेंस मिसाइलें प्राप्त हुई हैं, जिससे देश की वायु रक्षा क्षमता में बड़ा इज़ाफा हुआ है। इन्हें अग्रिम मोर्चों पर तैनात किया जा रहा है ताकि दुश्मन के लड़ाकू विमान, ड्रोन और अटैक हेलिकॉप्टर को बेहद करीब से मार गिराया जा सके।

इन मिसाइलों की आपूर्ति 250 करोड़ रुपये के विशेष खरीद अनुबंध के तहत की गई है, जिसे भारतीय सेना ने रूस के साथ हस्ताक्षरित किया था। यह सौदा तत्काल परिचालन ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में वायु रक्षा को और सुदृढ़ किया जा सके। इस इन्वेंट्री बूस्ट से पाकिस्तान के साथ पश्चिमी मोर्चे पर सेना की मिसाइल क्षमता और मजबूत होगी।

अचूक निशाना लगाती है ये मिसाइल

सेना और वायुसेना के पास 1989 से ही पुरानी इग्ला-1एम सिस्टम है, लेकिन कंधे से दागी जाने वाली इग्ला-एस एक बेहतर संस्करण है जिसकी इंटरसेप्शन रेंज 6 किलोमीटर तक है। इन्हें एक सैनिक कंधे पर रखकर चला सकता है। ये लक्ष्य को पहचानने और लॉक करने के बाद ये अपने आप उसे भेद देती हैं। इग्ला-एस एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का वजन 10.8 किलोग्राम होता है। जबकि पूरे सिस्टम का वजन 18 किलोग्राम। सिस्टम की लंबाई 5.16 फीट होती है। व्यास 72 मिलिमीटर। इस मिसाइल की नोक पर 1.17 किलोग्राम वजन का विस्फोटक लगाया जाता है। ढ्ढद्दद्यड्ड-स् की रेंज 5 से 6 किलोमीटर है। अधिकतम 11 हजार फीट तक जा सकती है। यह मिसाइल 2266 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से टारगेट की तरफ बढ़ती है। यानी दुश्मन को बचने का मौका कम ही मिलता है।

वायुसेना की भी बढ़ेगी ताकत

रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेनाओं को वायु रक्षा को बढ़ावा देने के लिए और अधिक उपकरण मिलेंगे क्योंकि वायु सेना ने भी इसी तरह के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि समन्वित तरीके से देश की वायु सीमाओं को बहुस्तरीय सुरक्षा प्रदान की जा सके। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत को पाकिस्तान और चीन दोनों ओर से वायु और ड्रोन खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इन मिसाइलों के आने से भारतीय सेना की प्रतिक्रिया क्षमता में काफी तेजी और सटीकता आएगी।

जीएसटी कलेक्शन के मामले में गुजरात कई बड़े राज्यों से आगे, अप्रैल 2025 में 14,970 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड कलेक्शन

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में विकास के रोल मॉडल के रूप में दुनिया भर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके गुजरात ने आर्थिक मोर्चे पर एक बार फिर अपना दम दिखाया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार गुजरात का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन अप्रैल 2025 में सालाना आधार पर 13 फीसदी के उछाल के साथ 14,970 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह न केवल राज्य में मजबूत होती आर्थिक गतिविधियों को रेखांकित करता है, बल्कि राज्य सरकार की व्यापार अनुकूल नीतियों और कार्यक्रमों की सफलता के साथ ही देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गुजरात के महत्वपूर्ण योगदान को भी इंगित करता है। गुजरात मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में 'विकसित गुजरातञ्च2047' के रोडमैप के माध्यम से स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में 'टॉप अचीवर' बनने से लेकर स्टार्टअप रैंकिंग में 'बेस्ट परफॉर्मर' का खिताब हासिल करने वाला गुजरात आज विश्व व्यापार परिदृश्य में एक चमकता सितारा बनकर उभरा है।

गुजरात ने 14,970 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन किया

अप्रैल 2025 में गुजरात का जीएसटी कलेक्शन 14,970 करोड़ रुपए रहा है, जो अप्रैल 2024 में 13,301 करोड़ रुपए की तुलना में 13 फीसदी की ग्रोथ दिखाता है। जीएसटी कलेक्शन के मामले में महाराष्ट्र (41,645 करोड़ रुपए) और कर्नाटक (17,815 करोड़ रुपए) के बाद गुजरात देश में तीसरे स्थान पर रहा। हालांकि, जीएसटी कलेक्शन में ग्रोथ को देखें, तो महाराष्ट्र की ग्रोथ अप्रैल 2024 की 13 फीसदी के मुकाबले अप्रैल 2025 में घटकर 11 फीसदी ही रह गई है। वहीं, गुजरात ने 13 फीसदी की अपनी ग्रोथ को बरकरार रखा है। इतना ही नहीं, वित्त वर्ष 2024-25 में गुजरात ने जीएसटी से 73,281 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 64,133 करोड़ रुपए की तुलना में 14 फीसदी की बड़ी ग्रोथ को दर्शाता है।

गुजरात जीएसटी कलेक्शन में कई बड़े राज्यों से आगे

गुजरात ने 14,970 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन कर तमिलनाडु (13,831 करोड़ रुपए), मध्य प्रदेश (5302 करोड़ रुपए), पश्चिम बंगाल (8188 करोड़ रुपए), राजस्थान (6228 करोड़ रुपए), उत्तर प्रदेश (13,600 करोड़ रुपए), पंजाब (3104 करोड़ रुपए), हरियाणा (14,057 करोड़ रुपए) और बिहार (2290 करोड़ रुपए) जैसे कई बड़े राज्यों से आगे है। छोटे और केंद्र शासित प्रदेशों को देखें, तो अरुणाचल प्रदेश में 66 फीसदी, नागालैंड में 42 फीसदी और मेघालय में 50 फीसदी की ग्रोथ हुई है, जबकि लक्षद्वीप ने 287 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार ने अप्रैल 2025 में 2,36,716 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड जीएसटी राजस्व हासिल किया है, यह गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 12.6 फीसदी अधिक है। इस प्रकार, गुजरात की जीएसटी कलेक्शन की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है।

उद्योग अनुकूल नीति और मजबूत आर्थिक गतिविधियों का योगदान

जीएसटी कलेक्शन देश की आर्थिक सेहत का एक अहम संकेतक बन गया है, जो सरकार के राजस्व में अहम योगदान देता है। गुजरात ने उद्योग अनुकूल नीति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में तेजी से सुधार और कुशल कर संग्रह तंत्र के अलावा घरेलू खपत और उत्पादन में तेजी जैसी मजबूत होती आर्थिक गतिविधियों की बदौलत जीएसटी राजस्व संग्रह में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह दर्शाता है कि गुजरात 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है।

पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने लागू किया था जीएसटी

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारत की कर प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए 1 जुलाई, 2017 को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू किया था। जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर है, जो भारत में वस्तुओं और सेवाओं के निर्माण, बिक्री और उपभोग पर लगाया जाता है।

रामलला जिस टेंट में रहे, उसे मंदिर में रखा जाएगा

श्रद्धालुओं को प्रेरणा मिले कि भविष्य में ऐसे हालात न हों

अयोध्या। अयोध्या में भगवान श्रीराम जिस टेंट में थे। वह टेंट ट्रस्ट के पास सुरक्षित है। उसे मंदिर परिसर में स्मृति चिह्न के तौर पर रखा जाएगा। 1949 में जिस सिंहासन पर विराजमान थे, वह भी मिल गया है। उसे भी दर्शन के लिए रखा जाएगा। यह श्रद्धालुओं को प्रेरणा देगा कि भविष्य में फिर से ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। ये बातें श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कही। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे। लक्ष्मण और शत्रुघ्न पंखा डोलाते हुए दिखेंगे। हनुमानजी और भरत की प्रतिमाएं चरणों में बैठे हुए होंगी। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अभी इस पर विचार हो रहा है कि मंदिर के प्रथम तल के किस दरवाजे पर कितना सोना लगाया जाए। यह फैसला सोने की मात्रा के आधार पर लिया जाएगा। जो श्रद्धालुओं ने भेंट किया है। फिलहाल, सोने का आकलन किया जा रहा है। इसके बाद ही यह तय किया जाएगा कि मंदिर में कहां-कहां सोना लगेगा। दरअसल, रविवार को श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक का अंतिम दिन था। बैठक में शनिवार को लिए गए फैसलों के बारे में समित के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी।

परकोटे को मंदिर से जोड़ा जाएगा

अब परकोटे को मंदिर को जोडऩा मुख्य चुनौती है। इसके लिए मंदिर के पश्चिमी दिशा में एक लिफ्ट और एक ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जो श्रद्धालुओं की आवाजाही को सरल बनाएगा। काम तेजी से चल रहा है।

शिखर पर लगेगी दो विशेष लाइटें

समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बताया-राम मंदिर के शिखर पर दो प्रकार की विशेष लाइटें लगाई जा रही हैं। पहली एविएशन सिग्नल लाइट होगी, जो हवाई जहाजों को मंदिर की ऊंचाई का संकेत देगी। वहीं, दूसरी अरेस्टर लाइट होगी, जो बिजली से मंदिर की सुरक्षा करेगी। शिखर पर केवल ध्वजा लगाने का काम शेष रह गया है, जो अगले तीन से चार महीने में पूरा किया जाएगा। राम मंदिर के शिखर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसे आगामी 30 जून 2025 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य है।

संयुक्त राज्य अमेरिका-यूक्रेन खनिज समझौता

भड़काऊ तू-तू मैं-मैं से लैस श्रमसाध्य वार्ताओं के बाद, वाशिंगटन और कीव ने एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एक संयुक्त निवेश कोष के जरिए संयुक्त राज्य अमेरिका को यूक्रेन के महत्वपूर्ण खनिज और तेल एवं गैस से जुड़े संसाधनों तक पहुंच महैया कराएगा। यूक्रेन ने दावा किया है कि इस समझौते से समान आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा, जबकि इसका वास्तविक प्रभाव अभी भी अनिश्चित है। खनिज संबंधी सौदे का विचार यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पिछले साल बाइडेन प्रशासन को अपनी 卐विजय योजना卐 के हिस्से के रूप में प्रस्तावित किया था। उनका कहना था कि यूक्रेन के विशाल अप्रयुक्त महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों (जिनमें लिथियम, ग्रेफाइट, यूरेनियम और टाइटेनियम के अलावा दुर्लभ मृदा धातु शामिल हैं) के भंडार को अमेरिकी सैन्य सहायता एवं सुरक्षा गारंटी के एवज में खोला जाएगा। राष्ट्रपति पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने एक खनिज समझौते का समर्थन तो किया, लेकिन वह समझौता बिल्कुल ही अलग किस्म का था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कीव, अमेरिकी कंपनियों को यूक्रेन के संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके युद्ध के दौरान सैन्य और आर्थिक सहायता के रूप में मुहैया करायी गई अरबों डॉलर की राशि चुकाए। एक मौका ऐसा भी आया जब जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच की असहमति ओवल ऑफिस में उन दोनों के दरम्यान सार्वजनिक झगड़े में तब्दील हो गई। लेकिन दोनों पक्षों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसकी परिणति 30 अप्रैल के समझौते के रूप में हुई।

यूक्रेन के लिहाज से, यह समझौता ट्रम्प के पिछले प्रस्तावों के मुकाबले बेहतर है। इसमें सहायता को ऋण के रूप में निरूपित करने का कोई जिक्र नहीं है। इस समझौते के तहत, संयुक्त राज्य अमेरिका-यूक्रेन पुनर्निर्माण निवेश कोष यूक्रेन के संसाधनों के निष्कर्षण से जुड़ी परियोजनाओं का वित्तपोषण करेगा। कीव इन परियोजनाओं से हासिल राजस्व का 50 फीसदी हिस्सा इस कोष में साझा करेगा। इस समझौते में भले ही अतीत में दी गई अमेरिकी सहायता का कोई जिक्र नहीं है, लेकिन भविष्य में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता को इस कोष में पूंजीगत योगदान माना जाएगा - यूक्रेन को भविष्य में दी जाने वाली सहायता को संसाधनगत राजस्व के जरिए चुकाना होगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भले ही जेलेंस्की ने मूल रूप से इस खनिज समझौते को अमेरिका से सुरक्षा गारंटी हासिल करने के एक रास्ते के रूप में देखा था, लेकिन अंतिम समझौते में अमेरिका की तरफ से कीव को कोई स्पष्ट सुरक्षा संबंधी प्रतिबद्धता नहीं जताई गई है। यूक्रेन के अधिकारियों ने इस समझौते, जिसे संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है, को दोनों पक्षों के लिए हर तरह से फायदेमंद बताया है। लेकिन हकीकत में यह उस युद्ध में कीव की दिनोंदिन बढ़ती नाजुक स्थिति को रेखांकित करता है, जिसके बंद होने का कोई आसार नजर नहीं आते। जेलेंस्की और उनके सैन्य अधिकारियों को पता है कि अगर अमेरिकी समर्थन खत्म हो गया तो उनकी युद्धरत सेनाएं संकट में पड़ जायेंगी। और ट्रम्प ने पहले ही यूक्रेन की सबसे बड़ी मांग - ठोस सुरक्षा गारंटी - को खारिज कर दिया है। सीमित विकल्पों की सूरत में, यूक्रेन ने इस उम्मीद के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं कि इससे कम से कम इस कोष में अमेरिकी निवेश के रूप में अमेरिकी सैन्य सहायता का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित हो सकेगा। लेकिन जेलेंस्की का खनिज संबंधी यह जुआ तभी सफल होगा जब ट्रम्प प्रशासन युद्ध को खत्म कराने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। अगर यह युद्ध लंबा खिंचता है और रूसी सेनाएं पूर्व में आगे बढ़ती रहती हैं, तो इस खनिज समझौते का यूक्रेन की सुरक्षा के लिए कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें

वैश्विक स्तरपर खुशियों या सकारात्मक परिस्थितियों में तो हर व्यक्ति जीवन जीनें को आतुर रहता है, परंतु सृष्टि का यह नियम है कि हमेशा ऐसा नहीं होता, जीवन का चक्र घूमते रहता है। यदि आज सकारात्मक परिस्थितियां हैं तो कल नकारात्मक परिस्थितियां भी आनी ही है!जिससे हमें मुकाबला कर आगे बढ़ना है और स्थितियों पर परिस्थितियों से निपट कर सफलता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। जो ख़ुद में स्थिर होते हैं, हर परिस्थितियों से लड़ते हैं, वही अपने जीवन में इतिहास रखते हैं। क्योंकि जब हम निर्भीकता से विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे त्योहिं विपत्तियां दुम दबाकर भाग खड़ी होगी। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से विभिन्न विचारों को समाहित करते हुए चर्चा करेंगे आओ परिस्थितियों से लड़ कर इतिहास रचें।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीवन में परीक्षा की घड़ी की करें तो अनुकूल परिस्थितियों में तो सभी सटीकता से जीवन यापन करने और अपने आप को सुदृढ़ और सुलझा हुआ कहने लगते हैं परंतु असली व्यक्तित्व और सटीकता का पता तो तब चलता है जब विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिरता के से मुकाबला कर उन्हें अनुकूल बनाकर इतिहास रचते हैं। असल में हमें विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत रखना और जिंदगी में जो भी परिस्थितियां हो उसका डटकर सामना करना हमारी जिंदगी में जो भी समस्या हो उन समस्याओं का हल निकालना और उन समस्याओं का हल निकालते और लड़ते-लड़ते मर जाना बेहतर है। किसी भी समस्या से भागना नहीं चाहिए विकट परिस्थितियों में जूजते रहेंगे तो हमारी समस्याओं का हल अपने आप निकलता रहेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए समस्याओं का निराकरण भी लाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श भी बनेंगे जो लोग समस्याओं से लड़ते हैं और उसका हल निकालते हैं और डरते नहीं है, वही लोग महान हैं।

साथियों बात अगर हम सटीक कहावत मानव परिस्थितियों का दास होता है और उस दास शब्द को अस्वीकार करने की करें तो, मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए हमें सर्वप्रथम उन वजहों को समझने का प्रयास करना चाहिए जिनके चलते ये परिस्थितियाँ पैदा हुईं हैं जिसपर पर बारिकी से नजर रखते हुए सब्र के साथ परिस्थितियों का सामना करने का प्रयास करना चाहिए,जो परिस्थितियाँ हमारे बस में ना हों उनके लिए अधिक चिंतित हम ना हों । वे समय के साथ खुद ब खुद सामान्य हो जाएँगी। हर हालत में धैर्यवान बने रहकर ईश्वर अल्लाह (समय) पर भरोसा करना चाहिए।समय से बलवान कोई नहीं।चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थिति हो समय बीतने के साथ-साथ मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों को बदलकर सामान्य होते देर नहीं लगतीं।कितना भी गहन अंधकार वाली रात्रि हो कुछ पलों में सूर्योदय अवश्यंभावी है।

साथियों वह नियति हो या फिर परिस्थिति कोई फर्क नहीं पड़ता और जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं। जिस तरह से हम अच्छे वक्त को संभालना बचपन से जानते हैं, उसी तरीके से हमें बुरे वक्त को भी संभालना सीखना चाहिए किस तरीकेसे हम इनको संभाले कि यह परिस्थितियां कभी भी हमारे जीवन में ऐसी परिस्थिति ना क्रिएट करें की हम टूट कर बिखर जाएं यदि टूट कर बिखर भी जाएं तो स्वयं को जोड़कर पुन:खड़ा होने की हिम्मत अपने अंदर रखनी चाहिए। जीवन में जीवन से ज्यादा कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं होता परंतु अक्सर देखा जाता है कि इंसान छोटी-छोटी बातों को लेकर के भी आत्महत्या कर लेता है या फिर कोई ऐसा कदम उठा लेता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं करते इन्हीं सब से निपटने के लिए हमें स्वयं को मानसिक रूप से सबल बनाना होता है।

साथियों बात अगर हम विपरीत परिस्थितियों को हावी ना होने देने की करें तो, जब भी हम अपने जीवन में कमजोर होते हैं, चाहे वह कमजोरी शारीरिक होआर्थिक हो या मानसिक हो उस वक्त हमारा मन दुर्बल होता है तथा हम परिस्थितियों से संघर्ष करने में कमजोर होते हैं। अत: ऐसी स्थिति में हमारे ऊपर परिस्थितियों को हम हावी होने देते हैं यदि हम चाहते हैं कि हमारे ऊपर परिस्थितियां हावी ना हो तो हमको अपने आप को मानसिक रूप से बहुत सफल बनाए रखना होगा। जिंदगी में कहीं बार ऐसे पड़ाव, वक्त आता हैं कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं समझ में ही नहीं आता,उस परिस्थितियों में हमको सब्र रखना हैं, खुद से बातें करना हैं, खुद को एकांत में लाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यहीं वह समय हैं जब हम खुद कों समझ सकते हैं, हमारे अंदर रहा सामर्थ्य को पहचान सकते हैं, हमारी क्षमता को समझ सकते हैं,औऱ जरूरी हैं सकारात्मक बने रहना। प्रतिकूल परिस्थितियों में अगर हमारा अपने दिल और दिमाग पर काबू है तो हमको किसी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी तो सबसे पहले हमको स्ट्रांग रखने के लिए अपने दिल और दिमाग को अपने काबू में रखना पड़ेगा अगर वह काबू में आ गए तो हम किसी भी परिस्थिति का सामना कर पाएंगे।

साथियों बात अगर हम खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदलकर इतिहास रचने की करें तो, हमें ऐसे व्यक्ति बननां है जो परिस्थितियों के अनुसार खुद नही बल्कि खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदल डाले इसलिए पुन:प्रयास करें और तब तक करते रहें जब तक हम उस परिस्थिति को बदल न दे। हमें अपनी परिस्थिति को सुधारने का भरसक प्रयत्न करना और उसके मार्ग में आने वाले संकटों का धैर्यपूर्वक मुकाबला करना चाहिए ,पर यदि प्रयत्नों के बावजूद हमारी आकाँक्षा और इच्छाओं के अनुसार हमारी परिस्थिति में किसी अज्ञात कारणवश शीघ्र वाँछित परिवर्तन या सुधार नहीं होता है, तो हमें घबराकर प्रयत्नों को नहीं छोड़ देना चाहिए बल्कि दुगने उत्साह के साथ हमें अपने उद्देश्य-प्राप्ति में जुटे रहना चाहिए। ऐसे समय में हमें अपने आत्म मित्र एवं हितचिंतकों से इस विषय में परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए संभव है उनकी सूझबूझ और सहायता से हमारे संकट का निवारण हो जाए। समस्या को हम अपने परिवार के सदस्यों के सन्मुख उपस्थित कर उनकी सलाह भी ले सकते है। इस प्रकार हमें कहीं न कहीं से ऐसे प्रेरक विचार मिल जायेंगे, जिनके द्वारा हम अपनी परिस्थितियों को बदल सकेंगे।

साथियों जीवन एक संग्राम है। इसमें वही व्यक्ति विजय प्राप्त कर सकता है, जो या तो परिस्थिति के अनुकूल अपने को ढाल लेता है या जो अपने पुरुषार्थ के बल पर परिस्थिति को बदल देता है। हम इन दोनों में से किसी भी एक मार्ग का या समयानुसार दोनों मार्गों का उपयोग कर जीवन-संग्राम में विजयी हो सकते हैं। परिस्थितियां बनती-बिगड़ती रहती है।ऐसे में विपरीत परिस्थितियों से कभी नहीं घबराएं।उनके साथताल-मेल बिठाएं और मन में धैर्य को स्थान दे।अपने अंदर करुणा,दया, प्रेम, आत्मीयता एवं सहानुभूति जैसे सद्गुणों का विकास करें।सात्विक विचारों के साथ-साथ सोच को सकारात्मक बनाएं सत्कर्म को बढ़ावा देपरिस्थितियां अपने आप अनुकूल बनती चली जाएगी।विकट परिस्थितियां हमारे संघर्ष को और पक्का करती हैं। स्वयं पर विश्वास रख कर आगे बढ़े, हर समय आप रो नहीं सकते हैं। हमको उन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना होगा।धीरज धर्म,मित्र,अरु नारी।आपतिकाल परखिए चारी।।रामायण की इस चौपाई को हम अहर्निश ध्यान में रखते हुए आने वाली हर मुसीबत का निर्भीकता और दृढ़ता के साथ सामना कर सकते है। आप देखेंगे कि ज्यों ही हम विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे, त्यों ही विपत्तियाँ दुम दबाकर भाग खड़ी होंगी, संकटों के सब बादल छँट जाएंगे और परिस्थिति निष्कंटक होकर हमारे लिए अनुकूल हो जायगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं।आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें।स्थितियों परिस्थितियों से निपटकर सफ़लता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। हर परिस्थिति का सामना करने के लिए मनुष्य कोमानसिक मज़बूती और संतुलित विचारधारा चाहिए।

किशन सनमुखदास भावनानी

दूसरों के बारे में देखने से क्या फायदा

अक्सर आजकल लोगों को दूसरे के बारे में ज्यादा सोचते हैं उसने ऐ घर ले लिया उसके पास सबकुछ है मेरे पास कुछ नहीं और अपनी चादर से अधिक पैर फैलाते हैं जिससे उसे आर्थिक संकट पैदा होती है उसे क्या मिला जो मिला वो उसके कर्म और भाग्य के कारण मिला जिससे आपको ना मिलने पर कुंठा घर कर जाती है दूसरों को नौकरी मिला अच्छी बात है मेहनत की और मिला लेकिन आप हमेशा उस भगवान राम को ध्यान कीजिये आप दूसरे के घर में ताकना छोड़ कर सच्चाई को जानने की कोशिश करेंगे ऐ संसार मिथ्या है भ्रम में फंसा है आप उससे बाहर निकल कर ईश्वर का ध्यान करें कुछ भी नहीं तो शांति अवश्य मिलेगी इंसान को बनाया ईश्वर ने ज्ञान भी दिया लेकिन ज्ञान को एक जगह संचित नहीं करने से दिमाग़ भटकने लगता है और वो अपने से तुलना कर और भी निराश या अधिक होने पर ख़ुशी में रहता है अब आप सतर्क हो जाएं क्योंकि आपके पास जो समय मिला है वो बहुत ही कम है जिंदगी एक नाटक की तरह जिसमें सब अपना रोल प्ले करते हैं लेकिन यदि क़ोई अच्छा रोल कर रहा हो तो उसके बारे में सोच कर डर से अपना रोल भूल जायेंगे और मंच पर आप खुद मज़ाक के पात्र बन जायेंगे आप ईश्वर पर ध्यान कीजिये भगवान श्री राम पर ध्यान करें ध्यान भटक रहा है तो कुछ समय के लिए बेकार की बातों को सोचना छोड़ दीजिये मुझे क्या करना है वो नेक और पवित्र होना चाहिए विचार सही होगा तो तनाव नहीं होगा सुख और दु:ख जीवन में आते रहते हैं जीवन बहुत मुश्किल से मिला है और दोबारा आसानी से नहीं मिलेगा अत: बची खुची जिंदगी को खुशी से जियें लोग क्या कर रहें हैँ क्या सोचेंगे इसपर ध्यान देने से आपकी परेशानी और ज्यादा बढ़ेगी अत: मन को शांत कर एकाग्र होने की कोशिश करें हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ही ठीक नहीं रहेगा तो आप दूसरे पर निर्भर करेंगे और मैं बता रहा हूँ उस समय झेलाना आपको पड़ेगा जो कष्टदाई होगा इस जगत में जब सब एक दिन नस्ट होने वाला है तो क्यों न जो सत्य है उसपर ध्यान दें इसलिए प्रभु राम का ध्यान कीजिये और खुश रहें क्योंकि अंत में उन्ही का नाम सत्य होता है जो सभी बंधनों से मुक्त और सदा आपको गलत चीजों से बचाता है संस्कार अच्छा रहेगा तो सब कुछ मिलेगा क़ोई बहुत बड़ा आदमी क्यों न हो संस्कार ठीक नहीं है तो सब बेकार मान लीजिये बड़ा आदमी है लेकिन रोज शराब की लत में डूबा है उसके दिमाग़ में यही चल रहा है कौन सा विस्की, स्कॉच, वाइन, बियर ठीक है और कितना दाम है वो दूसरों पर क्या ध्यान देगा अत: उसे शराब से प्यार है आपसे नहीं और ऐसे आदमी नशे की हालत में कुछ भी बोल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा को केवल घर तक ही नहीं मोहल्ले में सुनाएगा जिससे आपकी भारी बदनामी होगी रोज मार पिट कर रोड पर पड़ा रहेगा बताएँगे आपकी और परिवार की क्या इज्जत रहेगी सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं हैं आप अपनी आय से कितना बचा लेते हैं यही आखिर आपको अंत में काम आएगा ख़र्ज करना बहुत आसान है बचाना मुश्किल जरूर है लेकिन यही आपके बुरे वक़्त में काम आएगा सीखना है तो भगवान श्री राम से सीखें.राम को वीरता, सही काम करने और एक आदर्श पुत्र और पति होने के लिए जाना जाता है । इसके अलावा, वह बहुत मर्यादा का पालन करना और असत्य से नहीं डरने का साहस था इसलिए वो महान वीर थे, जैसा कि सीता के पिता द्वारा शिव के धनुष को मोड़ने की चुनौती से देखा जा सकता है। वह इसे तोड़ सकते हैं।

भगवान राम विष्णु के अवतार हैं। हिंदू धर्म के कुछ संप्रदायों, जैसे वैष्णव धर्म में, विष्णु सर्वोच्च देवता हैं और उनके सभी अवतारों की पूजा की जाती है।स्वामी विवेकानंद भगवान श्री राम के ध्यान में ऐसा डूबे की उन्हें ईश्वर का साक्षात् रूप दिखा स्वामी विवेकानंद ने उन्हें ईश्वर के रूप में माना है और् विभिन्न अवसरों पर अपने व्याख्यानों में श्रीराम कथा के पात्रों विशेषकर श्रीराम, माता सीता और श्रीहनुमान आदि के चरित्र का बखान करते हुए मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा की। 2 सितंबर 1897 को मद्रास (अब के चेन्नई) के विक्टोरिया हॉल में उन्होंने कहा था卐मैं बस राम के पुल के निर्माण में उस गिलहरी की तरह बनना चाहता हूँ, जो पुल पर अपनी थोड़ी सी रेत-धूल डालकर काफी मजबूत थी।

भगवान श्री उनमें अलौकिकता एवं धीरोदत्त नायक की विशेषताएं राम में भी वे सामान्य मनुष्यो की तरह जीवन जीते है। सामान्य मनुष्यो के सामने एक आदर्श प्रस्थापित करने के लिए प्रभु जीवन जीने की राह दिखाते है। प्रभु ने ब्रह्म स्वरूप होकर भी कहीं पर भी अपनी शक्ति का प्रचलन नहीं किया। प्रभु के लिए तो हर समस्या का समाधान पल भर में मिलता है किंतु प्रभु को सामान्य मनुष्य की तरह रहने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रभु ने सर्वज्ञात होकर भी अज्ञात बनकर गुरु वशिष्ठ से ब्रह्मज्ञान प्राप्त किया तथा विश्वामित्र द्वारा भी मंत्रसिद्धियाँ प्राप्त की। पंचवटी में वे सीता की सुवर्णमृग की चमड़ी से बनी कंचुकी पहनने की चाँह सामान्य मनुष्यो की तरह पूरी करने के लिए मृग के पीछे दौड़ते है। रावण द्वारा सीताहरण होने पर वे सीता की खोज करते समय सामान्य मनुष्य की तरह विलाप करते है। ऐसा अनेक प्रसंगो मे श्रीराम के अलौकिक होते हुए भी उनके लौकिक रुप के दर्शन होते हैं.राम को भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में जाना जाता है और साथ ही रामायण में वर्णित उनके कई वीरतापूर्ण कारनामों के लिए भी जाना जाता है। हिंदू राम की निष्ठा, सदाचार, दयालुता, विनम्रता और वीरतापूर्ण कहानियों की सराहना करते हैं।

- संजय गोस्वामी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पहलगाम त्रासदी : क्या हो अमन की राह?

कश्मीर के बैसरन में 26 सैलानियों को बेरहमी से क़त्ल कर दिया गया और कई अन्य घायल हुए। इस त्रासदी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह दावा किया गया है कि हत्यारे आतंकवादी पाकिस्तान की लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेसिस्टेंस फोर्स' के थे। इस संगठन ने इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी भी ली है। हमलावरों ने लोगों का धर्म पूछा और फिर बेरहमी से उन्हें अपनी गोलियों का निशाना बनाया। मरने वालों में सैयद आदिल शाह नामक व्यक्ति भी था जो पर्यटकों को घोड़ों पर बिठाकर सैर करवाता था।

इस कांड के तुरंत बाद हेलीकाप्टरों के पहुँचने तक हमले के शिकार लोगों की मदद मुख्यत: मुसलमानों ने की। घायलों का इलाज मुस्लिम डॉक्टरों के एक दल ने किया। पूरी कश्मीर घाटी में बंद रहा और 'हिंदू मुस्लिम भाई भाई' के नारे गूंजते रहे। घटना के समय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में थे। वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश वापिस आए लेकिन घटनास्थल पर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में शामिल होने बिहार चले गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी नहीं की क्योंकि वे उस समय बिहार में थे और वहां मंच पर भाजपा के सहयोगी दल के नेता नीतीश कुमार के साथ हंसी-ठिठोली करते नजर आए। सभी विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया, जो बिलकुल उचित कदम था।

प्रधानमंत्री का यह रवैया गुजरात के गोधरा में ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद के उनके रवैये के एकदम विपरीत था। तब वे घटना के आधे घंटे के अंदर ही घटनास्थल की ओर रवाना हो गए थे और उन्होंने यह निर्देश दिया था कि शवों को अहमदाबाद ले जाया जाए, जहां उन्हें एक जुलूस में शहर की सड़कों पर घुमाया गया।

पहलगाम हमले के बाद से सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर ऐसे संदेश पोस्ट किए जा रहे हैं जिनमें आतंकवादियों को 'मुस्लिम राक्षसों' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आतंकियों ने पर्यटकों की हत्या करने के पहले उनका धर्म पूछा इस बात को मुस्लिमों के प्रति घृणा फैलाने का मुख्य आधार बनाया जा रहा है। मुसलमानों को कठघरे में खड़ा करने का सिलसिला काफी पहले से चल रहा है। गाय और लव जिहाद जैसे मुद्दों के बहाने मुसलमानों की लिंचिंग होती रही हैं। उनका नाम पता लगने के बाद उन्हें मकान बेचने या किराए पर देने से इंकार कर दिया जाता है। उन्हें सिर्फ उनके धर्म की वजह से नौकरी नहीं दी जाती है। सरकार और गोदी मीडिया ने आतंकियों के मुस्लिम होने की बात का जिक्र तो खूब किया मगर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और गुप्तचर संस्थाओं की असफलता के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। यह पुलवामा की घटना के बाद के रवैये जैसा ही था। तब भी आतंकी हमले को लेकर जनाक्रोश को भड़काने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई लेकिन इस मुद्दे की जरा सी भी चर्चा नहीं की गई कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद आरडीएक्स वहां कैसे पहुंचा। प्राप्त समाचारों के अनुसार इस बात के संकेत थे कि हमला हो सकता है। ऐसे में सरकार ने उसे रोकने के लिए कौन-से कदम उठाए? बैसरन पहुंचने के पहले सेना की बहुत सी निगरानी चौकियों को पार करना पड़ता है। फिर आतंकी वहां पहुंचने में कैसे सफल हो गए?

त्रासदी के बाद स्थानीय मुसलमानों, घोड़े वालों, रिक्शा चालकों और होटलों के मालिकों (जो सभी मुसलमान थे) ने पर्यटकों की मदद की और फैसला लिया कि वे उनसे एक रूपया भी नहीं लेंगे। इसके विपरीत एयरलाइन्स ने आपदा को अवसर में बदलते हुए किराए में अनाप-शनाप बढ़ोत्तरी कर दी। कई कश्मीरी विद्यार्थियों को उनकी होस्टलों में प्रताड़ना झेलनी पड़ी कई से हॉस्टल खाली करने को कहा गया। देश के विभिन्न भागों में कश्मीरियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भारत सरकार ने सिंधु नदी के जल के बंटवारे पर भारत-पाक संधि को स्थगित करने की घोषणा की। इस पर पाकिस्तानी नेतृत्व ने कहा कि यह युद्ध की घोषणा के समान है। टकराव और संघर्ष के काले बादल आसमान में साफ नजर आ रहे हैं।

आतंकवाद कश्मीर की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस समस्या की जडें बहुत पुरानी हैं। भारत में कश्मीर के विलय की संधि के कई प्रावधानों को कमज़ोर कर दिया गया। इससे कश्मीरियों में असंतोष की शुरूआत हुई। शेर-ए-कश्मीर शेख अब्दुल्ला को भी यह ठीक नहीं लगा। उनके मन में यह विचार आने लगा कि क्या कश्मीर का भारत में विलय करना एक गलती थी। यह असंतोष पूरी तरह कश्मीरियत पर आधारित था। कश्मीरियत वेदांत परंपराओं, बौद्ध मूल्यों और सूफी शिक्षाओं के मिलन से बनी संस्कृति है।

पाकिस्तान ने इस असंतोष को हवा दी। इसने हिंसक रूप ले लिया और हालात और जटिल हो गए। 1990 के दशक में अल कायदा की ताकत बढ़ गई और उसके जैसे अन्य तत्वों ने इस विशुद्ध कश्मीरी प्रतिरोध को साम्प्रदायिक स्वरूप दे दिया। कश्मीरी पंडितों को प्रताड़ित किया गया और वे घाटी छोड़ने को मजबूर हुए। उस समय भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी। जिस दौर में पंडितों का कश्मीर से पलायन हुआ समय राज्य का कामकाज भाजपा समर्थक जगमोहन संभाल रहे थे। उन्होंने पंडितों को कश्मीर से जाने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाईं। स्थानीय लोगों द्वारा पंडितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संरक्षण देने के प्रयासों को नाकाम कर दिया गया।

निश्चित ही अटल बिहारी वाजपेयी का 'इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत' का नारा कश्मीर में शांति सुनिश्चित करने की सर्वोत्तम नीति हो सकता है। लेकिन ज्यादातर समय कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित रही है। बल्कि वहां पिछले कई बरसों से बहुमत की इच्छाओं का गला घोंटा जा रहा है। पहले भी कश्मीर में निष्पक्ष चुनाव नहीं होते थे, और आज भी वही स्थिति है।

मोदी के सत्ता में आने के बाद शुरूआती दिनों में नोटबंदी लागू की गई और दावा किया गया कि इससे आतंकवाद काबू में आएगा। नोटबंदी पूरी तरह असफल रही। उसके बाद अनुच्छेद 370 को हटाया गया और उसके साथ ही कश्मीर का दर्जा राज्य से घटाकर केन्द्रशासित प्रदेश कर दिया गया और कहा गया कि इससे आतंकवाद की समस्या समाप्त हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि आतंकवाद खात्मे की ओर है जिससे पूरे देश के पर्यटक कश्मीर आने लगे।

इस बीच कश्मीरी पंडितों और अन्यों के खिलाफ छिटपुट आतंकी कार्यवाहियां होती रहीं जिनसे कश्मीरी परेशान होते रहे। अब चूंकि कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश है इसलिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सुरक्षा व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं है। पिछली बार अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई लेकिन उससे अब्दुल्ला को दूर रखा गया। कानून व्यवस्था पूरी तरह से केन्द्र सरकार के हवाले है!

आतंकवाद को कैसे समाप्त किया जा सकता है? स्थानीय लोगों को राज्य के कामकाज से अलग रखना आतंकवाद का मुकाबला करने में एक बड़ी बाधा है। सुरक्षा तंत्र का पहले पुलवामा में और अब पहलगाम में असफल होना, यानि बार बार असफल होना, गंभीर चिंता का विषय है। कश्मीर भारत का अंग है और वहां अमन-चैन रहे, यह पूरे देश का लक्ष्य होना चाहिए। और इसमें वाजपेयी की जम्हूरियत की प्रमुख भूमिका होगी। कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त करना आज की जरूरत है। कश्मीर के नागरिकों को, जो हमारे साथी और मित्र हैं, ऐसे माहौल की दरकार है जहां पर्याप्त सुरक्षा हो और पर्यटक बिना किसी भय के वहां आ सकें और घूम सकें। पर्यटन स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी का प्रमुख साधन है और कश्मीर के मामले में कोई भी फैसला लेते समय इस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

आज देश पूरी मजबूती से सरकार के साथ खड़ा है और सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को सुझावों को पूरी गंभीरता से ले। किसी ने ठीक ही कहा है युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है। वह तो अपने आप में एक समस्या है।

-राम पुनियानी

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

रेनो बोरियल को पहले ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा

नई दिल्ली। हाल ही में रेनो ने रेनो बोरियल एसयूवी के टीज़र को जारी किया, जिससे इसके डिज़ाइन और अन्य फीचर्स का भी पता चला है। यह एसयूवी रेनो की सिस्टर कंपनी डेसिया द्वारा पेश की गई बिगस्टर के समान है, जो डस्टर का 7-सीटर वर्जन है। कहा जा रहा है कि रेनो बोरियल को पहले ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा, और भारत में इसे 2026 की शुरुआत में पेश किया जा सकता है। रेनो बोरियल का डिज़ाइन और फीचर्स डस्टर के समान होंगे, लेकिन इसे लंबा और ज्यादा प्रीमियम बनाने के लिए कुछ बदलाव किए जाएंगे। इसमें बड़ी व्हील्ज और बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस होगी, जो इसे ऑफ-रोडिंग के लिए उपयुक्त बनाएगी। ग्लोबल मार्केट में रेनो बोरियल की ग्राउंड क्लीयरेंस 220 मिमी है। अंदर की तरफ पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, अडास, 10-इंच इंफोटेनमेंट, डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर और मल्टी-टेरेन मोड्स के साथ एडब्ल्यूडी सिस्टम जैसे फीचर्स होंगे। इसके पावरट्रेन के बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह डस्टर के समान इंजन विकल्पों के साथ आएगा। इनमें 1.6-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन होगा, जो दो इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ आएगा और शहर के ट्रैफिक में 80 प्रतिशत समय तक इलेक्ट्रिक मोड में चल सकता है। इसके अलावा, 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन भी होगा, जो माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ 130 बीएचपी पावर जनरेट करेगा।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामों को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा में 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों में वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छे खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमश: 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस में भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

डिफेंस कंपनी करेगी आईडीएल एक्सप्लो सिव्स का अधिग्रहण

मुंबई। देश के डिफेंस सेक्टर में एक बड़ी और महत्वपूर्ण घटना सामने आई ?जिससे अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर सोमवार को तेजी से उछलेंगे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की सब्सिडियरी अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज ने आईडीएल एक्स्प्लो ?सिव्स को खरीदने का फैसला किया है और इसके लिए 107 करोड़ रुपये का खर्च करेगी। एक विशेष बैच के अनुरोध के बाद, 2 मई को यह डील का ऐलान किया गया है। प्रक्रिया के पूरा होने में 2 महीने का समय लग सकता है। इस डील के माध्यम से अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने उत्पादन क्षमता में वृद्धि की उम्मीद दिखाई और घरेलू डिमांड के साथ एक बड़ी डील की घोषणा की। यह अधिग्रहण से अपोलो ग्रुप की डिफेंस सेक्टर में मजबूती और स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

ओरेकल फाइनेंशियल 1 शेयर पर 265 रुपये का देगी डिविडेंड

मुंबई। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने अपने निवेशकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने तय किया है कि एक शेयर पर 265 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा, जिसकी समयसीमा भी तय कर दी गई है। ओरेकल के डिविडेंड के साथ कंपनी की हालत भी स्थिर है, क्योंकि इस समय उसके शेयरों की कीमतें एक महीने में 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई हैं। हालांकि, 2025 में इसके शेयरों में 31 प्रतिशत की डिप्रेशन देखने को मिली थी, लेकिन इसे पिछले साल का उछाल देखकर फिर से उत्सुकता बन सकती है। ओरेकल के शेयरों में पिछले 5 साल में 271 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि बाजार के मुकाबले काफी तेजी है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 72.59 प्रतिशत है, जिसमें वे अपनी हिस्सेदारी में कमी कर रहे हैं। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों के लिए यह एक फायदेमंद घोषणा है, जिसे वे ध्यान से निहार सकते हैं और डिविडेंड योजना का लाभ उठा सकते हैं।

देश में डीजल की मांग अप्रैल में चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में डीजल की मांग में अप्रैल में करीब चार प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। कई माह की नकारात्मक या कम वृद्धि के बाद अप्रैल में गर्मियों की शुरुआत के साथ डीजल की खपत बढ़ी है। डीजल देश में सबसे ज्यादा उपभोग किया जाने वाला ईंधन है। डीजल, देश में सबसे अधिक उपभोगित ईंधन है, इसलिए इस मांग की बढ़ोतरी का अर्थिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में, डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। इसके मुकाबले, अप्रैल में डीजल की खपत में 82.3 लाख टन की बढ़ोतरी हुई, जो एक साल पहले की समयावधि से लगभग चार प्रतिशत अधिक है। यह कोविड-पूर्व की अवधि यानी 2019 से तुलना में डीजल की खपत में 10.45 प्रतिशत की वृद्धि है। गर्मियों की शुरुआत के साथ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डीजल की मांग बढ़ गई है। अप्रैल, 2025 में डीजल की मांग में चार प्रतिशत की वृद्धि, जो इस महीने के लिए दर्ज की गई सबसे ऊंची मात्रा है। उद्योग के अधिकारी बता रहे हैं कि पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग में सुस्ती रही है, लेकिन अब वृद्धि के साथ इसकी मांग बढ़ गई है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए किसी नए मकान या दुकान आदि की खरीदारी के लिए रहेगा। आपका कोई विरोधी आपके खिलाफ कोई साजिश रच सकता है। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आप छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आप अपनी माताजी से पारिवारिक मामलों को लेकर कोई सलाह मशवरा कर सकते हैं।

वृषभ - आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्यागकर अपने कामों में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप कुछ कामों को लेकर आलस्य दिखाएंगे जो बाद में वह भी लटक सकते हैं। आप कहीं धार्मिक कार्यक्रम में जाने की तैयारी कर सकते हैं। आपकी किसी बात को लेकर माताजी नाराज रहेंगी। आपकी संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है।

मिथुन - आज आप अपने कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं, नहीं तो उनसे आपको कोई भारी नुकसान हो सकता है। आप किसी संपत्ति का सौदा करते समय जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें। आप अपनी भाई- बहनों से यदि किसी काम को लेकर धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपके कार्यक्षेत्र में सहयोगी पूरा साथ देंगे, जिससे आपको काम करने में भी आसानी होगी।

कर्क - आज का दिन आपके लिए अपने खर्चों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा, क्योंकि आपके खर्च बेतहाशा बढ़ेंगे। आपको किसी को धन उधार देने से बचना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई में यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होंगे। आपका कोई काम पूरा होते-होते रह सकता है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

सिंह - आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको यदि किसी काम को करने में समस्या आ रही थी, तो उसके लिए आप अपने भाई बहनों से मदद ले सकते हैं। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से खटपट होने की संभावना है, इसका असर आपके वैवाहिक जीवन पर पड़ेगा। आप अपने धन का कुछ हिस्सा दान-पुण्य के कार्यों में भी लगाएंगे।

कन्या - आज का दिन आपके लिए लेनदेन से संबंधित मामलों में सावधानी बरतने के लिए रहेगा, क्योंकि आप यदि किसी काम को लेकर कोई लोन आदि ले रहे थे, तो वह आपको आसानी से मिल सकता है, लेकिन आप किसी अजनबी से व्यवसाय की कोई डील फाइनल कर सकते हैं, जो बाद में आपको समस्या देगी। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को भी लेकर आ सकते हैं।

तुला - आज का दिन आपके लिए सांसारिक शुभ भोग के साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपनी सुख-सुविधाओं पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन आपकी किसी बात को पूरा होने में समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपकी किसी पुरानी गलती को लेकर आपको पछतावा होगा। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और आप अपने पिताजी से किए हुए वादे को भी पूरा कर सकते हैं। यदि कोई समस्या आपको लंबे समय से घेरे हुए थी, तो आपको उसे से मिल बैठकर दूर करना होगा। आपके किसी सहयोगी को आपकी बात पूरी लग सकती है।

धनु - आज का दिन आपके लिए कोई निर्णय बहुत ही सोच समझकर लेने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोग एक्सपर्ट की राय लेकर ही आगे बढ़े, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी नए वाहन की आप खरीदारी की योजना बना सकते हैं। आपको कोई बात परिवार में किसी सदस्य को बुरी लग सकती है।

मकर - आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती से भरा रहने वाला है। आप कामों को लेकर ज्यादा टेंशन नहीं लेंगे। जो चल रहा है, उसे देखकर काफी खुश रहेंगे, लेकिन आपकी अपने बिजनेस में योजनाओं को लेकर किसी से पार्टनरशिप समस्या बन सकती है। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तब वह भी पूरा हो सकता है।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आप अपने पिताजी की सेहत को लेकर परेशान रहेंगे। आप उनके खान-पान पर भी पूरा ध्यान देंगे। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर भविष्य को लेकर कोई इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

मीन - आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको काम अधिक रहने से आपका मन भी थोड़ा परेशान रहेगा। आपको बिजनेस में कोई नुकसान होने से टेंशन अधिक रहेगी। आपके खर्च करने की आदत आपकी लिए समस्या बन सकती है। आप अपनी संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं।

शब्दजाल - 7889

शब्द जाल में 10 स्वतंत्रता सेनानियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गांधी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, नेताजी, लाला लाजपतराय, लोकमान्य तिलक, तांत्या टोपे, मंगल पांडे .

चं	ज	गां	धी	ग	ब	ज	मं	प	सु	क
द्र	वा	भ	क	या	दों	का	ग	स	ख	ड़
शे	ह	या	ग	र्म	छ	स	ल	न	दे	क
ख	र	रा	र	त	वी	स	पां	ल	व	य
र	इ	म	म	सं	सिं	ल	डे	र	रा	ल
आ	ता	प्र	ई	र	ब	ह	फ	त	श	ज
जा	बा	सा	दा	ई	जी	स	प	ग	प	न
द	र	द	प	ता	ज	ज	र्द	न	प	स
क	ज	बि	ने	न	ला	तां	त्या	टो	पे	हो
क	म	स्मि	प	ला	या	स	मा	ब	प	य
का	न	ल	ला	लो	क	मा	न्य	ति	ल	क

शब्दजाल - 7888 का हल

सा	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ग	झ	पी
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्धा	नं	घ	चं
जे	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द
क	ही	ग	र	मे	ग	क	फ	या	श	फु
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

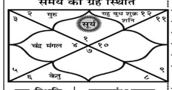

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.01 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	07.59 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.13 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.29 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.41 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.52 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.06 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.22 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.27 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कुंभ	01.14 बजे से
		मीन	02.47 बजे से
		मेष	04.17 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 125 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 07.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 14.01 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 00.20 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 07.36 बजे तदनन्तर बालव 20.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872335
जूलियन दिन 2460800.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद
तारीख 06
विशेष सीता नवमी, बगलामुखी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6833

1		2	■	3		4		■	5
	■	6			■		■	7	
8	9		■	10	11	■	12		■
■		■	13	■		■	■	14	
15		16		■	17		18		■
	■		■	19	■	■		■	20
21	22		■	23		24		25	
■		■	26		■	27	28	■	
29				■	30		31	32	
33		■	34				■		■

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 6832

अं	जा	म	■	जै	■	बा	द	शा	ह
गा	■	न	म	की	न	■	म	■	म
रे	खा	■	हा	■	गी	त	■	ही	रा
■	मो	ह	रा	■	ना	रा	ज	■	ज
■	शी	■	जा	नू	■	जू	■	फ	■
स	■	गो	■	त	ब्बू	■	दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न	■	बा	■	र	■
श	■	■	न	■	जं	जी	र	■	घा
शा	र	दा	■	जं	ग	■	क्ष	त्रि	य
ह	■	सी	मा	■	ल	■	क	■	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सहयोग की भावना

महामना मदनमोहन मालवीय को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए धन की आवश्यकता थी। इसलिए वह समाज के संपन्न लोगों से मिलकर उनसे इस सत्कार्य में सहयोग की प्रार्थना करते थे। मालवीय जी के एक मित्र उन्हें इसके लिए एक बड़े व्यापारी के घर ले गए। आवाज देने पर सेठ जी ने बैठक का दरवाजा खोला और दोनों अतिथियों को बैठाया। उस वक्त शाम हो जाने के कारण अंधेरा छाने लगा था। बैठक में बिजली नहीं थी, इसलिए सेठ जी ने अपने छोटे बेटे को लालटेन जलाने को कहा। बेटा लालटेन और दियासलाई लेकर आया। उसने माचिस की एक तीली जलाई, परंतु लालटेन तक आते-आते बुझ गई। इस तरह उसने तीन तीलियां बर्बाद कर दीं। इस पर सेठ जी ने लड़के से नाराज होकर कहा, 'तुमने माचिस की तीन तीलियां बर्बाद कर दीं, कितने लापरवाह हो।' यह कहकर सेठ जी जब अंदर गए तो मालवीय जी ने अपने मित्र की ओर देखा, मानो कह रहे हों कि इस सेठ से कुछ पाने की आशा मत करो क्योंकि यह तो इतना कंजूस है कि माचिस की तीन तीलियां नष्ट हो जाने पर लड़के को डांटता है। संकेत में मित्र ने मालवीय जी से सहमति जताई और दोनों बैठक से बाहर निकले। इतने में सेठ जी आ गए। वह चकित होकर बोले, 'अरे! आप चल क्यों दिए? बैठिए, काम तो बताइए।' मालवीय जी के मित्र ने आने का प्रयोजन बताया। सेठ जी ने पचीस हजार रुपये निकालकर रख दिए। मालवीय जी ने सेठ जी से कहा, 'अभी आपने लड़के को माचिस की तीलियां नष्ट होने की वजह से डांटा, जबकि उनका मूल्य नहीं के बराबर है। लेकिन हमें आपने तुरंत पचीस हजार रुपये दे दिए।' सेठ जी हंसकर बोले, 'लापरवाही से छोटी से छोटी वस्तु को भी नष्ट नहीं करना चाहिए। लेकिन किसी शुभ कार्य में हजारों रुपये सहर्ष दे देने चाहिए। दोनों बातें अपनी जगह ठीक हैं। इनमें कोई विरोध नहीं।'

सूडोकु नवताल- 7142

मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7141 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8357

1		2		3	4	■	5	6
	■		■	7		8	■	
9		■	10		■	11	12	
	■	13	■		■	■		■
14	15			■	16	17		18
■		■	■	19	■		■	
20		21	■	22		■	23	
	■	24	25		■	26	■	
27		■	28					

बाएँ से दाएँ

1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे

1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -8356 का हल

■	दा	न	व	■	अ	व	रो	ध
मा	न	■	ल	गा	म	■	ज	ड़
न	■	रा	य	■	र	वा	■	क
स	ला	ह	का	र	■	द	ह	न
■	य	■	र	■	प	■	ल	■
म	न	का	■	आ	तं	क	वा	द
द	■	म	य	■	ग	म	■	स्त
हो	श	■	शो	र	बा	■	ना	क
श	ह	जा	दा	■	जी	व	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत-पाक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर फैसला, विदेशी संस्थागत निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही प ?रिणामों से तय होगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते की उम्मीदों और एफआईआई के निरंतर प्रवाह की वजह से पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और शुल्क युद्ध के बीच कमजोर वैश्विक परिदृश्य के कारण निवेशक शेयरों पर बड़ा दांव नहीं लगा रहे हैं। इस सप्ताह घोषित होने वाले वृहद आर्थिक आंकड़ों में एचएसबीसी सेवा पीएमआई पर निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि कई वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों की वजह से यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा। निवेशकों की नजर शुल्क युद्ध और पाकिस्तान के साथ भू-राजनीतिक तनाव से संबंधित घटनाक्रमों पर रहेगी। वृहद आर्थिक मोर्चे पर निवेशक एचएसबीसी कंपोजिट पीएमआई और सेवा पीएमआई आंकड़ों पर नजर रखेंगे। वैश्विक मोर्चे पर, फेडरल रिजर्व के सात मई को घोषित होने वाले ब्याज दर के निर्णय पर सभी की नजर रहेगी। सप्ताह के

दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोल इंडिया, एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन सहित कई बड़ी कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर शुल्क और व्यापार से संबंधित घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर रहेगी। एक अन्य बाजार ?के ?विशेषज्ञ ने कहा, हालांकि, पहली तिमाही में अमेरिका की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि में आई गिरावट ने अनिश्चितता की एक परत जोड़ दी है। इस सप्ताह की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के दौरान ब्याज दर और मुद्रास्फीति पर फेडरल रिजर्व प्रमुख की टिप्पणियों पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। पिछले 12 कारोबारी सत्रों में एफआईआई लिवाल बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि एफआईआई रणनीति में इस बदलाव के पीछे दो प्रमुख कारक हैं। पहला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जवाबी शुल्क पर 90 दिन की रोक की घोषणा से वैश्विक बाजारों में सुधार हुआ है। कुल मिलाकर बाजार सकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ एक व्यापक दायरे में रहेगा। बाजार में शेयर-विशिष्ट गतिविधियों का असर देखने को मिलेगा। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव के कारण कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

एफपीआई ने अप्रैल में शेयर बाजार में 4,223 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में देश के शेयर बाजारों में 4,223 करोड़ रुपये का ?डाले हैं। अनुकूल वैश्विक संकेतकों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के बीच एफपीआई तीन माह बाद पहली बार शुद्ध लिवाल बने हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये निकाले थे। फरवरी में उन्होंने 34,574 करोड़ रुपये के और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि आगे चलकर एफपीआई प्रवाह स्थिर रह सकता है। बीते वित्त वर्ष में कंपनियों की आय में मामूली पांच प्रतिशत की वृद्धि एफपीआई के निवेश में बाधा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अप्रैल माह में शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इस तरह 2025 में एफपीआई की निकासी अब घटकर 1.12 लाख करोड़ रुपये रह गई है। भारतीय शेयर बाजारों में अप्रैल में एफपीआई गतिविधियों में तेज उछाल देखा गया। यह इस साल उनके अबतक के निकासी के रुख की तुलना में बड़ा बदलाव है। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा कि इस नए जोश को अनुकूल वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू बुनियाद ने सहारा दिया है, जिससे उनका भरोसा बढ़ा है। इस रुख की एक बड़ी वजह भारत-अमेरिका के बीच व्यापार करार की उम्मीद है इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में कमजोरी तथा भारतीय रुपये में मजबूती की वजह से भी एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा रहे हैं। साथ ही प्रमुख भारतीय कंपनियों के अच्छे तिमाही नतीजों से भी एफपीआई की धारणा में बदलाव आया है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 13,314 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 5,649 करोड़ रुपये निकाले हैं।

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में अचानक दर्ज की गई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। अप्रैल 2025 में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में अचानक बड़ी गिरावट देखी गई। कंपनी ने अप्रैल 2025 में महज 3,05,406 यूनिट मोटरसाइकिल की बिक्री की, जबकि एक साल पहले यानी अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 5,33,585 यूनिट था। इस दौरान सालाना आधार पर हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में 42.76प्रतिशत की गिरावट आई है। मासिक आधार पर भी कंपनी की बिक्री में 44.43प्रतिशत की गिरावट आई है। हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में इस गिरावट का मुख्य कारण मोटरसाइकिल और स्कूटर दोनों श्रेणियों में बिक्री में आई कमी है। अप्रैल 2025 में कंपनी ने कुल 2,86,089 यूनिट मोटरसाइकिल की बिक्री की, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 4,96,542 यूनिट था, जो कि 42.38प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

मार्ग पर रिटर्निंग वाल निर्माण के लिए खोदे गड्ढे में गिरा बोलेरो वाहन

मोटरसाइकिल सवार को बचाने के चलते हुई दुर्घटना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के पुराने रेंज आफिस से आगे पूर्वाटोला मार्ग पर हगड़बांध व चांदीबांध तालाब के बीच प्रधानमंत्री सड़क योजना से निर्मित मार्ग पर पुराने पुलिया की रिटर्निंग वॉल का निर्माण कार्य ठेकेदार विनय मिश्रा के द्वारा किया जा रहा है। यह मार्ग लगभग दर्जनों गांवों को जोड़ता है, जिसकी वजह से इस मार्ग पर भारी यातायात बना हुआ है। किन्तु ठेकेदार की लापरवाही के कारण व संकेतक बोर्ड एवं सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जाने के कारण एक बोलेरो वाहन यहां पलट गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि 3 मई की शाम 6ः00 बजे बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 50 बीसी 1186 जो कि लांजी की ओर से पूर्वाटोला की ओर जा रहा था वहीं पूर्वाटोला से लांजी की ओर आ रही मोटरसाइकिल को बचाने के चक्कर में बोलेरो वाहन पुलिया से नीचे पलट गई। इस दुर्घटना में वाहन चालक मोहित चौधरी मामूली चोटें आई तो वहीं वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि यह पुलिया की रिटर्निंग वाल का काम ठेकेदार के द्वारा लापरवाही पूर्वक किया जा रहा है। जिसके कारण यह दुर्घटना घटी है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ठेकेदार के द्वारा रोड के दोनों साइड जेसीबी से गड्ढा कर दिया गया है जिससे कि हम ग्रामीणों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने एसडीएम को बताया कि ठेकेदार के द्वारा कार्य शुरू करने के पूर्व किसी प्रकार का सूचक बोर्ड भी नहीं लगाया गया है जिससे यह पता नहीं चलता कि यहां निर्माण कार्य हो रहा है।

मौके पर पहुंचे एसडीम जल्द कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

घटना की जानकारी लगते ही लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में ठेकेदार की लापरवाही होना बताया। मौके की नजाकत को देखते हुए लांजी एसडीएम ने पीएमजेएसवाय के प्रबंधक से दूरभाष पर चर्चा कर हो रहे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए और उन्होंने कहा कि अगर ऐसी स्थिति में कोई घटना घटती है तो उसकी जवाबदारी उक्त निर्माण एजेंसी की होगी।

बिना मंडी टैक्स चुकाए कृषि उपज का अवैध परिवहन किए जाने पर की पांच गुने की कार्रवाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सचिव कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के मार्गदर्शन में 3 मई को कृषि उपज उपमंडी लांजी के सहायक उप निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, व नेलचंद बारबुदे के द्वारा डुडवा घाट में औचक निरीक्षण के दौरान एक पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 34 बीजी 1482 वाहन से बगैर अनुज्ञा पत्र के धान संतोष चोरनोले टेमनी से गिरोला महाराष्ट्र परिवहन हो

रहा था। जिसको रोककर पुछताछ किए जाने पर मौके पर वाहन के साथ मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं पाया गया, जिस पर नियमानुसार पांच गुना की कार्यवाही कर दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया जो निम्नानुसार हैं । धान 24.00 क्विंटल, दांडिक मंडी शुल्क 2760.00, निराश्रित शुल्क 552.00, प्रशमन राशि 3000.00 इस प्रकार कुल राशि 6312.00 वसूल कर सरकारी खजाने में जमा। ऐसी ही कार्यवाही बगैर अनुज्ञा पत्र के अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों पर जारी रहेगी। मंडी अधिकारियों ने व्यापारियों से अनुरोध किया है कि कोई भी व्यापारी बगैर अनुज्ञापत्र के अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन किसी भी स्थिति में ना करें।

सर्रा व बेलगांव में ब्लॉक रिसोर्स सेंटर कार्यालय का हुआ शुभारंभ

जैविक खेती के विषय मे विस्तार से दी जानकारी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दीनदयाल अंत्योदय योजना राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड लांजी अंतर्गत आईएफएससी परियोजना के तहत 3 मई शनिवार को ग्राम पंचायत सर्रा एवं ग्राम पंचायत बेलगांव में ब्लॉक रिसोर्स सेंटर कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम सर्रा सरपंच द्वारा फीता काट कर कार्यालय का शुभारभ किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रामीणों व समूह की दीदियों को महिलाओं को समूह मे जोड़ने की अपील की गई। इसी तरह ग्राम पंचायत बेलगांव में ग्राम पंचायत की पंच केशर मातरे, पुष्पलता परते, सूतकुंवर परते दीदीयों के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही संसाधन केंद्र के विषय मे विस्तृत से जानकारी प्रदाय की गई। विकास खंड प्रबंधक आजीविका मिशन लाँजी द्वारा जैविक खेती के विषय मे विस्तार से समझाया गया। उन्होंने बताया कि उत्पादों का उपयोग करके रासायनिक दवाओं से बचा जा सकता है। जैविक खेती एवं दवाओं से फसलो मे बीमारी कम होगी जिससे शुद्ध पैदावार अधिक होगी और कृषक बीमारियों से बचेंगे। कार्यक्रम में होलेश पाँचे, निर्भया संकुल स्तरीय संगठन से अध्यक्ष ममता दांदरे, सचिव अख्तरि शेख, कोषाध्यक्ष सुभद्रा कोठारे, पोषण सखी द्रौपदी धारणे, प्रधान संस्था से रुकमणि पाँचे एवं आईएफसी की सीआरपी एवं समस्त सीनियर सीआरपी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना अंतर्गत समूह से जुड़े सदस्य के द्वारा जैविक संसाधन को संचालित किया जाएगा। संसाधन केंद्र में उपलब्ध जैविक उत्पाद जैसे वर्मी कंपोस्ट, जीवामृत ब्रह्मास्त्र, वर्मी कंपोस्ट केंचुआ खाद गोबर की खाद जैसे विभिन्न जैविक खाद का निर्माण किया जाएगा। जिससे की आगामी समय में कीटनाशक दवाइयों से फसल मे किट् नही लगेंगे, नुकसान नही होगा और फसल की पैदावार बढ़ेगी। इस दौरान बताया कि आज कल रासायनिक खाद से मानव जीवन कष्ट्मय हो गया है। सब्जी और अन्न के माध्यम से जहर मानव शरीर मे प्रवेश कर रहा है। जिससे अनेक प्रकार की बीमारिया हो रही है। आईएफसी सीआरपी के साथ समूह सदस्यों द्वारा दवा बनाकर फसल में छिड़काव किया जाएगा और मानव व पशुओ को जहर मुक्त किया जाएगा।

पराली जलाने पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध हुई एफआईआर दर्ज

एसडीएम ने किसानों से की अपील न जलाएं पराली

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद अंतर्गत ग्राम काशीटोला में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धान की पराली को जलाये जाने की सूचना प्राप्त होने पर ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी एवं हल्का पटवारी लांजी के द्वारा घटनास्थल का समूल रूप से स्थल निरीक्षण किया गया जो आग लगाने वाले अज्ञात व्यक्ति के विरूध्द एफ.आई.आर. एवं कार्यवाहीं हेतु एक लिखित आवेदन थाना प्रभारी के नाम से दिया गया। जिसमें ग्राम काशीटोला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 19/60 पर पराली जलाकर कलेक्टर बालाघाट के आदेश का उल्लंघन किया गया है। जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। शासन के निर्देशानुसार किसी भी कास्तकार द्वारा खेत मे पराली जलाने पर रोक है। उसी संबंध में सेटेलाईट द्वारा प्राप्त लोकेशन अनुसार ग्राम कांशीटोला पढ़त 19/60 रा.वि.म. एवं तह. लांजी अंतर्गत खेत मे पराली जलाये जाने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके फलस्वरूप कलेक्टर बालाघाट के आदेशानुसार हल्का पटवारी लांजी एवं कृषि विस्तार अधिकारी लांजी द्वारा समूल रूप से स्थल निरीक्षण किया गया। स्थल निरीक्षण मे पाया गया कि रकबा 10/6/, 10/16 रकबा क्रमाश: 0.991, 0.688 है भूमि जो कि कृषक सुशीला बाई पति देवसिंह जाति गोंड निवासी कांशीटोला के नाम पर दर्ज है। जिसमे से रकबा 10/6, 10/16 मे से रकबा 0.514 है। सरस्वती बाई पति पंचम जाति गोंड निवासी लांजी को बिक्री की गई है। किंतु नामांतरण नही होने से विक्रेता सुशीला बाई के नाम पर ही दर्ज है। सरस्वती बाई द्वारा जिस भूमि को क्रय की गई है उसे अधियादार कृष्णा सातपुते पिता तुलसीराम जाति तेली निवासी सुन्दरटोला लांजी द्वारा कमाया जाता है। मौका स्थल पर निरीक्षण के दौरान सरस्वती बाई एवं उसके अधियादार कृष्णा सातपुते उपस्थित हुए। जिनसे पूछताछ की गई, कृष्णा सातपुते द्वारा बताया गया कि नवम्बर 2024 में धान फसल लगाये जाने के बाद रबी की फसल नही लगाई गई है। खेत मे खरीफ फसल धान का पैरा रखा हुआ था। जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वार आग लगाकर जलाई गई है मुझे पता नही है। मुझे मौकास्थल पर बुलाया गया, जहां पहुंचने पर देखा कि खेत में रखी पैरा, मेढ़ की सुखी घास एवं सुखे पत्ते किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जलाये जाने की खबर प्राप्त हुई है। उक्त घटना से किसी प्रकार की पशु हानि एवं जन हानि नही हुई है। बहरहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरूध्द अपराध धारा 223 बी.एन.एस. का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्द कर विवेचना मे लिया गया।

इनका कहना है

किसान भाई खेतों में पराली अथवा नरवाही न जलाएं। इससे खेतों की उर्वरा क्षमता कम होती है। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। पराली जलाने पर दण्डात्मक कार्यवाही का प्रावधान है।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम

वित्तीय संकट में डूबे सहकारी बैंक : आर्थिक गड़बड़ी करने वालों पर नहीं हुई कार्रवाई

भोपाल। मप्र के सहकारी बैंकों की हालत इतनी बदतर हो चुकी है कि जमाकर्ता अपनी ही जमा पूंजी के लिए तरस रहे हैं। उधर, सहकारी बैंकों में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ न जांच पूरी हो पाई है और न ही दोषियों पर कार्रवाई। इसका परिणाम यह हो रहा है कि प्रदेश के अधिकांश सहकारी बैंक वित्तीय संकट में डूबे हुए हैं। 4,539 हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में से लगभग आधी घाटे में हैं। 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में से नौ की स्थिति यह है कि वे सदस्यों को ऋण तक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। बैंकों में कई सौ करोड़ रुपये के घोटाले हो गए लेकिन न जांच पूरी हुई और न ही दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई अब तक हुई। दूसरी ओर उपभोक्ता परेशान हैं, उनकी जमा पूंजी ही उन्हें नहीं मिल पा रही है। गौरतलब है कि किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण और रोजगार के अवसर ज्यादा से ज्यादा उपलब्ध कराने के लिए मोदी सरकार ने सहकार को मंत्र बनाया है। सहकारिता मंत्रालय बनाकर इसकी कमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपी गई, लेकिन मप्र में सहकारिता के बुरे हाल हैं। मंत्री सहकारिता विभाग विश्वास सारंग का कहना है कि किसी भी तरह का घोटाला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अलग-अलग बैंकों को इस संबंध में नोटिस दिए गए हैं। इस तरह के घोटाले न हों यह सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा, ऐसे घोटालेबाजों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां घाटे में

प्रदेश में सहकारिता की बदहाली के आलम यह है कि 4,539 हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में से लगभग आधी घाटे में हैं। 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में से नौ की स्थिति यह है कि वे सदस्यों को ऋण तक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। बैंकों में कई सौ करोड़ रुपये के घोटाले हो गए लेकिन न जांच पूरी हुई और न ही दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई अब तक हुई। दूसरी ओर उपभोक्ता परेशान हैं, उनकी जमा पूंजी ही उन्हें नहीं मिल पा रही है। इसे शिवपुरी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में हुए 100 करोड़ रुपये के घोटाले से ही समझा जा सकता है। इसमें 13 नामजद आरोपित हैं, लेकिन इन पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई। समिति प्रबंधन वित्तीय संकट में डूबे सहकारी बैंक की राशि डकार गए। अब स्थिति यह है कि बैंक के पास उसके उपभोक्ताओं को लौटाने के लिए रुपये नहीं हैं। जिले की दर्जनों समितियों ने खाद आदि की राशि ही बैंक में जमा नहीं की है। प्रदेश में शिवपुरी जिले के अलावा सतना, दतिया, झाबुआ, सीधी में ट्रैक्टर घोटाला एवं होशंगाबाद में ऋण वितरण में गड़बड़ी सहित कई मामले उजागर हो चुके हैं। इससे अब सहकारी संस्थाएं कंगाल हीने लगी हैं - और उनकी निर्भरता सरकार के ऊपर बढ़ गई है। दतिया जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखाओं में भी करोड़ों रुपये की गड़बड़ी सामने आ चुकी है। कार्रवाई करने के आश्वासन दिए गए पर कोई परिणाम नहीं निकला। शिवपुरी में डीएमओ से खाद लेकर किसानों को बेच दिया, लेकिन इसका पैसा डीएमओ के खाते में जमा नहीं करवाया। भुगतान के संबंध में जिला सहकारी बैंक की ओर से समिति प्रबंधकों को कई नोटिस जारी किए, लेकिन भुगतान नहीं किया गया।

तरह-तरह से किए घोटाले

सहकारी बैंकों में तरह-तरह से घोटाले किए गए हैं। सतना केंद्रीय सहकारी बैंक में किसानों के नाम पर छह करोड़ के फर्जी लोन घोटाले की जांच भी लंबित है। सहकारी समिति देवरी चुरहटा में वर्ष 2015 में समिति प्रबंधक, समिति अध्यक्ष, केंद्रीय बैंक के प्रबंधक और पर्यवेक्षक ने सांठगांठ कर 603 किसानों के नाम से फर्जी कर्ज स्वीकृत किया और फिर यह राशि निकाल ली। समिति ने छह करोड़ की बंदरबांट की। कर्ज की राशि 2016 में जमा पहीं होने के कारण बैंक ने किसानों के नाम ऋण वसूली के नोटिस जारी किए थे। किसानों ने इसकी शिकायत जिला प्रशासन से भी की। वहीं ऋण माफी योजना के नाम पर झाबुआ जिले की थांदला आदिम जाति सोसाइटी में डेढ़ करोड़ का घोटाला उजागर हुआ। तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया। जांच में पाया गया कि किसानों के फर्जी नाम से दो करोड़ 40 लाख रुपये की ऋण माफी बताते हुए शासन से अधिक पैसे मांगे गए हैं। इस मांग के विरुद्ध एक करोड़ 47 लाख रुपये मिल गए। जिला सहकारी बैंक सीधी ने 1100 ट्रैक्टर फाइनेंस किए। सामान्यतः प्रदेश में इतने ट्रैक्टर फाइनेंस नहीं होते हैं। घपले का अंदेशा लगने पर पड़ताल कराई तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। यहां फाइनेंस किए गए करीब 114 ट्रैक्टर किसी और के नाम पर पंजीकृत निकले। मोपेड सहित अन्य वाहनों के नंबर भी पाए गए। 167 कर्मचारियों की भर्ती में भी फर्जीवाड़ा हुआ। रीवा जिला सहकारी बैंक की डाभौरा शाखा में 16 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला हुआ। प्रबंधक रामकृष्ण मिश्रा ने कई खातों में राशि की बंदरबांट करते हुए अपनों के खातों में राशि ट्रांसफर कर दी। इसके साथ ही आंतरिक अंकेक्षण में साढ़े छह करोड़ रुपये की गड़बड़ी और पकड़ी गई। मामले में एफआइआर दर्ज कर सीआइडी से जांच करानी पड़ी।

करोड़ों का फर्जी ऋण बांट दिया

सहकारी बैंकों में फर्जीवाड़ा का आलम यह है कि करोड़ों रूपए के फर्जी ऋण बांट दिए गए। जिला सहकारी बैंक मंदसौर में लगभग 12 करोड़ रुपये का फर्जी ऋण बांटने का मामला आया। इसमें पात्रता नहीं होने पर भी बैंक अध्यक्ष ने परिजन के नाम पर ऋण ले लिया। नीमच, जीरन व सावन के वेयरहाउस की फर्जी पर्चियों पर यह कर्ज दिया गया। जबकि वेयर हाउस में अनाज रखा ही नहीं गया था। जिन शाखाओं से यह कर्ज दिया गया, उन्हें इसकी पात्रता ही नहीं थी। हालांकि जब बवाल मचा तो बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष ने राशि ब्याज सहित जमा कर दी। जिला सहकारी बैंक ग्वालियर के क्षेत्राधिकार में आने वाली समितियों ने करोड़ों रुपये के फर्जी ऋण बांट दिए। करीब 30 करोड़ रुपये की आर्थिक अनियमितता की जांच ईओडब्ल्यू कर रहा है, लेकिन इसका मूल रिकार्ड ही नहीं मिल रहा है। शहडोल जिला सहकारी बैंक की अनूपपुर और कोतमा शाखा में करोड़ों रुपये का खेल हुआ। यहां बैंक के तत्कालीन मैनेजर राजेंद्र तिवारी ने 32 लाख रुपये अपने बेटे अनिल तिवारी के खाते में ट्रांसफर कर दिप। बेटा बैंक में ही कंप्यूटर आपरेटर था। दामाद सुबोध तिवारी के खाते में 87 हजार रुपये डाले और एक ट्रैक्टर सुनील तिवारी के नाम से खरीद लिया।

पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग को लेकर कर्मचारी मंच ने पोस्टकार्ड आंदोलन शुरू किया

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ देने के आदेश शासन से प्रसारित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड आंदोलन शुरू किया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि पिछले 9 साल से मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिस कारण पिछले 9 साल में डेढ़ लाख कर्मचारी बिना पदोन्नति के लाभ के सेवानिवृत हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने माह अप्रैल में घोषणा करी थी कि शीघ्र ही पदोन्नति का लाभ देने के आदेश प्रसारित किए जाएंगे, लेकिन एक माह का समय निकल गया और सरकार ने पदोन्नति का लाभ कर्मचारियों को देने के आदेश प्रसारित नहीं किए हैं। इस कारण प्रदेश के साढे सात लाख कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ न देने के आदेश सुप्रीम कोर्ट हाई कोर्ट एवं सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी नहीं किए हैं। फिर भी 9 साल से अघोषित पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगी है मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने प्रदेश के 55 जिलों से मुख्यमंत्री के नाम पदोन्नति का लाभ प्रदेश के कर्मचारियों को देने के आदेश प्रसारित करने की मांग का लिखा हुआ पोस्टकार्ड लिखना शुरू कर दिया है। यह अभियान 30 मई 2025 तब चलाया जाएगा पोस्टकार्ड आंदोलन के तहत मुख्यमंत्री के नाम 1 लाख पोस्टकार्ड भेजे जाएंगे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्तियों के साथ रीवा में किया न्यायालय भवन का लोकार्पण, कहा

नए कानूनों से न्यायालयीन प्रणाली और लोकतंत्र हुआ है समृद्ध

न्याय पाना सबका अधिकार, इसकी सहज उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का कानूनी अधिकार है। वादी को समय पर न्याय दिलाना ही सम्पूर्ण न्याय प्रणाली का एकमात्र लक्ष्य है। न्याय पाने के अधिकार की सुरक्षा करते हुए हमारी सरकार प्रदेश के हर नागरिक को सहज और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय पर न्याय दिलाना एक समाजिक सूत्र है, जिसे हम सभी को अपने-अपने दायरे में पूरी शिद्दत से निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रियासत काल से ही रीवा क्षेत्र न्याय व्यवस्था की दृष्टि से हमेशा अग्रणी रहा है। इस दिशा में रीवा में आज एक और नए युग का सूत्रपात हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रीवा में नवनिर्मित जिला न्यायालय कॉम्पलेक्स के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस नवनिर्मित भवन को न्याय का मंदिर बताते हुए विश्वास जताया कि इस भवन में आने वाला हर व्यक्ति सहज, सुलभ और पूर्ण न्याय प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में सम्राट विक्रमादित्य ने ही देश में एक सशक्त न्याय प्रणाली की आधारशिला रखी थी और आज भी उनकी वही समृद्ध परम्परा निर्बाध गति से प्रवाहमान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले डेढ़-दो सालों में ही न्यायालयीन व्यवस्था की बेहतरी के लिए प्रदेश में 30 से अधिक छोटे-बड़े न्यायालय भवनों का लोकार्पण किया गया है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

अब न्याय की देवी की काली पट्टी खोल दी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार न्याय पाने के इच्छुक हर व्यक्ति के लिए जिला न्यायालय में एक सकारात्मक वातावरण तैयार करने तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यायिक प्रणाली को अधिक कारगर बनाने के लिए नये कानून बनाए। उन्होंने उच्चतम न्यायालय द्वारा बीते कुछ सालों में दिए गए प्रमुख निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि इन निर्णयों से सबके दिलों में देश की न्याय व्यवस्था के प्रति श्रद्धा और बढ़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश की न्यायपालिका ने एक अहम निर्णय लेते हुए अब न्याय की देवी की काली पट्टी खोल दी है, ताकि न्याय की देवी खुली आंखों से सबको न्याय दे सके, यह एक अभूतपूर्व पहल है। न्यायशीलता और न्यायप्रणाली के प्रति अगाध श्रद्धा हम भारतीयों की पहचान है। खुद के साथ-साथ दूसरों के अधिकारों की संरक्षा भी संस्कृति है। इस संस्कृति को हम सबको मिलकर और आगे लेकर जाना है। उन्होंने सर्वसुविधायुक्त नये न्यायालय भवन के लिए रीवावासियों को बधाई देते हुए कहा कि सबके अधिकारों और हितों की रक्षा में यह भवन न्याय के प्रति आस्था का केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा में न्याय की गौरवशाली परंपरा रही है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास के 11 वर्ष रीवा राज्य के चित्रकूट में बिताकर इस धरती को धन्य किया है। उनकी प्रेरणा से ही राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने का बल मिला है।

मप्र सरकार सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। सरकार के सक्रिय सहयोग से 30 नवीन न्यायालय भवनों की सौगात मिली है। रीवा के नवीन न्यायालय भवन में न्यायालयीन प्रणाली से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी। नवीन भवन में मानवीय मूल्यों की स्थापना हो और कारगर न्यायप्रणाली से निष्पक्ष न्याय मिले। देश की प्रगति के लिए मजबूत न्याय प्रणाली का होना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जेके माहेश्वरी ने कहा कि रीवा में राजा विश्वनाथ सिंह ने वर्षों पहले दो न्यायालयों का गठन किया था। मेताक्षरा न्यायालय में हिन्दू धर्म की परंपराओं के अनुसार तथा धर्मसभा में धार्मिक आधार पर न्याय किया जाता था। नवीन न्यायालय भवन बघेली स्थापत्य और आधुनिकता का अनूठा संगम है। इस भवन में जब करूणा, विवेक और न्याय होगा तभी इसकी आत्मा जागृत होगी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सतीश चन्द्र शर्मा ने कहा कि रीवा में विधि का इतिहास बहुत महत्वपूर्ण है। इसी माटी से निकलकर श्री जी.पी. सिंह हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तथा जस्टिस जे.एस. वर्मा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। यहाँ के कई जज और अधिवक्ता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रहे हैं। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से प्रदेश को 30 नये भवन मिले हैं। रीवा के भव्य न्यायालय भवन में 40 कोर्ट और 750 वकीलों के बैठने की व्यवस्था है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में प्रकरण अधिक हैं लेकिन जजों की संख्या कम है। प्रकरणों के निराकरण के लिए हाईकोर्ट में 32 नये जजों की नियुक्ति की जाना आवश्यक है।

जिला न्यायालय भवन की सौगात खुशी और गौरव लेकर आई

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा के लिए नवीन जिला न्यायालय भवन की सौगात खुशी और गौरव लेकर आई है। रीवा ही नहीं पूरा विन्ध्य तेजी से विकास कर रहा है। यहां 40 मिलियन टन सीमेंट और 15 हजार मेगावाट बिजली के उत्पादन सहित अत्यधिक मात्रा में कोयले का भी उत्पादन होता है। विन्ध्य में रेलवे लाइन, फोरलेन सडकों और एयरपोर्ट निर्माण के साथ हर क्षेत्र में विकास में तेजी आई है। न्यायालय के नवीन भवन के लोकार्पण में मुख्यमंत्री और न्यायाधीशगणों ने शामिल होकर हमारा गौरव बढ़ा दिया है। हमारी न्याय प्रणाली सुदृढ़ होगी तो हमारा लोकतंत्र भी मजबूत बनेगा।

छोटा भीम रोकेगा रेल हादसे - पार्टनर बन कदम से कदम मिलाकर चलेगा रेलवे संग

भोपाल। रेल दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जहां एक तरफ रेलवे प्रशासन बुनियादी संरचनाओं में सुधार कर रहा है, वहीं रेल यात्रियों को हादसों से बचाने के लिए जागरुकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। लेकिन इसका खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। ऐसे में रेलवे प्रशासन ने अब रेल दुर्घटनाएं रोकने के लिए छोटा भीम को अपना नया साथी बनाया है। अब रेलवे के साथ मिलकर छोटा भीम भी रेल हादसों को रोकने में मदद करेगा। इस पहल के अंतर्गत देश के लोकप्रिय एनिमेटेड पात्र छोटा भीम को रेलवे सुरक्षा संदेशों के प्रचार के लिए शामिल किया गया है।

बता दें कि, छोटा भीम का प्रमोटर प्रसिद्ध एनीमेशन स्टूडियो ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्रालि है। इसके सीईओ एवं प्रबंध निदेशक राजीव चिलकलापुडी द्वारा छोटा भीम ब्रांड की ओर से इस सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह करार हाल ही में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट में सम्पन्न हुआ। इस समझौते के तहत अब रेलवे के विभिन्न सुरक्षा अभियानों में छोटा भीम और उसके साथी पात्रों का उपयोग किया जाएगा।

वैश्विक स्तर पर छोटा भीम की लोकप्रियता

भोपाल रेल मंडल के डीसीएम नवल अग्रवाल ने बताया कि आगामी एक वर्ष की अवधि में छोटा भीम एवं उसके पात्रों को प्रिंट, डिजिटल, टेलीविजन, रेडियो, पोस्टर, स्कूल कार्यक्रमों और अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए रेलवे सुरक्षा के संदेश प्रसारित करने हेतु इस्तेमाल किया जाएगा। इस सहयोग का उद्देश्य विशेष रूप से बच्चों और परिवारों के बीच रेलवे परिसर में सुरक्षित और जिम्मेदार व्यवहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अग्रवाल ने बताया कि यह देखा गया है कि छोटा भीम की लोकप्रियता न केवल देशभर में बल्कि वैश्विक स्तर पर बच्चों में अत्यधिक है, और इस वजह से यह अभियान जनसंचार के दृष्टिकोण से अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से रेलवे सुरक्षा शिक्षा को न केवल रोचक बनाया जा सकेगा, बल्कि छोटे बच्चों को भी इसे सहज रूप से समझाया जा सकेगा।

एमपी में बन रहे मॉडर्न वैक्सीनेशन सेंटर

- ऑनलाइन मिलेगा अपॉइंटमेंट, भोपाल समेत आठ जिलों में होगी शुरुआत

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए निजी अस्पतालों की तरह मॉडर्न वैक्सीनेशन सेंटर तैयार कर रहा है। प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत 8 शहरों के सरकारी अस्पतालों में चार माह के भीतर आधुनिक वैक्सीनेशन सेंटर बनकर तैयार हो जाएंगे। इन सेंटरों में वैक्सीनेशन के लिए आने वाले बच्चों को घर नुमा माहौल प्रदान किया जाएगा। यहां बच्चों को खेलने के लिए खिलौनों साथ परिजनों के मनोरंजन की सुविधा भी होगी। खास बात यह है कि इन सेंटरों में वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी मिलेगा।

केंद्र सरकार से मिला बजट

जानकारी के लिए बता दें कि मध्य प्रदेश के आठ शहरों में 26 मॉडर्न वैक्सीनेशन सेंटर बनाने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय बजट दे रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कई बार वैक्सीनेशन केंद्रो में सुविधा नहीं होने की वजह से लोग अपने बच्चों को वैक्सीनेशन करने निजी अस्पतालों में ले जाते हैं। आधुनिक वैक्सीनेशन सेंटर बनने से टीकाकरण की संख्या बढ़ेगी। मॉडर्न सेंटर में शून्य से 18 साल के बच्चों के साथ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी होगा। गौरतलब है कि प्रदेश में सप्ताह में दो बार बच्चों के वैक्सीनेशन के 12 हजार सेशन होते हैं। हर सेशन में करीब 50 हजार बच्चों का टीका लगाया जाता है।

प्रदेश के आठ शहरों में बन रहे इतने सेंटर

भोपाल- 4, उज्जैन- 4,ग्वालियर- 4,जबलपुर-4 ,इंदौर- 4, सागर- 2, रीवा- 4, छिंदवाड़ा- 1 सेंटर होंगे। राजधानी भोपाल के जयप्रकाश जिला (जेपी) अस्पताल, सिविल अस्पताल, गांधीनगर, सिविल अस्पताल, बैरागढ़ और कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में सेंटर बनाया जाएगा।

चार महीने के अंदर शुरू हो जाएंगे सभी 26 सेंटर

एनएचएम की एमडी डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि मॉडर्न वैक्सीनेशन सेंटर बनाने का काम तेजी पर है। एक दो सेंटर बनकर तैयार भी हो गए हैं।

जबलपुर में कांग्रेस का अधिवेशन, राहुल आएंगे

भोपाल। मप्र कांग्रेस कमेटी का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन 9 और 10 अगस्त को महाकौशल के जबलपुर में होगा। इसमें राहुल गांधी शामिल होंगे। इस अधिवेशन में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और मप्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होगी। इस अधिवेशन से दो महीने पहले, यानी 16 और 17 मई को पचमढ़ी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण होगा। इसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सीएम कमलनाथ, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे। यहां समस्त प्रांत पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों का प्रशिक्षण होगा। 5 मई से प्रत्येक जिले में सम्मेलन शुरू किए जा रहे हैं। पटवारी मालवा के उज्जैन, नीमच, मंदसौर समेत 8 जिलों में जाएंगे। इन सम्मेलनों को संविधान बचाओ रैली नाम दिया गया है, जो 10 मई तक चलेगी। 11 से 17 मई तक विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां होंगी और 20 मई से 30 मई तक घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा।

27 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई में आगे आए ओबीसी

भोपाल। राजधानी भोपाल में हाल ही में अपना दल (एस) द्वारा प्रदेश में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को फिर से दोहराया गया। बैठक में उपस्थित अपना दल (एस) के राष्ट्रीय महासचिव (युवा मंच) डॉ. अखिलेश पटेल ने प्रदेश सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि ओबीसी के हक को अनदेखा करना सामाजिक समरसता के लिए ठीक नहीं होगा। डॉ. पटेल ने स्पष्ट किया कि अपना दल (एस) इस मुद्दे को राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में तब तक उठता रहेगा जब तक इस मांग को पूरा नहीं किया जाता। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में अपना दल (एस) के माध्यम से ओबीसी समुदाय अपने अधिकारों की लड़ाई में अब और मजबूती से सामने आ रहा है।

डॉ. पटेल ने ओबीसी वर्ग के हक़ को अनसुना किए जाने को चिंता व चिंतन का विषय बताते हुए प्रदेश की उन तमाम सरकारों पर सवाल उठाए, जिन्होंने पिछले 70 वर्षों में ओबीसी आरक्षण को पूर्ण रूप से लागू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि एमपी के गठन के बाद से विभिन्न सरकारें सत्ता में आईं, लेकिन ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण का यह महत्वपूर्ण मुद्दा हमेशा हाशिए पर रहा। उन्होंने कहा कि यह न केवल चिंता का विषय है, बल्कि गहन चिंतन की भी आवश्यकता है कि आखिर क्यों इतने वर्षों बाद भी ओबीसी वर्ग को उनका संवैधानिक हक नहीं मिल पा रहा। उन्होंने प्रश्न करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में ओबीसी समुदाय की आबादी करीब 52 प्रतिशत है, फिर भी सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में देरी क्यों हो रही है। डॉ. पटेल ने यह भी बताया कि अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल भी इस मुद्दे को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ लगातार संवाद कर रही हैं। इस अवसर पर डॉ. पटेल ने निजी क्षेत्र की नौकरियों, खासकर चौथी श्रेणी की नौकरियों में भी 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग के नाम पर इन नौकरियों में आरक्षण नियमों की अनदेखी हो रही है, जो ओबीसी वर्ग के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से अपील की कि इस दिशा में ठोस नीति बनाई जाए ताकि ओबीसी युवाओं को रोजगार के समान अवसर मिल सकें।

60 हजार से अधिक कर्मचारियों का होगा तबादला

- कमजोर परफॉर्मेंस वालों को सबसे पहले हटाया जाएगा

भोपाल। मप्र की डॉ. मोहन कैबिनेट की मंजूरी के चार दिन बाद ट्रांसफर पॉलिसी जारी कर दी गई है। इसके तहत 60 हजार से अधिक कर्मचारियों के तबादले होंगे। कमजोर परफॉर्मेंस वालों को सबसे पहले हटाया जाएगा। वहीं सभी तरह के अटैचमेंट खत्म होंगे। मोहन कैबिनेट की मंजूरी मिलने के चार दिन बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने ट्रांसफर पॉलिसी जारी कर दी है। तबादला नीति के तहत प्रदेश के 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारियों में 10 फीसदी के ट्रांसफर होने तय है। बताया जा रहा है कि 60 हजार से ज्यादा कर्मचारियों इधर से उधर होंगे।

विभाग अपने लिए अलग से तबादला नीति बनाकर जीएडी के प्रावधानों का पालन करेंगे। जिले के कर्मचारी, राज्य के तृतीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का जिले के भीतर तबादला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद होगा। डीएसपी से नीचे रैंक के कर्मचारियों का ट्रांसफर पुलिस स्थापना बोर्ड के आधार पर होगा। पुलिस अधीक्षक प्रभारी मंत्री के परामर्श के बाद पद स्थापना करेंगे। वहीं कमजोर परफॉर्मेंस वालों को सबसे पहले हटाया जाएगा। साथ ही सभी तरह के अटैचमेंट खत्म होंगे। तबादला नीति 1 अप्रैल 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में जिन अधिकारियों और कर्मचारियों का पहले ही ट्रांसफर हो चुका है, उन्हें दोबारा नहीं बदला जाएगा। किसी विशेष स्थिति में मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद ही अपवाद स्वरूप ट्रांसफर हो सकेगा। 29 अप्रैल को मोहन कैबिनेट ने इस नीति को मंजूरी दी थी, लेकिन जीएडी आदेश जारी नहीं कर सका था।

विभाग बना सकेंगे अपनी अलग नीति

यदि कोई विभाग अपनी अलग तबादला नीति बनाना चाहता है, तो बना सकता है, लेकिन उसमें सामान्य प्रशासन विभाग की शर्तों का पालन अनिवार्य होगा। नीति से इतर किए जाने वाले किसी भी तबादले के लिए मुख्यमंत्री की अनुमति आवश्यक होगी। f

भोपाल-इंदौर, खंडवा-देवास में ओले गिरे -45 जिलों में बारिश का अलर्ट

भोपाल। मप्रमें आंधी-बारिश और ओले गिरने का दौर जारी है। रविवार को भोपाल, इंदौर, देवास और खंडवा में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। इंदौर में गरज-चमक और तेज हवा के साथ शाम 5 बजे से तेज बारिश हो रही है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन के अलावा दो टर्फ भी गुजर रही है। इस वजह से मौसम बदला हुआ है। अगले चार दिन यानी, 7 मई तक प्रदेश में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है।

वहीं दूसरी ओर किसानों के माथे पर बल आ गया है। इस बीच राजधानी समेत 45 जिलों में आंधी-बारिश समेत ओले गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, 7 मई तक प्रदेश में तेज आंधी के साथ बारिश होगी। आज भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर सहित 45 जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। बताया जा रहा है कि 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन के साथ दो टर्फ लाइन भी गुजर रही है। इस कारण 7 मई तक मौसम बदला सा रहेगा।

सख्ती ऐसी कि नाक की लौंग तक निकालनी पड़ी

राजधानी में 33 केंद्रों पर हुई नीट परीक्षा, दो घंटे पहले सेंटर पहुंचे परीक्षार्थी

भोपाल। राजधानी में रविवार को नीट परीक्षा हुई। 33 केंद्रों पर परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस दौरान परीक्षार्थी दो घंटे पहले ही परीक्षा केन्द्र पर पहुंच गए थे। यहां दो घंटे पहले ही सेंटर में एन्ट्री शुरू कर दी गई थी। परीक्षा केन्द्र के गेट पर अभ्यर्थियों को कड़ी चेकिंग से गुजरना पड़ा। गेट पर ही घड़ी, मोबाइल, बैग, पानी की बोतल, जूते उतरवा लिए गए थे। लड़कियों से झुमके तक उतरवा लिए थे। हाथ में पहने कलावा भी खुलवा लिया गया था। इतना ही नहीं लडकों को हाफ टी-शर्ट व चप्पल में ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया है। जो परीक्षार्थी जूते पहने हुए थे उनसे बाहर जूते उतरवा लिए थे। 2 बजे परीक्षा शुरू हुई जो शाम को 5 बजे तक चली।

परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए परीक्षा केन्द्र के बाहर कड़ी सुरक्षा लगाई गई है। परीक्षा केन्द्र में पहुंचने का समय दो घंटे पहले रखा गया था, जिससे आसानी से चेकिंग कर परीक्षार्थियों को अंदर प्रवेश दिया जा सके। भोपाल की बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। यूनिवर्सिटी में परीक्षार्थियों के परिजनों को परीक्षा केंद्र से 100 मीटर पहले ही रोक दिया गया है। परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में सिर्फ पेन-पेंसिल, एडमिट कार्ड, आइडेंटी कार्ड और पानी की बॉटल ले जाने की अनुमति थी। वहीं प्रबंधन ने परीक्षार्थियों के बैग भी परीक्षा केंद्र से 100 मीटर दूर रखवा दिए हैं। यह परीक्षा ऑफलाइन मोड (पेन-पेपर आधारित) में हुई।

बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी परीक्षा केंद्र पर वेरिफिकेशन काउंटर नहीं लगने से परीक्षार्थी परेशान होते रहे। परिजनों का कहना है कि इस बार वेरिफिकेशन काउंटर नहीं लगाया गया है। परिजनों को भी केंद्र से 100 मीटर पहले ही रोक दिया गया है। ऐसे में बच्चों को कोई भी समस्या आने पर बार-बार धूप में हम तक आना-जाना करना पड़ा।

भूमिधारक को फार्मर आईडी और ईकेवायसी जरूरी

अब अधिकारी-नेता या आम जनता सम्पत्ति की जानकारी नहीं छुपा सकेंगे

भोपाल (ईएमएस)। शासन की पहल से अब अधिकारी और नेता भी संपत्ति नहीं छुपा सकेंगे। ग्रामीण क्षेत्र में छोटी से छोटी भूमि के स्वामी के लिए भी अब फॉर्मर आईडी और ई-केवाईसी आवश्यक हो गई है। शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चाहे वह कोई अधिकारी हो या कर्मचारी नेता या जनप्रतिनिधि सभी को आईडी बनाना आवश्यक है।

नेता, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी के पास कितनी संपत्ति है, यह भी अब 1 क्लिक पर सामने आ जाएगा। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत डिजिटल पब्लिक इन्फास्ट्रक्चर बनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री, डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण आदि कार्य किए जा रहे हैं। फार्मर रजिस्ट्री की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने हेतु शिविर के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। प्रधानमंत्री किसान योजना के लिए शुरू की गई फार्मर रजिस्ट्री और ई-केवाईसी में सिर्फ किसानों की आईडी बनाने के निर्देश थे। भारत सरकार द्वारा किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अभिनव पहल की गई थी, जिसके अंतर्गत सम्मान निधि पाने वाले किसानों का डाटा इकट्ठा कर योजना में प्रत्येक कृषक भूमिस्वामी को एक यूनिक आईडी केंद्र सरकार द्वारा जनरेट कर दी जा रही है, जिससे उन्हें आसानी से केसीसी ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हो सके और हितग्राहीमूलक योजनाओं हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से सत्यापन की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ फार्मर आईडी जनरेट करने के बाद ही प्राप्त होगा। केंद्र सरकार ने इसमें सुधार करते हुए नए निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसके अनुसार अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को भले ही योजना का लाभ नहीं दिया जाए, किंतु उनके लिए भी फॉर्मर आईडी और ई-केवाईसी आवश्यक कर दी गई है। आयुक्त भू अभिलेख अनुभव श्रीवास्तव द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार फार्मर रजिस्ट्री के तहत प्रगति को बढाने और इस कार्य के प्रचार-प्रसार हेतु केंद्र सरकार ने सभी कृषि भूधारी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की फार्मर आईडी तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अंतर्गत कृषि भूधारी केन्द्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, संसद सदस्य, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य, ग्राम पंचायत सदस्य आदि की फॉर्मर आईडी तैयार की जाना है। ऐसा करते समय जनप्रतिनिधियों को इस कार्यक्रम के महत्व और लाभ के संबंध में अवगत भी कराया जाना है। सभी भूधारी कृषकों की फार्मर आईडी जनरेट करने की कार्यवाही जून माह तक पूर्ण करना आवश्यक है। शासन द्वारा निर्देश मिलने के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने 70 प्रतिशत से कम फार्मर रजिस्ट्री का टारगेट पूरे करने वाले पटवारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी करने की तैयारी कर ली है । उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 70 प्रतिशत का टारगेट पूरा कर लिया है, लेकिन अब भी कई क्षेत्रों में फार्मर रजिस्ट्री बनाने में पटवारी की लापरवाही सामने आ रही है।

सनराइजर्स पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

हैदराबाद। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। कैपिटल्स को पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जिससे उसके विजय अभियान को झटका लगा था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी 10 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स की टीम नौवें स्थान पर है, ऐसे में इस मैच में दिल्ली का पलड़ा भारी नजर आता है।

इस मैच में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल का खेलना संदिग्ध है। अक्षर को पिछले मैच में केकेआर के खिलाफ बाएं हाथ में चोट लग गयी थी। थे। अक्षर ने पिछले मैच में 23 गेंद में 43 रन बनाये थे। ऐसे में अक्षर इस मैच में नहीं खेलते या मैच में उनकी भूमिका सीमित होती है तो इससे टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। टीम को अपने पिछले दो मैच में घरेलू मैदान पर केकेआर और

आरसीबी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की टीम अपने पिछले पांच में से तीन मुकाबले हारी है ऐसे में उसके लिए इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना जरुरी है।

उनके लिए राहत की बात ये है कि अनुभी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी फॉर्म में आ गये हैं। टीम की बल्लेबाजी के आधार के एल राहुल रहेंगे। राहुल ने अब तक नौ मैच में 371 रन बनाये हैं। इस मैच में दिल्ली के बल्लेबाजों के लिए, हैदराबाद के तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मोहम्मद शमी के अलावा हर्षल पटेल का सामना करना आसान नहीं होगा। वहीं उसके बल्लेबा अभिषेक पोरेल भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

दिल्ली के पास ऑलराउंडर के तौर पर विपराज निगम है। निगल अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं। वहीं दिल्ली की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क और दुष्मंता चमीरा के अलावा मुकेश कुमार जैसे अनुभवी गेंदबाजों के पास है।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम की प्लेफऑफ की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। टीम की ताकत बल्लेबाजी है पर इस सत्र में उसके बल्लेबाज विफल रहे हैं। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है, हेनरिक क्लासेन भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

वहीं गेंदबाज मो शमी, ट्रेविस हेड, इशान किशन, और जयदेव उनादकट भी प्रभावित नहीं कर पाये है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में सनराइजर्स के जीतने की संभावनाएं बेहद कम हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

सनराइजर्स हैदराबाद - पैट कमिंस (कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंदु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, और इशान मलिंगा।

दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल की जगह अनकैप्ड ओवेन को शामिल किया

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने चोटिल ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की जगह पर अनकैप्ड मिचेल ओवेन को शामिल किया है। मैक्सवेल पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं। ओवेन भी ऑस्ट्रेलिया के ही हैं हालांकि उन्होंने अभी तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से नहीं खेला है। पंजाब ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ धर्मशाला में होने वाले मैच से पहले ओवेन को शामिल करने की घोषणा की है। पंजाब ने अब तक 10 में से 6 मुकाबले जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। इस तरह टीम के 13 अंक हैं और वह प्लेऑफ में पहुंचने लखनऊ के खिलाफ जीत चाहेगा।

तस्मानिया की ओर से खेलने वाले ओवेन ने 34 टी20 मैचों में 646 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। इसके अलावा 10 विकेट भी लिए हैं। ओवेन को 3 करोड़ रुपये में शामिल किया गया है। वहीं चोट के कारण बाहर हुए मैक्सवेल का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। अब देखना है कि उनकी जगह पर शामिल ओवन कितने उपयोगी साबित होते हैं। इससे पहले कोच रिकी पोंटिंग ने हाल ही में कहा था कि लॉकी फर्ग्यूसन और ग्लेन मैक्सवेल का रिप्लेसमेंट खोजने में पंजाब किंग्स को परेशानी हो रही है। इस कारण टीम प्रबंधन भारतीय प्रतिभाओं को शामिल कर सकता है पर ऐसा नहीं हुआ। पोंटिंग ने अपने ही देश के अनकैप्ड खिलाड़ी को मौका दिया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स पर एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स नेआईपीएल के 53वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स पर एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की है। इसी के साथ टीम ने प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखी हैं। कोलकाता ने अपने घरेलू मैदान पर टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 206 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन ही बना सकी। टीम को जीत के लिए आखिरी बॉल पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन शुभम दुबे 2 रन ही बना सके। नॉन स्ट्राइक पर खड़े जोफ्रा आर्चर रनआउट हो गए।

राजस्थान की ओर से कप्तान रियान पराग ने 45 बॉल पर 95 रन बनाए। उन्होंने लगातार 6 बॉल पर 6 छक्के लगाए। रियान ने मोइन अली के ओवर में 5 और वरुण चक्रवर्ती के ओवर में छठा छक्का लगाया। वे आईपीएल इतिहास में लगातार 6 बॉल पर 6 छक्के लगाने वाले पहले बैटर बने। पराग के अलावा, यशस्वी जायसवाल ने 34, शिमरोन हेटमायर ने 29 रन और शुभम दुबे ने नाबाद 25 रन बनाए। मोइन अली, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को 2-2 विकेट मिले। कोलकाता से आंद्रे रसेल 25 बॉल पर 57 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 6 छक्के और 4 चौके मारे। रिंकू सिंह 6 बॉल पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा, अंगकृष रघुवंशी ने 44, रहमनुल्लाह गुरबाज ने 35 और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 30 रन का योगदान दिया। जोफ्रा आर्चर, युद्धवीर सिंह, महीश तीक्षणा और कप्तान रियान पराग को एक-एक विकेट मिला।

जडेजा ने लगाया सत्र का सबसे लंबा छक्का

बेंगलुरु। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 77 रनों की शानदार पारी खेली। जडेजा हालांकि इस पारी के बाद भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर इस पारी के दौरान उन्होंने सत्र का सबसे लंबा छक्का लगाने का रिकार्ड अपने नाम किया। जडेजा ने 45 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इनमें से एक छक्का तो 109 मीटर लंबा था, जो अभी तक इस सत्र का सबसे लंबा छक्का है। जडेजा ने इस प्रकार सत्र में सबसे लंबा छक्का जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन को पछाड़ा है जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 107 मीटर लंबा छक्का लगाया था। जडेजा ने यह छक्का 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लुंगी एनगिडी को लगाया था।

सबसे लंबा छक्का जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची

रवींद्र जडेजा 109 मीटर
हेनरिक क्लासेन 107 मीटर
आंद्रे रसेल वर्सेस 106 मीटर
अभिषेक शर्मा 106 मीटर
फिल सॉल्ट वर्सेस 105 मीटर

शेफर्ड ने लगाया आईपीएल का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) मैच में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी की ओर से खेल रहे शेफर्ड ने सीएसके खिलाफ मैच में केवल 14 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। ये इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक है। शेफर्ड ने खलील अहमद के एक ही ओवर में 33 रन बना दिया। आईपीएल में यह दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। रोमारियो ने अंतिम दो ओवरों में सीएसके के गेंदबाज मथीसा पथिराना और खलील अहमद पर हमला बोला।

शेफर्ड ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 6 छक्के और 4 चौके लगाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 378.57 का रहा है। वह यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाये। यशस्वी ने साल 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। केएल राहुल और पैट कमिंस के नाम भी 14 गेंदों पर अर्धशतक का रिकार्ड है।

पहली पारी में रोमारियो ने एक ही ओवर में 33 रन बन दिये। उन्होंने सीएसके के गेंदबाज खलील अहमद की गेंदों पर ये रन बनाए। गौरतलब है कि आईपीएल में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज केक्रिस गेल के नाम है जिन्होंने कोच्चि टस्कर्स के खिलाफ 37 रन बनाए थे। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में 5 विकेट पर 213 रन बनाए।

ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों पर ईसीबी ने लगाया प्रतिबंध

लंदन। 'ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने महिला और लड़कियों के मैचों में प्रतिस्पर्धा करने से प्रतिबंधित कर दिया। इसी तरह का फैसला 'फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने भी किया है। ईसीबी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि वह हाल में 'सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपडेट किए गए कानून के बाद 'ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों की पात्रता पर अपने नियमों में बदलाव की घोषणा कर रहा है जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि महिलाओं की कानूनी परिभाषा में 'ट्रांसजेंडर शामिल नहीं हैं। ईसीबी ने कहा अदालत के फैसले ने उन्हें महिला और लड़कियों के क्रिकेट के लिए नए नियम बनाने के लिए प्रेरित किया है।ईसीबी के बयान में कहा गया है, 'तत्काल प्रभाव से केवल वो ही खिलाड़ी महिला क्रिकेट और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में खेलने के लिए पात्र होंगे जिनका जैविक लिंग महिला है।

आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली 2 रनों की जीत के साथ ही आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब आरसीबी के 11 मैचों में कुल 16 अंक हो गए हैं। सीएसके के खिलाफ मैच में आरसीबी की ओर से यश दयान ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी की, इसके अलावा लुंगी एंगिडी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। इसस मैच में 214 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की टीम 211 रन ही बना पायी। वहीं मुंबई इंडियंस 14 अंकों के साथ तालिक में दूसरे पायदान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 10 मैचों में 14 अंक तीसरे पायदान पर है क्यों वह रन रेट के मामले में पीछे है।

सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन के पास है करोड़ों की संपत्ति, महंगी कारों की हैं शौकीन

इस आईपीएल में थी एसआरएच से उन्हें काफी उम्मीद जो अब हो गई खत्म

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2025 से तकरीबन बाहर ही हो चुकी है। अब उनका प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना बहुत मुश्किल है। टीम की मालकिन काव्या मारन को काफी उम्मीदें थी लेकिन वह खत्म हो गई। आपको बता दें काव्या मारन के पास कितनी संपत्ति हैं और वह इतनी कमाई कहां कहां से करती हैं। उनकी कार कलेक्शन में कौन कौन सी गाड़ियां हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन की कुल संपत्ति करीब 400 करोड़ की बताई जाती है। उनके कार कलेक्शन में फेरारी रोमा, बेंटले बेंटायगा, रोल्स-रॉयस फैंटम और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियां हैं। काव्या को इतनी संपत्ति अपने पिता के कारण मिली है। उनके पिता कलानिधि मारन सन ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, जिनकी नेटवर्थ करीब 25000 करोड़ से भी ज्यादा है।

काव्या मारन सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक हैं। वह अपने पिता का कामकाज देखती हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ और सह-मालिक हैं। वह द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स समेत अन्य प्रोफेशनल खेल टीमों में सन ग्रुप के निवेश की भी देखरेख करती हैं। सनराइजर्स इस्टर्न केप की मालकिन भी काव्या मारन ही हैं। चेन्नई में जन्मी काव्या मारन ने अपनी पढ़ाई यूके के वारविक बिजनेस स्कूल से एमबीए करने से पहले चेन्नई के स्टेला मैरिस कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। 2018 में फ्रेंचाइजी की कमान संभालने के बाद से उन्होंने एसआरएच की ब्रांड पहचान को मजबूत करने की दिशा में काम किया। वह हर समय टीम के साथ रही हैं और उनके चीयर करती नजर आती हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की क्वीन शार्लेट बेसबॉल खिलाड़ी एलेक्स को कर रही डेट

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई की सुपरस्टार शार्लेट फ्लेयर जो 2025 में डब्ल्यूडब्ल्यूई रॉयल रंबल मैच जीते थे। उनको हाल ही में लास वेगास में हुए शो ऑफ शोज में टिफनी स्ट्रेटन ने उन्हें हरा दिया। घुटने की चोट के कारण एक साल के ब्रेक के बाद शार्लेट ने 2025 विमेंस रॉयल रंबल जीतकर डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की थी। हालांकि, टिफनी स्ट्रेटन के खिलाफ उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियन का खिताब बरकरार रखने में हार का सामना करना पड़ा।

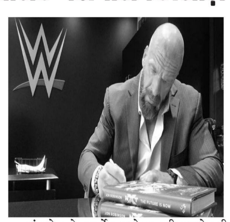

शार्लेट फ्लेयर ने अपने पति एंड्राडे से शादी के दो साल बाद तलाक की घोषणा की थी। जिसके बाद फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि वह पूर्व बेसबॉल शॉर्टस्टॉप एलेक्स रोड्रिगेज को डेट कर रही हैं। शार्लेट फ्लेयर और एंड्राडे ने 2019 में अपने रिश्ते की घोषणा की थी। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद दोनों ने 2020 में सगाई की थी और 2022 में शादी की थी। डब्ल्यूडब्ल्यूई की यह जोड़ी एक पावर कपल लग रही थी जब एंड्राडे ने 31 जुलाई 2022 को अपने महान लास्ट मैच के लिए रिक फ्लेयर के साथ साझेदारी की। एंड्राडे को शार्लेट फ्लेयर की घुटने की चोट से उबरने के दौरान भी उनका समर्थन करते हुए दिखे थे, लेकिन किसी को पता नहीं था कि पर्दे के पीछे रिश्ते में दरारें पड़ रही थीं। जिसके कारण उनकी शादी खत्म हो गई। शार्लेट फ्लेयर ने अपने पति एंड्राडे से शादी के दो साल बाद तलाक का ऐलान किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई सितारों ने जुलाई 2024 में अपनी शादी समाप्त कर दी, कोर्ट के रिकॉर्ड से पुष्टि हुई कि तलाक अक्टूबर 2024 में हो गई थी। इस चौंकाने वाले अलगाव ने फैंस और रेसलिंग समुदाय के बीच एक नई चर्चा को जन्म दिया, क्योंकि जब उन्होंने अपनी शादी के अंत की घोषणा की तो वे काफी हैरान थे।

शार्लेट फ्लेयर की प्रेम जीवन अपडेट के मुताबिक एंड्राडे और फ्लेयर के अलगाव के कारण का उल्लेख करने वाले कोई आधिकारिक अदालती रिकॉर्ड नहीं मिले हैं। हालांकि जोड़ी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन अटकलें हैं कि व्यभिचार ने अचानक ब्रेक में भूमिका निभाई होगी, भले ही आधिकारिक कारण अभी भी सामने नहीं आया है।

पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया अब, ऐसा लगता है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई की क्वीन ने पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने और नई शुरुआत करने का फैसला कर लिया है। बता दें फ्लेयर को हाल ही में पूर्व अमेरिकी बेसबॉल स्टार एलेक्स रोड्रिगेज के साथ देखा गया था, जिससे संभावित डेटिंग की अफवाहें फैल गईं। हाल ही में, एलेक्स रोड्रिगेज और शार्लेट फ्लेयर को मिनेसोटा टिंबरवुल्फ बनाम लॉस एंजिल्स लेकर्स गेम में एक साथ देखा गया था।

विराट ने आईपीएल में एक ही टीम से सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल के इस सत्र में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट सीएसके के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज गए हैं। उन्होंने सीएसके के खिलाफ 1146 रन बनाए हैं।

विराट ने सीएसके के खिलाफ 33 गेंद में 62 रन बनाये। इसमें उन्होंने 5 छक्के और 5 चौके लगाए। इसके साथ ही एक टीम के लिए 300 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए 305 छक्के लगाये हैं। वहीं क्रिस गेल ने आरसीबी के लिए 263 छक्के लगाए हैं। गेल एक टीम के सबसे अधिक रन बनाने के मामले में विराट के बाद दूसरे नंबर पर हैं. इस सूची में रोहित शर्मा तीसरे, कायरन पोलार्ड चौथे और एमएस धोनी पांचवें नंबर पर हैं। रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए 262, पोलार्ड ने मुंबई के लिए ही 258 और धोनी ने सीएसके के लिए 257 छक्के जमाए हैं।

विराट ने एक मैदान पर सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। उन्होंने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 152 छक्के लगाए हैं। एक मैदान पर सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में भी विराट के बाद क्रिस गेल ही आते हैं। . उन्होंने बेंगलुरू में 151 और मीरपुर (ढाका) में 138 छक्के लगाए हैं।

इंग्लैंड में नहीं स्कॉटलैंड में हुआ फुटबॉल का जन्म

स्कॉटलैंड। दुनिया भर में लोकप्रिय खेल फुटबॉल को लेकर अब तक धारणा थी कि इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था, लेकिन नई ऐतिहासिक खोज ने अवधारणा को बदल दिया है। वैज्ञानिकों और इतिहासकारों की टीम ने स्कॉटलैंड में ऐसा प्रमाण खोजा है, जिससे साबित होता है कि फुटबॉल की शुरुआत दरअसल इंग्लैंड में नहीं, बल्कि स्कॉटलैंड में हुई थी। यह खोज न सिर्फ फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांचक है, बल्कि दो सदी पुराने खेल इतिहास में भी एक बड़ा बदलाव लेकर आई है।

ऐतिहासिक खोज का नेतृत्व कर रहे खेल इतिहासकार गेड ओ ब्रायन ने बताया कि उन्होंने स्कॉटलैंड के एन्वॉथ इलाके के पास एक पुराने फार्म मॉसरॉबिन में ऐसी जमीन खोजी, जो कि दुनिया की पहली फुटबॉल पिच हो सकती है। यह मैदान 17वीं सदी का है, जब वहां के लोग नियमित रूप से फुटबॉल खेला करते थे। इस पिच का जिक्र सबसे पहले रेवरेंड सैमुअल रदरफोर्ड द्वारा 1627 से 1638 के बीच लिखे गए एक खत में मिलता है। उस पत्र में उन्होंने स्थानीय लोगों के खेल से नाराजगी जताकर खेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैदान में पत्थरों की कतार लगाने का आदेश दिया था।

ब्रायन की टीम ने खोज में उन पत्थरों की वास्तविक लोकेशन का पता लगाया और पाया कि वहां कुल 14 पुराने कटे हुए पत्थर एक सीधी कतार में मौजूद हैं। मिट्टी की जांच में साबित हुआ कि वे पत्थर रदरफोर्ड के समय में ही वहां लगाए गए थे। स्कॉटिश पुरातत्व विशेषज्ञ फिल रिचर्डसन ने खोज को 'आधुनिक फुटबॉल का दादा' बताकर कहा कि इससे यह साफ होता है कि फुटबॉल का जन्म संगठित ढंग से स्कॉटलैंड में ही हुआ था।

गौरतलब है कि अब तक माना जाता रहा था कि आधुनिक फुटबॉल की शुरुआत 1863 में इंग्लैंड के स्कूलों-इटन और हॉरो ड्रु के पुराने छात्रों द्वारा की गई थी। लेकिन यह नई खोज इंग्लैंड की बजाय स्कॉटलैंड को फुटबॉल की असली जन्मस्थली साबित करती है, और इतिहास की किताबों को फिर से लिखे जाने की मांग करती है।

आयुष ने बनाया रिकार्ड

बेंगलुरु। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के आयुष म्हात्रे ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 94 रनों की आक्रामक पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। आयुष अब 17 साल की उम्र में अर्धशतक लगाने वाले वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 25 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। आयुष ने भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाज के एक ओवर में ही 26 रन पीट दिये। वह इंडिया अंडर 19 क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के सलामी जोड़ीदार हैं। दोनों ने कई मैचों में पारी की शुरुआत की है। वहीं वैभव ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शतक लगाकर रिकार्ड बनाया है।

चीन-पाकिस्तान के बीच गुप्त समझौता?

- एस -400 तकनीक लीक होने की आशंका

नई दिल्ली। बुल्गारिया की रक्षा समाचार वेबसाइट मिल्ट्री,कॉम की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान के बीच एक गुप्त समझौते पर बातचीत हो रही है। इस समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को अत्याधुनिक स-400 एयर डिफेंस सिस्टम की तकनीकी जानकारी पाकिस्तान को सौंप सकता है। यदि यह समझौता चीन और पाकिस्तान के बीच में हो जाता है। तो यह भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीतिक संतुलन के लिए बड़ा झटका साबित होगा।

भारत ने 2018 में रूस से 5.43 अरब डॉलर की लागत से स-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का सौदा किया था। यह प्रणाली 400 किलोमीटर की

रेंज तक किसी भी हवाई खतरे जैसे लड़ाकू विमान, क्रूज मिसाइल, ड्रोन या बैलिस्टिक मिसाइल को ट्रैक कर ध्वस्त करने में सक्षम है। अभी भारत को तीन स्क्वाड्रन मिल चुके हैं। दो स्क्वाड्रन रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अभी भारत को नहीं मिले हैं। भारत ने इन्हें चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तैनात कर रखा है।

रिपोर्ट के अनुसार,चीन 2014 में रूस से स-400 तकनीकि हासिल कर चुका था। एस 400 की तकनीकी विशेषताओं और कमजोरियों से चीन और भारत अच्छी तरह से जानते हैं। चीन गुप्त रक्षा समझौते में यदि यह तकनीकी पाकिस्तान को देगा। रडार फ्रीक्वेंसी, जामिंग तकनीक, ब्लाइंड स्पॉट और इंटरसेप्शन लॉजिक जैसी जानकारी पाकिस्तान के साथ चीन साझा कर सकता है। इससे पाकिस्तान, भारत की वायु सुरक्षा प्रणाली को नाकाम करने में सक्षम हो जायेगा।

इस खुलासे ने भारत की कूटनीतिक स्थिति को झकझोर दिया है। अंतरराष्ट्रीय हथियार डील्स में एंड-यूजर एग्रीमेंट होता है, जिसके तहत खरीदी गई प्रणाली की जानकारी किसी तीसरे पक्ष को साझा नहीं की जा सकती है। चीन ने इसका उल्लंघन किया, तो भारत को रूस के समक्ष औपचारिक आपत्ति दर्ज करानी पड़ सकती है। यह आपत्ति भारत को तुरंत करनी होगी। इसके लिए रूस का समर्थन भी चाहिए होगा।

सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है, यह मामला केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इससे भारत की रूस पर निर्भरता, अमेरिका के साथ बढ़ती निकटता और वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी असर होगा। भारत को सावधानीपूर्वक कदम उठाने होंगे।

तेज हवाओं और बारिश ने बदला मध्यप्रदेश-राजस्थान का मौसम, गिरा तापमान

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कई जिलों में शनिवार को तेज हवाएं चली और बारिश भी हुई जिससे तापमान में 10 डिग्री तक गिरावट आई। मध्य प्रदेश के भोपाल, इटारसी, छिंदवाड़ा, सिवनी समेत कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई। दिल्ली में शनिवार को भी आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। इसका असर कई फ्लाइट्स पर पड़ा और दो घंटे तक फ्लाइट प्रभावित रहीं। मौसम विभाग ने कहा कि यूपी-बिहार समेत देश के 25 राज्यों में रविवार को आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। इन राज्यों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। बिहार, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में ओले गिरने की संभावना भी है। इधर, ओडिशा में भारी बारिश का भी अलर्ट है।

5 मई यानी सोमवार को बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में आंधी-बारिश का असर रहेगा। मध्य प्रदेश में तेज़ हवाएं चलेंगी और कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं। 6 मई को राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। दक्षिण भारत के कर्नाटक और केरल में भी मौसम बिगड़ सकता है।

7 मई को गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कई इलाकों में बारिश और ओले गिर सकते हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में भी भारी बारिश हो सकती है।

पीएम मोदी का दौरा रद्द होते ही आतंकियों ने पहलगाम को बनाया निशाना

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पाकिस्तान का आतंकी चेहरा फिर बेनकाब कर दिया है। कश्मीर में चप्पे-चप्पे पर जवानों की तैनाती और हाई लेवल इंटेलिजेंस के बावजूद आतंकियों ने 28 बेगुनाह पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंटेलिजेंस ब्यूरो और अन्य एजेंसियों ने स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों को आतंकी हमले से पहले ही अलर्ट कर दिया था। मामले के जानकार लोगों का कहना है कि खुफिया एजेंसियों ने बताया था कि 19 अप्रैल को पीएम मोदी के दौरे के आसपास श्रीनगर में हमला हो सकता है।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद श्रीनगर और आसपास के इलाकों और पर्यटन स्थलों की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। इसमें दाचीगाम नेशनल पार्ट भी शामिल था। इसकी दूरी श्रीनगर से करीब 22 किलोमीटर है। हालांकि बाद में खराब मौसम की वजह से पीएम मोदी का दौरा स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद 22 अप्रैल को श्रीनगर से मात्र 90 किलोमीटर दूर आतंकियों ने पर्यटकों को अपना निशाना बनाया।

सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारियों के बाद लोकेशन का पता लगाना सबसे कठिन काम होता है। आर्मी और सिविलियन सिक्योरिटी अधिकारियों को अलर्ट किया था। वहीं यह बात भी बताई थी कि आतंकी पर्यटकों को निशाना बना सकते हैं। खुफिया एजेंसियों ने कहा था कि श्रीनगर के आसपास पर्यटन स्थल पर आतंकी हमला कर सकते हैं।

खुफिया जानकारी के बाद डीजीपी चार दिनों तक श्रीनगर में ही रहे। वह श्रीनगर के आसपास के इलाकों की पूरी खबर ले रहे थे। 22 अप्रैल को वह जम्मू पहुंचे थे कि उधर पहलगाम में आतंकियों ने हमला कर दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक किसी भी खुफिया रिपोर्ट में यह नहीं कहा गया था कि पहलगाम में आतंकी हमला कर सकते हैं।

अगर हम बीजेपी की बी टीम होते तो पीएम मोदी के सामने वक्फ कानून नहीं फाड़ते

बिहार में विपक्ष पर गरजे ओवैसी, पाकिस्तान-बांग्लादेश को दिखाई उनकी औकात

बहादुरगंज। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए एआईएमआईएम को असली मुकाबला करने वाली पार्टी बताया है। बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि इस बार फिर विपक्षी दल आएंगे और कहेंगे कि हम बीजेपी की बी टीम हैं।

ओवैसी ने कहा कि ये वही बी टीम है, जिसने वक्फ संशोधन अधिनियम को पीएम मोदी के सामने फाड़ दिया था। आप लोग तो ए टीम थे, लेकिन आपने कुछ नहीं किया, बस तीन मिनट बोले और बैठ गए। ओवैसी ने मतदाताओं से एआईएमआईएम को समर्थन देने की अपील की और दावा किया कि कई पार्टियां आकर लोगों को पैसे देंगी। उन्होंने कहा कि पैसे ले लेना, लेकिन वोट एआईएमआईएम को ही देना।

किशनगंज में रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने पाकिस्तान को असफल देश बताया और कहा कि वह कभी भी भारत को शांति से नहीं रहने देना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा पाकिस्तान से मजबूत था, है और रहेगा। पाकिस्तान न तो अपने ही समुदायों में शांति स्थापित कर पाया है और न ही ईरान और अफगानिस्तान जैसे अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध रख पाया। मोदी सरकार ने पाकिस्तान के जहाजों और विमानों की आवाजाही पर जो बैन लगाया है, वे सही कदम हैं, लेकिन अब और सख्त कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में डालने पर विचार किया जाना चाहिए।

ओवैसी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत-विरोधी बयानों की भी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मुनीर को याद रखना चाहिए कि भारत में रहने वाले मुसलमानों ने 1947 में जिन्ना की दो राष्ट्र के सिद्धांत को ठुकरा दिया था और यहीं रहना मंजूर किया था। उनके वंशज अब किसी भी हालत में भारत की धरती को नहीं छोड़ेंगे। इसके साथ ही ओवैसी ने बांग्लादेश के एक पूर्व सैन्य अधिकारी की उस टिप्पणी पर भी नाराजगी जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत पाकिस्तान पर हमला करता है, तो बांग्लादेश को चीन के साथ मिलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करना चाहिए। ओवैसी ने तीखे शब्दों में कहा कि आपको याद रखना चाहिए कि बांग्लादेश को आज़ादी भारत की वजह से मिली है।

भारत की सीमा में घुसे दो बांग्लादेशी युवक, चाय बागान की बना रहे थे वीडियो

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी तनाव के बीच अब भारत-बांग्लादेश बॉडर पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां दो बांग्लादेशी युवकों चोरी छिपे भारत के अंदर घुस गए। वह भारतीय सीमा के अंदर घुसते ही सीधा पश्चिम बंगाल के चाय बागान में पहुंच गए और मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे, तभी सीमा पर पहरा दे रहे बीएसएफ के जवानों की नजर पड़ी। उन्होंने पहले तो उनका नाम पूछा और फिर उन पर बंदूक तान दी। ये घटना बांग्लादेश के पाटग्राम बॉर्डर पर स्थित गटियारभीटा सीमा क्षेत्र की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के जवानों ने इन दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। वे मैन बॉर्डर पिलर 825 के पास 'नो-मैन्स-लैंड' के जरिये भारतीय सीमा में दाखिल हुए थे। बताया गया कि दोनों युवक मोबाइल से वीडियो बना रहे थे, तभी गश्त कर रही बीएसएफ की टीम ने उन्हें देख लिया। बीएसएफ ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। युवकों में एक 22 साल है और दूसरा 16 साल का किशोर बताया जा रहा है। 0

पूछताछ में युवकों ने बताया कि उन्हें अंदाजा नहीं था कि वे भारत में दाखिल हो चुके हैं। वे केवल चाय बागानों में वीडियो बनाने की मंशा से यहां आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को दी, जिसके बाद बीजीबी की 61वीं बटालियन के धवलसुती बीओपी कैंप के नायक सूबेदार मुख्तार हुसैन ने बीएसएफ से संपर्क किया। इसके बाद देर रात करीब 3ः30 बजे दोनों देशों की सीमा सुरक्षा बलों के बीच फ्लैग मीटिंग हुई दोनों युवकों को बीजीबी को सौंप दिया गया। बीजीबी अधिकारी ने पुष्टि की कि इस मामले को शांतिपूर्वक हल कर लिया गया है। युवकों को उनके परिवारों को सौंप दिया है। वहीं बदले में बीजीपी ने भी अपनी हिरासत से दो भारतीय नागरिकों को बीएसएफ के हवाले कर दिया।

पाकिस्तान का गुलाम हैदर फिर बौखलाया, खुद के लिए भारतीय नागरिकता की कर दी डिमांड

नोएडा। पाकिस्तान से आई सीमा हैदर का पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने तो यह तक कह दिया कि सीमा के मुंह पर हम थूकते हैं। इतना ही नहीं उसने भारतीय नागरिकता की भी डिमांड कर दी है। गुलाम हैदर का वीडियो ठीक पहलगाम हमले के बाद आया है। दरअसल, पहलगाम अटैक के बाद केंद्र सरकार ने आदेश दिया है कि सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजा जाएगा। सीमा हैदर भी पाकिस्तानी है। गुलाम ने अपनी पत्नी सीमा हैदर और उसके मुंह बोले भाई व वकील एपी सिंह को गंदा गंदा कहता दिख रहा है। अब जब सरकार ने पाकिस्तानियों को वापस जाने का फरमान सुनाया तो सीमा हैदर पर सवाल खड़े हो गए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जहां पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से निकाला जा रहा है, वहीं गुलाम हैदर भारत में बसने की बात कर रहा है। वह भारत की नागरिकता मांग रहा है। गुलाम का कहना है कि घुसपैठिये की तरह भारत में घुसकर उसकी पत्नी सीमा हैदर रह सकती है तो मुझे नागरिकता क्यों नही मिल सकती है।पाकिस्तान से जारी एक वीडियो में गुलाम कहता है कि सीमा अवैध रूप से भारत में रह रही है। सीमा कोई हीरोइन है या सचिन मीणा कोई हीरो है? सीमा एक अपराधी है जो अवैध तरीके से भारत सरकार के कानून की धज्जियां उड़ाकर 2 सालों से बैठी हुई है। सीमा हर समय बोलती है कि वह शरण में है। उसने आगे कहा, मैं भी कल किसी बॉर्डर के तारों के नीचे से अवैध तरीके से भारत में आकर बैठ जाऊं और बोलू कि मैं भी योगी-मोदी जी के शरण में हूं तो क्या मुझे भी भारत की नागरिकता मिल जाएगी? मेरे बच्चे हिन्दुस्तान में हैं। मेरा आपसे सवाल है क्या मुझे नागरिकता मिल जाएगी। गौरतलब है, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों के एक समूह ने बेगुनाह पर्यटकों पर गोलियां चला दी थीं। ये लोग बैसरन घाटी घूमने गए थे, कई कपल्स भी थे, जो हनीमून के लिए कश्मीर आए हुए थे। जब ये लोग बैसरन घाटी में घूम रहे थे, तभी कुछ आतंकी वहां आए और लोगों से नाम और धर्म पूछने लगे। चश्मदीदों का कहना है कि उन्होंने लोगों से कलमा भी पढ़वाया और जो भी पढ़ नहीं सका या हिचकिचाया, उसको उसके परिवार के सामने ही गोली मार दी।

आतंकवाद एक नासूर, हर मुस्लिम इसके खिलाफ करें बुलंद आवाज

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दो दिवसीय वर्किंग कमेटी की बैठक के दौरान पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है। जमीयत ने कहा कि पहलगाम हमला केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं पूरे देश के लिए एक दुखद घटना है इसके आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

प्रस्ताव में जहां हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी गई, वहीं घायलों के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना की गई। बैठक की अध्यक्षता हज़रत मौलाना सैयद अरशद मदनी ने की। जमीयत ने अपने प्रस्ताव में दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद एक नासूर है, जो इस्लाम की शांति नीति के विपरीत है, इसलिए, इसके विरुद्ध आवाज़ उठाना हर मुसलमान की ज़िम्मेदारी है। हर मुस्लिम को इसके खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए। संगठन ने कश्मीरी जनता की भाईचारे, सहानुभूति और इंसानियत के जज्बे की सराहना करते हुए कहा उन्होंने न केवल वहां मौजूद पर्यटकों को सुरक्षा प्रदान की, बल्कि कठिन परिस्थितियों में अपने घरों के दरवाज़े और मदरसे भी खोल दिए, लोगों को मुफ्त भोजन का प्रबंध किया और टैक्सी चालकों ने किराया तक नहीं लिया। उन्होंने यह साबित कर दिया कि कश्मीर सिर्फ़ खूबसूरती ही नहीं, बल्कि इंसानियत का का भी पैगाम देता है।

जमीयत ने प्रस्ताव में केंद्र सरकार से मांग की है कि इस बर्बर हमले में शामिल आतंकियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए। जमीयत ने साफ कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार जो भी जरुरी कदम उठाएगी, संगठन उसका पूरी तरह से समर्थन करेगा। जमीयत ने साथ ही उन तत्वों की भी आलोचना की जो इस हमले के बाद समाज और देश में नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

सीआरपीएफ जवान ने आरोप नकारे कहा-विभागीय अनुमति के बाद किया था निकाह

जम्मू। सीआरपीएफ के जवान मुनीर अहमद पर विभाग की तरफ से आरोप लगाया गया कि अहमद ने जानबूझकर महिला को उसके वीजा की वैधता के बाद भी भारत में रहने में मदद की। हालांकि, बर्खास्त जवान मुनीर का कहना है कि अब वह इस बर्खास्तगी को अदालत में चुनौती देने की योजना बना रहा है।केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मुनीर अहमद ने आरोपों से इनकार किया है। मुनीर ने कहा कि निकाह करने से पहले उन्होंने सीआरपीएफ मुख्यालय से अनुमति ली थी। एक एजेंसी से बातचीत के दौरान मुनीर ने कहा कि मुझे मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से अपनी बर्खास्तगी के बारे में पता चला। वहीं, इसके तुरंत बाद मुझे सीआरपीएफ से एक पत्र मिला, जिसमें मुझे बर्खास्तगी के बारे में बताया गया था। यह पत्र मेरे और मेरे परिवार के लिए एक झटका था। हालांकि, मैंने मुख्यालय से एक पाकिस्तानी महिला से निकाह की अनुमति मांगी थी और मुझे अनुमति मिल गई थी। जिसके बाद ही मैंने निकाह किया।

अहमद ने यह भी बताया कि उन्होंने मीनल खान से शादी करने के अपने इरादे के बारे में सीआरपीएफ को सबसे पहले 31 दिसंबर, 2022 को बताया था। मैंने आधिकारिक चैनलों के माध्यम से खुद, अपने माता-पिता, स्थानीय सरपंच और जिला विकास परिषद के सदस्य के हलफनामे सहित सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए थे। इसके बाद मुझे 30 अप्रैल, 2024 को मुख्यालय से हरी झंडी मिल गई थी।मामले में सीआरपीएफ का कहना है कि अहमद ने एक पाकिस्तानी नागरिक से अपनी शादी के बारे में जानकारी नहीं दी और उस वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रहने दिया, जो कि सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन है। साथ ही यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम भी पैदा करता है। मीनल खान 28 फरवरी को वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत में अल्पकालिक वीजा पर आई थी, जिसकी अवधि 22 मार्च को समाप्त हो गई थी। हालांकि उसके और अहमद के मार्च में दीर्घकालिक वीजा के लिए आवेदन करने व साक्षात्कार सहित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने उसके निर्वासन पर रोक लगा दी थी।जम्मू के घरोटा इलाके के निवासी मुनीर अहमद अप्रैल 2017 में सीआरपीएफ में शामिल हुए थे। पाकिस्तानी मीनल खान से उनकी दोस्ती ऑनलाइन हुई थी। जिसके बाद दोनों ने 24 मई, 2024 को वीडियो कॉल निकाह समारोह के जरिए निकाह किया। अहमद के मुताबिक, सीआरपीएफ मुख्यालय से औपचारिक अनुमति मिलने के करीब एक महीने बाद यह विवाह संपन्न हुआ।

जाति जनगणना से अब राहुल गांधी की जाति का भी पता चल जाएगा

नई दिल्ली। जाति-जनगणना को लेकर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। बुराड़ी में रविवार को मनोज ने कहा कि जाति-जनगणना होने दीजिए राहुल गांधी को भी अपनी जाति के बारे में बताना होगा। इसके बाद सारा भेद खुल जाएगा। दिल्ली के साथ पूरी दुनिया को पता चल जाएगा कि वह किस जाति से आते हैं।

मनोज तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी सनातन और हिंदू विरोधी हैं, इसलिए वह हिन्दुओं के विरोध में बयान देते हैं। उनकी सनातन में आस्था नहीं है, वह सिर्फ ढोंग करते हैं। इतना ही नहीं, अब तो जातिगत जनगणना भी होनी है और राहुल गांधी की जाति भी सामने आ जाएगी कि वह कौन सी जाति से हैं। अमेरिका में राहुल गांधी की ओर से श्रीराम को काल्पनिक कहने पर मनोज ने कहा कि राहुल गांधी को उनकी हिन्दू विरोधी सोच मुबारक। वह सनातन विरोधी हैं और उन्हें हिन्दुओं से जलन होती है।

उन्होंने कहा कि हम लोग बुराड़ी क्षेत्र में मानव सेवा शिक्षा संस्थान की ओर से हस्तिनापुर शिव महापुराण कथा कर रहे हैं। शिव हम लोगों से अपील कर रहे हैं कि 21 मई से 27 मई तक बुराड़ी आएं और शिव महापुराण कार्यक्रम में शामिल होकर धन्य हो जाएं।

बता दें जाति-जनगणना को लेकर हाल ही में केंद्र सरकार ने फैसला लिया कि देश में जाति-जनगणना कराई जाएगी। केंद्र सरकार के इस फैसले से देशभर में खुशी का माहौल है, लेकिन, इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस-समाजवादी पार्टी सहित अन्य क्षेत्रीय पार्टियां इसे अपनी जीत बता रही हैं। श्रेय लेने की होड़ के बीच बीजेपी नेताओं का कहना है कि जब कांग्रेस का शासन था, तब उन्हें जाति-जनगणना कराने की याद क्यों नहीं आई। जब विपक्ष में रहते हैं, तो जाति-जनगणना की बात करते हैं।

नीरज ने लिखा लालू यादव का 'गुनाहनामा'..

पटना। बिहार की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को एक तीखा खुला पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है गुनाहनामा। इस पत्र में लालू-राबड़ी शासनकाल (1990ड्ड2005) को निशाने पर लेते हुए अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के साथ किए गए कथित राजनीतिक और सामाजिक अन्याय को उजागर किया गया है।

नीरज कुमार ने पत्र में लिखा कि लालू यादव ने हमेशा खुद को 'सामाजिक न्याय' का रक्षक बताया, लेकिन उनकी सरकार में ईबीसी समुदाय को सत्ता, सम्मान और अवसरों से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक बहिष्कार था, न कि न्याय। नीरज के लिखे गुनाहनामे में 1990 से 2005 तक बिहार में कुल 272 मंत्रियों में से केवल 18 मंत्री अति पिछड़ा वर्ग से थे, जो 6.6% से भी कम है। उन्होंने इसे साफ तौर पर ईबीसी की अनदेखी और दमन बताया।

- पिछड़ा-अतिपिछड़ा कल्याण विभाग नहीं बनाया गया

पत्र में यह भी कहा गया कि लालू सरकार ने अपने लंबे कार्यकाल के बावजूद पिछड़ा-अतिपिछड़ा कल्याण विभाग की स्थापना नहीं की। न ही पंचायतों में ईबीसी को एकल पदों पर आरक्षण दिया गया, जो इस वर्ग के प्रति उनकी उपेक्षा को दर्शाता है।

-आंकड़े जुटाने में विफलता

नीरज कुमार ने यह भी आरोप लगाया कि राजद, केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में होने के बावजूद, जातिगत जनगणना नहीं करवा सकी और न ही राज्यस्तरीय जाति सर्वेक्षण पर कोई ठोस पहल की। उन्होंने इसे राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी कहा। पत्र में यह भी जिक्र किया गया कि लालू शासनकाल में खासतौर पर ईबीसी वर्ग की बेटियों को शिक्षा और सामाजिक अधिकारों से वंचित रखा गया ताकि वे अपने अधिकारों के लिए जागरूक न हो सकें।

- बयान पर सियासी हलचल

नीरज कुमार ने लालू प्रसाद यादव पर व्यक्तिगत हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अपनी राजनीति चार्जशीटेड बेटे के हवाले कर दी है और अब उनके गुनाहों का बैताल उसी के सिर सवार है। यह बयान तेजस्वी यादव के उस पत्र के जवाब में आया है जो उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी को लिखा था।

- 118 नरसंहारों का जिक्र

नीरज कुमार ने पत्र में दावा किया कि लालू शासनकाल में 118 बड़े नरसंहार हुए, जिनमें सबसे ज्यादा नुकसान अति पिछड़ा वर्ग को झेलना पड़ा। उन्होंने उस दौर को लालटेन युग की संज्ञा दी, जिसे उन्होंने अराजकता और असुरक्षा का प्रतीक बताया।

नीरज कुमार का यह पत्र आने वाले चुनावी माहौल में सियासी बयानबाजी को और तेज कर सकता है। जहां एक ओर यह राजद के सामाजिक न्याय के एजेंडे पर बड़ा सवाल खड़ा करता है, वहीं जदयू की ओर से यह ईबीसी समुदाय के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

शरद गुट के कई दिग्गज नेताओं ने किया अजित गुट जॉइन, बीजेपी कर रही विरोध

मुंबई। महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी को झटका लगा है। पार्टी के कई बड़े नेता शनिवार को अजित पवार गुट में शामिल हो गए हैं, जिसका बीजेपी विरोध कर रही है। उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव और धुले जिले के प्रमुख राजनीतिक नेताओं ने मुंबई में एनसीपी अजित गुट जॉइन कर लिया है। इस गुट में शामिल होने वालों में पूर्व मंत्री डॉ सतीश पाटिल, गुलाबराव देवकर, पूर्व विधायक दिलीप वाघ, दिलीप सोनवणे और कैलाश पाटिल शामिल हैं। इस बदलाव पर शिवसेना के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने टिप्पणी करते हुए कहा कि गुलाबराव देवकर ने पिछले साल विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ चुनाव लड़ा था, इसलिए यह फैसला उचित नहीं है। वहीं, बीजेपी के मंत्री गिरिश महाजन जो खुद भी जलगांव से आते हैं, उन्होंने इस पर कहा कि एनसीपी अजित गुट को इन नेताओं को लेने से पहले सोचना चाहिए था। महाजन ने कहा कि महायुति के एक प्रोटोकॉल के तहत उन उम्मीदवारों को सत्ताधारी गठबंधन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए, जिन्होंने हमारे खिलाफ चुनाव लड़ा हो, लेकिन अब ऐसा लगता है कि इस प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है। महाजन ने कहा कि ये लोग हमारे पार्टी में भी आना चाहते थे, लेकिन हमने गुलाबराव पाटिल के साथ चर्चा की और उन्हें नहीं लेने का फैसला किया। हमारे पास भी विकल्प खुले हैं। इनके प्रमाण-पत्रों की जांच की जानी चाहिए और यह तय किया जाना चाहिए कि वे घोटाले के आरोपों से बचने के लिए गठबंधन में तो नहीं आ रहे हैं।

दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया बालक पानी में डूबा

घटना बजरंग घाट की, घंटो एसडीईआरएफ की टीम के आने का परिजन करते रहे इंतजार, देर रात तक चलता रहा रेस्क्यू अभियान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शहर के बजरंग घाट में उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया, जब अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने आया एक 17 वर्षीय बालक नदी के अधिक पानी में जाने की वजह से बालक की मौत हो गई, वहीं घटना की जानकारी लगने के बाद परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी, जहाँ पुलिस भी सूचना मिलते ही बजरंग घाट पहुंची , लेकिन रेस्क्यू टीम को सूचना देने के बावजूद भी कुछ घंटे तक रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर नहीं पहुंची , जिसको लेकर परिजन भी टीम पर आक्रोशित हुए, इस घटना की जानकारी बालाघाट विधायक को लगी तो वह भी घटनास्थल पर पहुंची और परिजनों के इस दुःख में उनके साथ खड़ी रही , परिजनों द्वारा रेस्क्यू टीम के लेट आने की जानकारी भी बालाघाट विधायक को दी गई, जिस पर बालाघाट विधायक द्वारा भी संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई गई , देर रात तक रेस्क्यू टीम मृतक युवक के शव को नदी में तलाश करती रही।

मिली जानकारी अनुसार नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 08 निवासी 17 वर्षीय विशाल पिता प्रकाश गायधने, बजरंगघाट में नहाने के दौरान, गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। अपरान्ह 4 बजे की इस घटना के बाद रेस्क्यु अभियान में देरी के कारण, बालक का तलाशी अभियान शाम के बाद शुरू किया गया। कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि नदी में डूबे बालक की तलाशी के लिए रेस्क्यु अभियान जारी है। पिता प्रकाश गायधने ने बताया कि वह सब्जी का धंधा करते है, दोपहर तक बेटा विशाल, दुकान में था। जिसके बाद वह घर जाता हुँ कहकर निकला था। जिसके बाद, वह कब दोस्तो के साथ, यहां नहाने आया, इसकी कोई जानकारी नहीं है। उसके साथ आए दोस्तो के परिजनों से मुझे यह जानकारी मिली। बताया जाता है कि लगभग 9 नाबालिग वार्ड क्रमांक 08 निवासी कैफ खान, शुभम कुशराम, रौनक चौधरी, दीपक ठाकरे, सौरभ सौरले, अजमल खान, मेहमान आए कोस्ते निवासी यश सहारे और सुरभी नगर मयूर गढ़पाले और विशाल गायधने साथ नहाने आए थे। सभी बालकों की उम्र 12 से 14 वर्ष के बीच है। जिन्होंने ही घटना की सूचना, अपने परिजनों को दी। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को मिली। बहरहाल अभी एसडीईआरएफ की टीम, रेस्क्यु अभियान चला रही है।

विशाल घर खाना खाने आया था – प्रकाश गायधने

जब हमारे द्वारा मृतक के पिता प्रकाश गायधने से घटना के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें उनके परिजनों द्वारा घटना की सूचना दी गई , तब उन्हें पता चला कि उनका बेटा अपने साथियों के साथ बजरंग घाट पर नहाने आया था, जबकि उनके बेटे द्वारा घर में इसकी सूचना नहीं दी गई थी और वह सब्जी विक्रय का कार्य करते हैं, हर दिन की तरह 4 मई को भी वह विशाल के साथ इतवारी बाजार में सब्जी विक्रय के लिए आए थे ,विशाल द्वारा 12 बजे खाना खाना है कह कर इतवारी बाजार से घर चला गया था, उसके बाद वह अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने चले गया और यह घटना हो गई।

विधायक पहुची बजरंग घाट

जैसे ही बालक के नदी में डूबने की जानकारी बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे को लगी तो वह भी अपने साथियों के साथ बजरंग घाट में पहुंची और मृत परिवार के दुःख में शामिल हुई , साथ ही परिजनों द्वारा बताया गया की रेस्क्यू टीम को बार-बार फोन करने के बाद भी वह बहुत लेट पहुंची, जिस पर बालाघाट विधायक द्वारा रेस्क्यू टीम के संबंधित अधिकारियों को देरी से आने के विषय को लेकर फटकार भी लगाई गई।

देर रात तक किया गया रेस्क्यू

परिजनों द्वारा बताया गया की घटना 4 मई के शाम 4 बजे घटित हुई , कुछ घंटे लेट पहुंची रेस्क्यू टीम ने देर शाम से रेस्क्यू अभियान बजरंग घाट में चलाया, किंतु देर रात तक भी रेस्क्यू टीम ने मृत युवक का शव नदी से रेस्क्यू नहीं कर पाया वही रेस्क्यू टीम के कुछ पदाधिकारी का कहना था कि वह दूसरे दिन पुनः सुबह नदी में रेस्क्यू अभियान चालू करेंगे।

इसके पहले भी हो चुकी है घटना

यहां पर घूमने आने वाले स्थानीय निवासी बताते हैं कि नदी में बच्चों के डूबने का यह पहला मामला नहीं है। बल्कि इसके पहले भी कुछ बच्चे नदी में नहाने के दौरान डूब चुके हैं । जबकि अभी एक महीने पहले ही एक बालक की नदी में डूबने के दौरान मौत हो गई थी । प्रतिवर्ष गर्मी के समय में यहां बालक घर से बिना बताये नदी में नहाने आते है और घटना होती है उन्होंने बताया कि यहां पर सुरक्षा की दृष्टि से फेंसिंग लगा देनी चाहिए। प्रशासन को लगातार हो रही घटना को देखते हुए कोई कठोर कदम उठाना चाहिए ताकि इस प्रकार की घटना बार-बार ना घटे ।

आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । तेज आंधी तूफान के दौरान आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई यह घटना जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सरई टोला मैं हुई मृतक सुद्धुलाल पिता हजारीलाल सरोते 63 वर्ष ग्राम सराय टोला निवासी हैलाल पिता हजारीलाल 63 वर्ष ग्राम सरई टोला निवासी है गढ़ी पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धुलाल सरोते ग्राम सरई टोला में ही अपने बेटी दमांद के पास में रहता था और खेती किसानी के अलावा मवेशी चराने का भी धंधा करता था। रोज की तरह 3 मई को दोपहर में सिद्धू लाल ने मवेशी चराने के लिए अपने गांव के गोथर धुर्वे के खेत तरफ ले गया था साथ में एक और लड़का अपनी भैंस चराने के लिए ले गया था। 2.30 बजे करीब तेज आंधी तूफान के दौरान बारिश हो रही थी तभी बारिश से बचने के लिए सुद्धुलाल खेत में स्थित पेड़ के नीचे छूप गया था और लड़का एक वहां से कुछ दूर पेड़ के नीचे खड़ा था तभी आसमानी बिजली पेड़ में गिरने से सुद्धुलाल की मौके पर ही मौत हो गई। दूर खड़े लड़के ने इस घटना के संबंध में गांव में जाकर बताया तब गांव मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे। इस घटना की रिपोर्ट उसके अशोक कुमार धुर्वे 27 वर्ष ने गढ़ी पुलिस थाना में की थी जहां से सहायक उप निरीक्षक कमलदास पढवार सरईटोला पहुंचे और मृतक सुद्धुलाल की लाश बरामद किए पंचनामा कार्यवाही पश्चात सुद्धुलाल की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

KESHAV ENGLISH HR.SEC.SCHOOL
WARASEONI

WALK-IN INTERVIEW

Thursday, 8 may 2025
09:00 am - 12:00 pm

Positions Available:
- PPRT - 02
- PRT - 01 (ENGLISH)
- PRT - 01 (EVS)
- TGT - 01 (ENGLISH)
- PGT - 01 (HINDI)
- COMPUTER TEACHER-01
- MUSIC TEACHER - 01

Ward no.14 gangotri colony waraseoni
9977039899
9669151089

जिले के 8 परीक्षा केंद्रों पर 2898 विद्यार्थी शामिल हुए नीट परीक्षा में

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रविवार को बालाघाट नगर के 8 परीक्षा केंद्रों पर मेडिकल व डेंटल क्षेत्र में प्रवेश की प्रतिष्ठित परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा प्रभारी राहुल नायक ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और निर्देशानुसार आयोजित हुई। परीक्षा के लिए 8 परीक्षा केंद्रों में सीएम राइज बालाघाट, पीएम श्री बालाघाट, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी, शासकीय एक्सीलेंस बालाघाट, कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, पीजी कॉलेज बालाघाट, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं एमएलबी बालाघाट पर हुई। परीक्षा में 2973 विद्यार्थियों में 2898 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि 75 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

62 वर्षीय वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत

वारासिवनी (पद्मेश न्यूज)। स्थानीय थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटंगझरी में एक 62 वर्षीय वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत हो गई। यह घटना 3 मई को करीब सुबह 4ः00 बजे करीब हुई वारासिवनी में पुलिस ने मृतिका सुखवंती पति स्वरूप आचरे 62 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखवंती बाई कटंगझरी में अपनी बहन के परिवार के साथ रहती थी और खेती किसानी करती थी। बताया गया है कि सुखवंती बाई को कम दिखाई देता था। 3मई को सुबह 4ः00 से सुखवंती बाई अपने बिस्तर में नहीं थी। परिवार के लोगों ने सोचा कि सुखवंती बाई शौच के लिए गई होगी। किंतु सुबह 7 तक सुखवंती बाई घर में नहीं पहुंची। तब परिवार वालों ने गांव मोहल्ले में खोजबीन किया किंतु वह नहीं मिली ।जब परिवार के लोग कुएं में पानी के लिए गए तब उन्होंने कुएं के अंदर सुखवंती बाई की लाश देखी। जिसकी रिपोर्ट उसके भतीजे राजेश कुमार आचरे 25 वर्ष ने वारासिवनी पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक महल सिंह धुर्वे ने ग्राम कटंगझरी पहुंचकर सुखवंती बाई का शव कुँए से बाहर निकलवाए और पंचनामा कार्यवाही प पश्चात शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि सुखवंती बाई शौच के लिए जाने हेतु कुए से पानी निकलते समय वह कुएं में फिसलकर गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई । सहायक उप निरीक्षक श्री धुर्वे द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

जमीन बेचना है

प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1,, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)

विक्रय करना है

संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

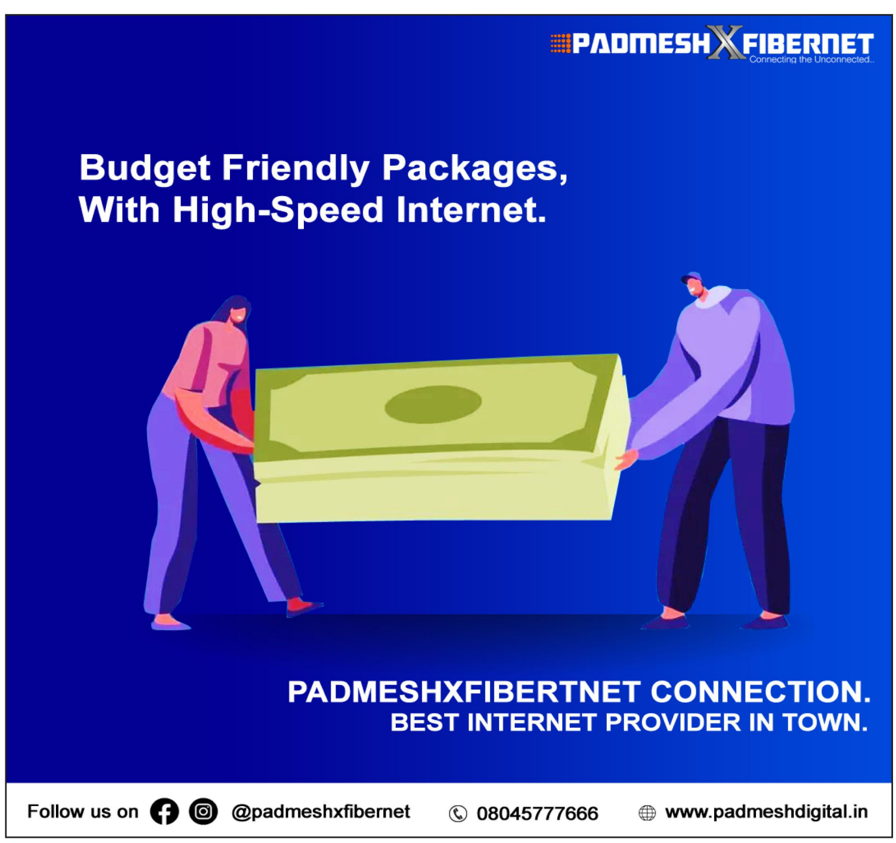

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट